नई दिल्ली
मंगलवार 10 नवंबर 2026
कार्तिक मास शुक्ल पक्ष,
प्रतिपदा वर्ष : 30, अंक : 203
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 31.5
न्यून. 18.0

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com



11 न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज जीतने उतरेगा भारत, रोहित पर नजर



दृश्यता हुई काफी कम

दिवाली की रात जमकर आतिशबाजी, दमघोंटू हुई हवा

गैस चैंबर बना हरियाणा, 15 शहरों का एक्यूआई @ 500

दो घंटे की इजाजत की जगह लोगों ने पूरी रात फोड़े बम

सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हुआ खुला उल्लंघन

आंखों में जलन, सांस लेने में हो रही भारी परेशानी

गांव-देहात में भी बढ़ा प्रदूषण, बुजुर्ग बच्चे हो रहे बीमार

हरिभूमि टीम (हरियाणा)। दिवाली की रात हरियाणा में प्रदूषण का स्तर बेहद खतरनाक स्थिति में पहुंच गया। प्रदेश के 15 शहरों की हवा जहरीली हो गई। इन शहरों में लोगों को सांस लेने में दिक्कत और आंखों में जलन जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ा। दिवाली की रात 12 से 2 बजे के बीच प्रदेश के 23 शहरों में से 15 का एक्यूआई 500 तक पहुंच गया। यानी इन शहरों में प्रदूषण का स्तर एक्यूआई मापने की अधिकतम सीमा तक पहुंच गया। इसके साथ ही ये शहर गंभीर श्रेणी में आ गए। दिवाली की रात से पहले जारी आंकड़ों से तुलना करें तो प्रदूषण की स्थिति में भारी गिरावट दर्ज की गई। पहले किसी भी शहर का एक्यूआई 400 तक नहीं पहुंचा था, जबकि दिवाली की रात 15 शहरों का एक्यूआई 500 तक पहुंच गया। बहादुरगढ़, बल्लभगढ़, फरीदाबाद, गुरुग्राम, रोहतक, सोनीपत और पानीपत समेत प्रदेश के कई शहरों की हवा बेहद जहरीली हो गई। तुलनात्मक आंकड़ों में कुरुक्षेत्र का एक्यूआई 179 से बढ़कर 500 पर पहुंच गया। यहां 321 अंकों की बढ़ोतरी हुई। करनाल में 200 से बढ़कर 500 (300 अंक), अंबाला में 226 से 500 (274 अंक) और पानीपत में 228 से 500 (272) अंक हो गया।

प्रदूषण का स्तर एक्यूआई मापने की अधिकतम सीमा पर



सुप्रीम कोर्ट सख्त, एक्शन प्लान मांगा

यहां पर बता दें कि सुप्रीम अदालत ने दिल्ली-एनसीआर में वाहनों से होने वाले प्रदूषण को लेकर कठोर रुख अपना लिया है। इस क्रम में दिल्ली सहित तीन अन्य राज्यों से एक्शन प्लान मांग लिया है। अहम बात यह है कि हरियाणा और दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान को जवाब दाखिल करना होगा। इन आदेशों के साथ ही पिछले कई वर्षों के अनुभव के आधार पर संबंधित विभाग के अफसरों का नाम प्रकाशित नहीं करने की शर्त पर कहना है कि कुछ निर्देश जारी किए जाएंगे, जिनका राज्य पूरी तरह से पालन करने का काम करेगा।

दिवाली के बाद यूं बिगड़ी शहरों में हवा की सेहत

शहर	एक्यूआई (पहले)	(बाद में)
कुरुक्षेत्र	179	500
करनाल	200	500
अंबाला	226	500
पानीपत	228	500
सोनीपत	244	500
धारूहेड़ा	266	500
गुरुग्राम	288	500

तत्काल कदम उठाने के निर्देश

प्रदूषण को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। इसके अलावा हरियाणा में एनसीआर एरिया के जिलों में खासतौर पर पीयूसी (पॉल्यूशन अंडर कंट्रोल) नियमों के पालन और प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों के खिलाफ मुहिम तेज कर दी गई है। वाहनों के चालान कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई की रिपोर्ट भी अदालत द्वारा मांगी गई है। इसके अलावा पुराने वाहनों और तय मानकों को पूरा न करने वाले वाहनों के खिलाफ की कार्रवाई का विवरण भी अदालत के सामने रखना होगा।

एक ही रात में आग से 23 लोगों की गई जान

नई दिल्ली। दिवाली की रात देश के कई शहरों में पटाखों और अन्य कारणों से लगी आग में 23 लोगों की मौत हो गई। सबसे ज्यादा मौतें मध्य प्रदेश में हुईं, जहां तीन अलग-अलग घरों में आग लगने से 13 लोगों की जान चली गई। वहीं, महाराष्ट्र के धाराशिव में मकान में रहने वाले परिवार के छह लोगों की मौत हो गई। मुंबई के लोखंडवाला में आग लगने से एक व्यक्ति की जान चली गई। राजस्थान के पाली में पटाखों की दुकान में आग लगने से 2 लोगों की मौत हो गई। वहीं, दिल्ली के नरेला में रॉकेट पटाखा पेट में लगने से 10 साल के बच्चे की मौत हो गई।

पूरे दिल्ली-एनसीआर में हवा खतरनाक स्तर पर

नई दिल्ली। दिवाली के बाद सोमवार सुबह दिल्ली-एनसीआर की हवा की क्वालिटी गंभीर कैटेगरी में पहुंच गई। रविवार रात लोगों ने जमकर पटाखे जलाए, जिसके बाद सोमवार सुबह दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में विजिबिलिटी भी काफी कम रही। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली के पटपड़गंज में एक्यूआई में 418, आईटीओ पर एक्यूआई 406, राजीव चौक पर एक्यूआई 381 और साउथ एक्सटेंशन के आसपास के क्षेत्र में एक्यूआई 360 दर्ज किया गया। उत्तर प्रदेश के नोएडा, गाजियाबाद, कानपुर और वाराणसी समेत 10 शहरों में सोमवार को हवा का स्तर खतरनाक रहा। सुबह 7 बजे प्रयागराज, गोरखपुर और लखनऊ का एक्यूआई 500 के पार पहुंच गया। यूपी में ठंड और कोहरे ने भी असर दिखाना शुरू कर दिया है। 15 से ज्यादा शहरों में घना कोहरा छाया रहा। रात का तापमान 15 डिग्री से नीचे लुढ़क गया है। मध्य प्रदेश में भी ठंड बढ़ रही है। रविवार रात भोपाल, इंदौर समेत 14 शहरों में पारा 14 डिग्री से कम रहा। राजस्थान के शहरों में रविवार को दिन में सामान्य से ज्यादा गर्मी रही।

एक्यूआई 418 पहुंचा, प्रयागराज में एक्यूआई 500 पार

हिसार के युवक जिंदा जल गए

यूपी के मुजफ्फरनगर में भीषण सड़क हादसे में गई सभी की जान

खंभे से टकराई तेज स्पीड कार, पलटी और आग लग गई

दरवाजे लॉक होने के कारण कोई भी बाहर नहीं निकल पाया

राखीगढ़ी के 4 युवक अंकित और राहुल दोनों सगे भाई

बाकी दो युवक मोठ रांगड़ान के निवासी



नारनौंद : मुजफ्फरनगर के पास पड़ी हुई दुर्घटनाग्रस्त गाड़ी।

गंगा स्नान के लिए हरिद्वार जा रहे 6 दोस्तों की दर्दनाक मौत

सभी युवकों की उम्र 20 से 23 वर्ष के बीच

नारनौंद (हरिभूमि न्यूज)। नारनौंद हलके के ऐतिहासिक गांव राखीगढ़ी और मोठ रांगड़ान गांव के छह युवकों की उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में हुए भीषण सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। सभी युवक आपस में दोस्त थे और सोमवती अमावस्या के अवसर पर हरिद्वार में गंगा स्नान करने के लिए घर से निकले थे। हादसे में सभी छह युवक कार के अंदर जिंदा जल गए। जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह मुजफ्फरनगर में पानीपत-खटीमा राष्ट्रीय राजमार्ग पर युवकों की तेज रफ्तार सीएनजी कार अचानक अनियंत्रित हो गई। कार पहले सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से टकराई और इसके बाद डिवाइडर तोड़ते हुए दूसरी लेन में जाकर पलट गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बिजली का खंभा दो टुकड़ों में टूट गया और डिवाइडर का करीब 10 मीटर हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के तुरंत बाद कार में भीषण आग लग गई। बताया जा रहा है कि कार के दरवाजे लॉक होने के कारण युवकों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिल पाया और सभी छह युवकों की जिंदा जलने से मौत हो गई।

इनकी गई जान

जान गंवाने वाले युवकों की पहचान राखीगढ़ी निवासी साहिल (20), अंकित (21) और राहुल (23) अंकित मालिक (22) के रूप में हुई है। वहीं गांव मोठ करनेल के अमन (20) और अजय (21) हैं। परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार मृतकों में अंकित और राहुल सगे भाई हैं। साहिल पुत्र सोमकुमार गुड़गांव में टैक्सी चलाने का काम करता था और हादसे के समय कार चला रहा था। अंकित एसी-फ्रिज रिपेयरिंग का काम करता था, जबकि राहुल भी मेहनत-मजदूरी और गाड़ी चलाने का काम करता था। अन्य युवक भी पढ़ाई और मेहनत-मजदूरी से जुड़े हुए थे।

हरिभूमि पाठक सर्वे योजना हरियाणा

खबर संक्षेप

सर्फ एक्सेल, रिन की कीमतें 11 फीसदी बढ़ी



नई दिल्ली। हिंदुस्तान यूनिलीवर ने अपने होम केयर पोर्टफोलियो के कई उत्पादों की अधिकतम खुदरा कीमतों में 11% तक की बढ़ोतरी की है। इनमें सर्फ एक्सेल, रिन और व्हील जैसे लोकप्रिय डिटर्जेंट ब्रांड शामिल हैं। कंपनी ने लागत के बढ़ते दबाव और अपने मार्जिन को सुरक्षित रखने की कोशिशों के चलते यह कदम उठाया है। कीमतों में यह बदलाव कई अलग-अलग पैक साइज़ पर लागू होगा, जिसमें 1 रुपये से लेकर 10 रुपये तक की बढ़ोतरी की गई है। कंपनी ने 'सर्फ एक्सेल क्विक वॉश' (1 किलो पैक) की एमआरपी 235 रुपये से बढ़ाकर 245 रुपये कर दी है।

कश्मीर में 10 करोड़ से अधिक की संपत्ति कुर्क

श्रीनगर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को बताया कि उसने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) में कथित अनियमितताओं से जुड़े धन शोधन के मामले में जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर और बांदीपोरा जिलों में 10.63 करोड़ रुपये मूल्य की 11 संपत्तियां कुर्क की हैं। केंद्रीय एजेंसी ने एक बयान में बताया कि यह मामला योजना के तहत धन के कथित दुरुपयोग से जुड़ा है और कुर्क की गई संपत्तियां आपूर्तिकर्ताओं-सह-दलालों और जम्मू-कश्मीर बैंक के अधिकारियों के कब्जे में थीं।

1930 में हुई आरएसएस पर बैन लगाने की कोशिश : भागवत

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने 1930 के दशक का एक किस्सा सुनाते हुए बताया कि उस समय सेंट्रल प्रोविंस की विधानसभा में संघ पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश हुई थी। उन्होंने कहा कि उस समय संघ के समर्थन में कोई स्वयंसेवक सामने नहीं आया था। ऐसे में इब्राहिम नाम के एक व्यक्ति ने संघ का पक्ष रखते हुए कहा था कि संघ को बंद नहीं किया जाना चाहिए और क्योंकि वह सांप्रदायिक संगठन नहीं है। भागवत ने बताया कि इब्राहिम का कहना था- जो लोग कहते हैं कि हिंदुस्तान हिंदू राष्ट्र है, उन्हें मेंटल हॉस्पिटल भेज देना चाहिए। मैं डॉ. हेडगेवार को जानता हूं, वह मेंटल नहीं हैं, वह एक अच्छे इंसान हैं। इसलिए, संघ कम्युनल नहीं हो सकता।

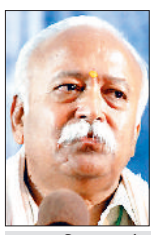

तब इब्राहिम नाम के व्यक्ति ने विरोध किया था, किसी स्वयंसेवक ने नहीं

संबोधन की बड़ी बातें

- **व्यक्ति निर्माण से देश निर्माण:** आरएसएस का उद्देश्य व्यक्ति निर्माण के जरिए समाज और देश को बेहतर बनाना है। संघ के संस्थापक डॉ. हेडगेवार का मानना था कि अच्छे व्यक्ति से ही अच्छे समाज और देश का निर्माण होता है।
- **प्रचारक पूरा जीवन संगठन को समर्पित करते हैं:** आरएसएस के प्रचारक बिना किसी स्वार्थ, अहंकार या व्यक्तिगत लाभ की उम्मीद के समाज के लिए काम करते हैं। वे अपनी निजी इच्छाओं को भी संगठन के लिए छोड़ देते हैं।
- **प्रचारकों का त्याग दूसरों के लिए प्रेरणा:** प्रचारकों और स्वयंसेवकों के समर्पण और त्याग को सिर्फ शब्दों में नहीं समझाया जा सकता। उनके साथ रहकर ही इसे महसूस किया जा सकता है। उनका जीवन दूसरों को समाज सेवा के लिए प्रेरित करता है।
- **प्रचारक स्वयंसेवकों को संगठन के लक्ष्य से जोड़ते हैं:** हर स्वयंसेवक आदर्शों पर पूरी तरह खरा नहीं उतर पाता, लेकिन सभी समाज के लिए अच्छा काम करने की कोशिश करते हैं। प्रचारक अपने समर्पण से स्वयंसेवकों को संगठन के उद्देश्यों से जोड़े रखते हैं।

हसीना ने बांग्लादेश लौटने के लिए नया पासपोर्ट मांगा

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने देश लौटने के लिए नया पासपोर्ट मांगा है। वे दिसंबर में बांग्लादेश लौटना चाहती हैं। आवेदन नई दिल्ली स्थित बांग्लादेश दूतावास से किया गया है। उनके वकील ने सोमवार को लंदन में बांग्लादेश के शीर्ष राजनयिक को भी ईमेल किया है। इसमें हसीना के लिए नया पासपोर्ट और राष्ट्रीय पहचान पत्र जारी करने की मांग की गई है। शेख हसीना 5 अगस्त 2024 से भारत में हैं। छात्र आंदोलन के बाद उन्हें प्रधानमंत्री पद छोड़ना पड़ा था। तब से वे भारत में ही रह रही हैं।



2 साल से भारत में हैं पूर्व प्रधानमंत्री शेख

पाक टीवी एंकर राबिया की घर पर ही गोली लगने से मौत

रावलपिंडी (एजेंसी)। पाकिस्तान के रावलपिंडी में रविवार को टीवी एंकर राबिया अहसान की उनके घर में गोली लगने से मौत हो गई। उनके गले के नीचे गोली लगी थी। राबिया के पति ने दावा किया कि पिस्टल संभालते समय अचानक गोली चल गई थी। उसे पता नहीं था कि पिस्टल में गोली भरी हुई है। हालांकि, राबिया के भाई की शिकायत के बाद पुलिस ने उनके पति को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने गोली चलाने में इस्तेमाल हुई बंदूक भी बरामद कर ली है। टीवी एंकर राबिया अहसान की 13 और 11 साल की दो बेटियां हैं।



पति का दावा पिस्टल संभाल रहा था, पता नहीं था उसमें गोली है

मोदी ने जेलेंस्की से युद्ध खत्म करने में मदद की पेशकश की

कहा-शांति की हर कोशिश में हम साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से फोन पर बात की। इस दौरान मोदी ने रूस-यूक्रेन युद्ध का शांतिपूर्ण समाधान निकालने की कोशिशों में भारत की ओर से हरसंभव मदद देने की बात कही। प्रधानमंत्री कार्यालय के मुताबिक, मोदी ने कहा कि युद्ध का हल बातचीत और कूटनीति से ही निकलना चाहिए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भारत शांति की कोशिशों में अपना योगदान देने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत इस युद्ध को इंसानियत के नजरिए से देखता है। मोदी पहले भी कई बार कह चुके हैं कि यह युद्ध का दौर नहीं है और किसी भी विवाद को बातचीत से सुलझाया जाना चाहिए। यह बातचीत ऐसे समय हुई है, जब रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म कराने की कोशिशें फिर तेज हो रही हैं। अमेरिका, यूरोप और रूस के बीच इस मुद्दे पर लगातार बातचीत और बयानबाजी चल रही है। ऐसे में जेलेंस्की का मोदी से बात करना अहम है। भारत के रूस और यूक्रेन, दोनों देशों से अच्छे रिश्ते हैं। मोदी पिछले चार साल से दोनों देशों के नेताओं के संपर्क में हैं। वह कभी रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से तो कभी जेलेंस्की से बात करते रहे हैं।



फोन पर कहा युद्ध का हल कूटनीति से निकलना चाहिए

भतीजी से दुष्कर्म-मर्डर का आरोपी एनकाउंटर में ढेर

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले में 12 साल की भतीजी से रेप-मर्डर के आरोपी दिलीप रॉय की सोमवार सुबह पुलिस एनकाउंटर में मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, रायगंज के परापुकुर गांव में उसे पकड़ने के लिए छापेमारी की गई थी। इस दौरान आरोपी ने पुलिस पर गोली चलाई, जो पुलिस वैन के टायर में लगी। जवाबी गोलीबारी में वह घायल हो गया। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस घटना के बाद से फरार आरोपी की चार दिन से तलाश कर रही थी। राज्य मंत्री दिलीप घोष ने कहा कि कानून तोड़ने वालों को पुलिस का सामना करना पड़ेगा।



चार दिन से चल रहा था फरार दिलीप रॉय

3 नवंबर को घर से निकली थी बच्ची

परिवार के मुताबिक, बच्ची 3 नवंबर को साइकिल लेकर घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। 5 नवंबर को कुलिक नदी के पास जंगल में उसका शव मिला। परिजनों ने दुष्कर्म के बाद हत्या का आरोप लगाया था। पुलिस के मुताबिक, दिलीप रॉय बच्ची का रिश्तेदार था और उसे नदी दिखाने के बहाने जंगल ले गया था। घटना के बाद वह फरार हो गया था। पुलिस को सोमवार रात करीब 2 बजे सूचना मिली थी कि आरोपी बिहार सीमा के पास छिपा है।

सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया अहम फैसला

लोकसेवक 48 घंटे से ज्यादा न्यायिक हिरासत में तो सस्पेंड माना जाएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है कि अगर कोई सरकारी अफसर गिरफ्तार होकर 48 घंटे से ज्यादा न्यायिक हिरासत (जेल) में रहता है, तो उसे अपने आप सस्पेंड माना जाएगा। इसके लिए अलग से कोई सस्पेंशन ऑर्डर निकालने की जरूरत नहीं है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनमोहन की बेंच ने अपने आदेश में ये बात कही। मामला बिहार के समस्तीपुर के अस्पताल प्रशासक के रिश्वत कांड से जुड़ा था। विश्वजीत सिंह पर 36421 रुपये के बकाया वेतन को जारी करने के बदले संविदाकर्मी से 4000 रुपये रिश्वत मांगने का आरोप है। कोर्ट ने पटना हाईकोर्ट का वह आदेश रद्द कर दिया, जिसमें करीब एक साल बाद उनकी जमानत रद्द की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट इस पर टिप्पणी कर सकता था, लेकिन जमानत रद्द नहीं करनी चाहिए थी। जमानत बहाल करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी की सेवा स्थिति और बाद की तैनाती से जुड़ी एक गंभीर बात भी उठाई। बेंच ने आदेश में कहा, 'एक गंभीर बात है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।



बिहार अस्पताल प्रशासक की जमानत बहाल

सुप्रीम कोर्ट ने उठाए थे कीमतों को लेकर सवाल

कैंसर की 137 दवाएं सस्ती, 50% तक दाम कम

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट की नाराजगी के बाद 17 अक्टूबर को नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी ने 137 गैर-अनुसूचित (नॉन शिड्यूल्ड) कैंसर दवाओं पर कंपनियों का मुनाफा 30% तय कर दिया था। इसी फैसले के बाद दवाओं की कीमतें कम हुई हैं।

कैंसर की 137 दवाएं 9 नवंबर से सस्ती हो गई हैं। दवा कंपनियों ने 121 दवाओं के 1,364 फॉर्मूलेशन की नई कीमतें जारी की हैं। इनमें 679 ब्रांड की दवाओं के दाम 50% से ज्यादा घटाए गए हैं। सबसे ज्यादा 96.45% की कमी की गई है। कीमतें घटने से मरीजों को हर साल करीब 3,540.38 करोड़ रुपये की बचत होने का अनुमान है। दरअसल, 22 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने कैंसर की दवाओं की रिटेलर कीमत (पीटीआर) और मैक्सिमम रिटेल प्राइज यानी एमआरपी के बीच के मार्जिन पर सवाल उठाए थे। कोर्ट ने कहा था- 2700 की दवा मरीज को 27000 में मिलना दिनदहाड़े डकैती और नरसंहार जैसा है।

विशेषज्ञ समिति ने की थी सिफारिश



कीमतें कम करने की सिफारिश डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज के तहत बनी विशेषज्ञ समिति ने की थी। समिति में देशभर के प्रमुख ऑन्कोलॉजिस्ट, मेडिकल विशेषज्ञ, अस्पतालों के विशेषज्ञ और सरकारी अधिकारी शामिल थे। समिति ने मार्जिन को तर्कसंगत बनाने के लिए 137 दवाओं की सिफारिश की है। इस सूची को समय-समय पर अपडेट किया जाएगा।

शिकायत के लिए एप

खरीदार दवा के पैकेट पर छपी बढ़ली हुई कीमत देख सकते हैं और 'फार्मा सही दाम' मोबाइल ऐप या एनपीपीए की वेबसाइट के जरिए दवाओं की नई कीमत की पुष्टि कर सकते हैं। कोई भी केमिस्ट या अस्पताल की फार्मेसी, तय की गई कीमत से अधिक दाम नहीं वसूल सकती। यदि कोई अधिक कीमत वसूलता है या कीमतों से जुड़ी कोई अन्य शिकायत है, तो उपभोक्ता 'फार्मा जन समाधान' पोर्टल के माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं या एनपीपीए की हेल्पलाइन नंबर 1800-111-255 पर संपर्क कर सकते हैं।

सालों बाद दिवाली पर प्रदूषण की चादर, दिल्ली में एक्यूआई 370 पार, कई जगह 600 से ज्यादा दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में सालों बाद इस बार दिवाली के दूसरे दिन सोमवार को प्रदूषण की चादर देखने को मिली। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार राजधानी में सुबह के समय औसत वायु प्रदूषण सूचकांक (एक्यूआई) 371 दर्ज हुआ जो, गत करीब पांच साल में सबसे ज्यादा है। जबकि कई स्टेशनों पर एक्यूआई 400 पार दर्ज किया गया। सीपीसीबी के आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में सबसे ज्यादा एक्यूआई दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी (डीटीयू) और बुराड़ी मोड़ पर 439 दर्ज हुआ। वहीं शाम के समय एक्यूआई में और बढ़ोतरी देखने को मिली। आंकड़े बताते है कि 2021 के बाद इस दिवाली में एक्यूआई सबसे ऊंचे स्तर पर रहा। वहीं दिल्ली में 51 मॉनिटरिंग स्टेशनों पर दर्ज किए गए डेटा के तहत 14 ऐसे स्टेशन रहे जहां एक्यूआई गंभीर श्रेणी में दर्ज हुआ। जबकि शेष निगरानी स्टेशनों में आंकड़े बहुत खराब यानी 400 तक एक्यूआई दर्ज किया गया। वहीं इसमें सबसे ज्यादा एक्यूआई डीटीयू में 439 गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया। आंकड़ों के अनुसार बवाना, बुराड़ी, जहांगीरपुरी, सोनिया विहार, पंजाबी बाग, ओखला, रोहिणी , पटपटगंज, खानपुर, अंबेडकर नगर, तिलक नगर, पीरागढ़ी, नरेला, भोरगढ़, तिमारपुर, बदरपुर, रानी बाग, त्रि नगर, करोल बाग, पहाड़गंज, गीता कॉलोनी आदि जगहों पर एक्यूआई बहुत खराब से लेकर गंभीर श्रेणी तक दर्ज हुआ। वहीं दूसरी तरफ





सार्वजनिक वायु गुणवत्ता निगरानी मंच एक्यूआई डॉट इन ने दीपावली के बाद राजधानी का एक्यूआई बढ़ 637 दर्ज किया गया, जिसे उसने खतरनाक श्रेणी में रखा। वहीं रविवार यानी दिवाली की रात 10 बजे तक आंकड़े दर्ज करने वाले 59 निगरानी केंद्रों में से 20 पर एक्यूआई गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में रहा। जबकि इसी दौरान छह स्टेशनों पर हवा खराब श्रेणी में बाकी के 33 स्टेशनों पर हवा का बेहद खराब श्रेणी में दर्ज किया गया। बता दें कि सीपीसीबी के अनुसार, एक्यूआई को शून्य से 50 के बीच अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक,101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बेहद खराब और 401 से 500 के बीच गंभीर श्रेणी में रखा जाता है। पर्यावरण जानकारों का कहना है कि दीवाली के अवसर पर खतरनाक श्रेणी के पटाखे चलाने की वजह से हवा में प्रदूषण की मात्रा बढ़ गई है।

वहीं पर्यावरण जानकारों का यह भी कहना है कि पड़ोसी राज्यों में जलाई जा रही पराली सहित अन्य कारणों से भी दिल्ली में एक्यूआई का स्तर बढ़ता जा रहा है। इसलिए केवल पटाखे जलाने से प्रदूषण बढ़ा हो ऐसा भी नहीं कहा जा सकता। हां यह माना जा सकता है कि पटाखों के तय मानकों की अनदेखी से प्रदूषण पर विपरीत असर पड़ता है, उससे तो इंकार नहीं है।

प्रदूषण रोकने की नाकामी का दोष भाजपा किसानों पर मढ़ पंजाबियों को कर रही बदनामः सौरभ

नई दिल्ली। दिल्ली में प्रदूषण रोकने में बुरी तरह नाकाम भाजपा अब अपनी नाकामी का दोष किसानों के सिर मढ़कर पंजाबियों को बदनाम कर रही है। ऐसा हो ही नहीं सकता कि पंजाब से उठा धुआ केवल दस मिनट में दिल्ली तक पहुंच जाए, इससे ही भाजपा नेताओं की वैज्ञानिक सोच का दिखावा समझ आ जाता है। यह बातें आप पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कही। भारद्वाज, दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा द्वारा लगाए गए आरोपों पर बोल रहे थे। भारद्वाज ने कहा कि मान लें कि दिवाली की रात पंजाब में पराली जली भी होगी तो वहां से धुँआ दिल्ली पहुंचने में 2 से 3 दिन लेगा। लेकिन भाजपा के नेता आरोप लगा रहे है कि पंजाब में रात को पराली जलाई उससे दिल्ली की हवा बहुत खराब हो गई। उन्होंने कहा कपिल मिश्रा एक नंबर के झूठे व्यक्ति हैं। उन्होंने पहले भी झूठ बोला था और फिर अदालत में माफी मांगी थी। कपिल मिश्रा का यह कहना कि दिवाली की रात को पंजाब में पराली जलाई गई जिससे दिल्ली में प्रदूषण हुआ, यह पूरी तरीके से गैर वैज्ञानिक बात है। वहीं विधायक संजीव झा ने तंज कसते हुए पूछा कि माना कि पंजाब में पराली जली और तुरंत दिल्ली का प्रदूषण बढ़ गया, तो क्या दिल्ली तक हवा टेलीपोर्ट होकर पहुंची है। पहले भाजपा दिवाली पर पटाखों की पैरवी करती है और प्रदूषण बढ़ने पर पंजाब को बदनाम करती है। उन्होंने कहा कि अगर मान लें कि रविवार को पंजाब में पराली जलाई गई, तो क्या उसका इम्पैक्ट दिल्ली में तुरंत हो जाएगा। पंजाब में पराली जली, तो पहले पंजाब की हवा खराब होगी, फिर हरियाणा होते हुए दिल्ली आएगी। अगर हवा 10 से 15 किमी की रफ्तार से चल रही है, तो उसका इम्पैक्ट दिल्ली में दो-तीन दिन बाद ही होगा। उन्होंने कहा कि पंजाब का डाटा बता रहा है कि आप की सरकार बनने से पहले 2022 में पंजाब में पराली जलने की 72 हजार घटनाएं हुई थीं। लेकिन आज यह आंकड़ा घटकर 1,500-2,000 तक है। झा ने कहा कि पंजाब में पराली जलने की घटनाएं 90 फीसद से ज्यादा कम हुई हैं, इसलिए पंजाब के किसानों को शाबाशी देनी चाहिए कि उन्होंने यह कर दिखाया।

आप ने लगाए रेखा सरकार पर एक्यूआई के गलत आंकड़े पेश करने के आरोप

नई दिल्ली। दिल्ली में वायु प्रदूषण के आंकड़े को लेकर मुख्य विपक्ष दल आम आदमी पार्टी (आप) रेखा गुप्ता सरकार पर बरस रही है। आप के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने तो यहां कह दिया कि रेखा सरकार एक्यूआई का सही डेटा सार्वजनिक नहीं करके केवल फर्जीवाड़ा कर दिल्ली के साथ फ्रॉड कर रही है। इस मुद्दे पर भारद्वाज ने कहा कि रेखा सरकार जो आंकड़े पेश कर रही है वह गलत और भ्रामक है। क्योंकि सरकार के आंकड़ों से ठीक उलट दीवाली की रात कई इलाकों में एक्यूआई 3 हजार से ज्यादा था, जो स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है। आंकड़ों में बाजीगरी करते हुए सरकार प्रदूषण कम दिखाने के लिए मॉनिटरिंग स्टेशन पर पानी छिड़क रही है। उन्होंने कहा कि एक्यूआई कम करने के लिए सरकार ने हरे-भरे इलाकों में 20 मॉनिटरिंग स्टेशन लगाए हैं। सरकार के इस फर्जीवाड़े में शामिल होने के कारण ही सीएक्यूएम और सीपीसीबी भी कार्रवाई नहीं करते। भारद्वाज ने कहा कि सरकार द्वारा एक्यूआई को आंकड़ों से कम दिखाए जाने से हार्ट अटैक, अस्थमा, रेस्पिरेटरी फेल्योर समेत अन्य गंभीर स्थितियां पैदा हो सकती हैं। सरकार को चाहिए कि औसत एक्यूआई कम दिखाने की बजाए इसे रोकने पर गंभीरता से कार्य करे। भारद्वाज ने बताया हमने दिखाया है कि आईटीआई जहांगीरपुरी के एक्यूआई मॉनिटरिंग स्टेशन के ऊपर लगातार पानी छिड़का जा रहा है। जिससे वास्तव में प्रदूषण कम नहीं होता केवल एक्यूआई के आंकड़े कम हो जाते है। उन्होंने आरोप लगाए कि इस सरकार ने दिवाली की रात को एक्यूआई मॉनिटरिंग स्टेशन तक बंद करा दिए थे। भारद्वाज ने रेखा सरकार से निवेदन करते हुए कहा कि अपनी जिम्मेदारी से मत भागिए। जनता को सच्चा एक्यूआई दिखाइए, जिससे की बीमार लोग, बुजुर्ग और बच्चे हैं, उनकी जान को खतरे से बचाया जा सके।

वायु प्रदूषण में वृद्धि का दोष पटाखों पर मढ़ना निंदनीय

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) एवं कांग्रेस द्वारा वायु प्रदूषण में वद्धि का दोष पटाखों पर मढ़ना उनके हिन्दुओं की दिवाली की रात पटाखे चलाने की आस्था पर स्पष्ट कुठाराघात है। दिल्ली भाजपा प्रवक्ता डॉ. अनिल गुप्ता एवं प्रवीण शंकर कपूर ने सोमवार को संयुक्त बयान जारी कर निंदा की है। उन्होंने कहा है कि दिल्ली में दिवाली की अगली सुबह वायु प्रदूषण में कोई अप्रत्याशित वृद्धि नहीं हुई है जो स्पष्ट करता है कि दिल्ली में वायु प्रदूषण वृद्धि का कारण पटाखे नहीं हो सकते। दिल्ली भाजपा प्रवक्ताओं ने दावा करते हुए कहा कि सभी प्रशासनिक पाबंदियों के बावजूद केंद्रीय पर्यावरण कंट्रोल बोर्ड डाटा अनुसार अरविंद केजरीवाल सरकार के दौरान 2023 में दिवाली की अगली सुबह 13 नवम्बर को एक्यूआई 358 था तो 2024 में दिवाली की अगली सुबह 1 नवम्बर को एक्यूआई 341 था। इस वर्ष जब पटाखा चलाने की काफी छूट रही तो भी एक्यूआई 368 पर पहुंचा और दिवाली के दिन 8 नवम्बर की सुबह भी एक्यूआई 364 था जो दर्शाता है कि पटाखों से एक्यूआई में कोई अप्रत्याशित वृद्धि नहीं हुई। प्रवक्ताओं ने पंजाब सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि केन्द्र सरकार लगभग हर वर्ष करोड़ों रूपये पंजाब सरकार को पराली मेनेजमेंट के लिए देती है, वह कहां जाता है पंजाब सरकार बताये।

दिवाली के दिन पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं में 10 गुना दर्ज हुई वृद्धिः कपिल मिश्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिवाली के दिन पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं में 10 गुना वृद्धि दर्ज की गई है। इसके लेकर दिल्ली सरकार ने किसानों के खेतों में आग लगाने की साजिश की जांच की मांग की है। दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा ने सोमवार को सिविल लाइन स्थित अपने आवास पर आयोजित प्रेस वार्ता में पंजाब में दिवाली के दिन पराली जलाने की घटनाओं में अचानक हुई वृद्धि को लेकर गंभीर सवाल उठाते हुए यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दिवाली की शाम से पंजाब के



- किसानों के खेतों में आग लगाने की साजिश की हो जांच
- मुख्यमंत्री भगवंत मान से किसानों के हित में तत्काल कार्रवाई करने की मांग

किसानों के फोन आने शुरू हुए, जिनमें बताया गया कि जब किसान अपने परिवार के साथ दिवाली मना रहे थे, उस दौरान उनके खेतों में आग लगाई जा रही थी। शुरुआत में इन शिकायतों पर विश्वास करना कठिन था, लेकिन लगातार विभिन्न क्षेत्रों से ऐसी सूचनाएं मिलने के बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए भारत सरकार के सैटेलाइट डेटा मंगवाया गया। कपिल मिश्रा ने बताया कि सैटेलाइट आंकड़ों के अनुसार पंजाब में 5, 6 और 7 नवंबर को पराली जलाने की घटनाएं लगभग 100 से 125 के बीच दर्ज हुई थीं, जबकि 8 नवंबर की शाम यह संख्या अचानक बढ़कर लगभग 1200 हो गई। उन्होंने कहा कि कुछ ही दिनों में घटनाओं की संख्या में इतनी बड़ी वृद्धि कई गंभीर सवाल खड़े करती है। उन्होंने आशंका जताई कि किसानों के खेतों में जानबूझकर आग लगाकर दिवाली, किसानों और दिल्ली को बदनाम करने का प्रयास किया गया है। उन्होंने कहा कि 7 नवंबर को लगभग 125 स्थानों पर पराली जलने की घटनाएं थीं, फिर दिवाली के दिन अचानक 1200 स्थानों पर आग कैसे लग गई? 10 गुना से ज्यादा आंकड़ा कैसे बढ़ गया? यह बहुत गंभीर विषय है।

किसान पूरी कोशिश कर रहे थे कि पराली न जलाएं

कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा ने पंजाब के किसानों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि किसान पूरी कोशिश कर रहे थे कि पराली न जलाएं। कुछ जगहों पर मजबूरी में आग लगी होगी, लेकिन दिवाली के दिन अचानक इतनी बड़ी संख्या में घटनाएं सामने आना कई गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि यह किसानों के खिलाफ साजिश है, यह दिवाली के खिलाफ साजिश है, यह दिल्ली के खिलाफ साजिश है और यह पंजाब के खिलाफ साजिश है। मंत्री मिश्रा ने पंजाब के विभिन्न शहरों के प्रदूषण स्तर का उल्लेख करते हुए कहा कि 9 नवंबर की सुबह मलोट में एक्यूआई 1238, अबोहर में 1307 और संगरूर में 1651 दर्ज किए जाने की जानकारी सामने आई है। उन्होंने कहा कि पंजाब के किसानों और आम नागरिकों का भी दम घुट रहा है। उन्होंने सवाल किया कि सोमवार संगरूर का जो एक्यूआई है, उसकी जिम्मेदारी किसकी होगी? बठिंडा का एक्यूआई किसकी जिम्मेदारी होगी? आखिर पंजाब के किसानों के खेतों में आग कौन लगा रहा है और यह आग क्यों लगवाई जा रही है?

मंत्री कपिल मिश्रा ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से किसानों के हित में तत्काल कार्रवाई करने, खेतों में आग लगाने वालों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि पंजाब के किसानों के खेतों में आग लगाकर भागने वालों को गिरफ्तार कर जेल में डालिए। मुख्यमंत्री भगवंत मान, पंजाब की भलाई के लिए काम करिए और ईमानदारी के साथ मेहनत कर रहे किसानों का साथ दीजिए। दिल्ली की जनता और पंजाब की जनता इस पाप को कभी माफ नहीं करेगी।

दिल्ली में प्रदूषण के मुद्दे पर मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि प्रदूषण आज भी एक गंभीर समस्या है और इसे समाप्त करने के लिए लगातार प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने प्री-दिवाली और पोस्ट-दिवाली प्रदूषण के आंकड़ों का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2023 में प्रदूषण में 43.33 प्रतिशत और 2024 में लगभग 10 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई थी, जबकि इस वर्ष पहली बार प्री-दिवाली और पोस्ट-दिवाली प्रदूषण के आंकड़ों में 1.33 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई है। उन्होंने कहा कि यह पहली बार है कि प्री-दिवाली और पोस्ट-दिवाली प्रदूषण में माइनस 1.33 प्रतिशत का आंकड़ा आया है। यह पहली बार है। ऐसा नहीं है कि प्रदूषण खत्म हो गया है या प्रदूषण कोई समस्या नहीं है, लेकिन जब लोगों की नीयत साफ होती है, मेहनत से काम किया जाता है और जनता तथा सरकार मिलकर प्रयास करते हैं, तो उसके परिणाम दिखाई देते हैं।

एनडीएमसी के कबाड़खाने में लगी आग

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली के सफदरजंग फ्लाईओवर के नीचे एनडीएमसी के कबाड़खाने में सोमवार तड़के आग लग गई। इससे पहले इस साल फरवरी में भी इसी जगह पर आग लगी थी।

अधिकारियों के अनुसार, घटनास्थल पर फेंके गए पुराने फ्लेक्स बैनरों के कारण आग तेजी से फैल गई। आग ने नगर निकाय के प्रवर्तन विभाग के गोदाम के खुले परिसर में रखी सामग्री को अपनी चपेट में ले लिया और करीब 1,000 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैल गई। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के अध्यक्ष ने स्टोर के आधिकारिक प्रभारी और इसका उपयोग करने वालों का विवरण मांगा है, और स्थल पर आग की पुनरावृत्ति पर सवाल उठाया है। नगर निकाय के अधिकारियों ने कहा कि एक ही स्थान पर आग की पुनरावृत्ति ने सवाल खड़े कर दिए हैं।

इस क्षेत्र का उपयोग एनडीएमसी द्वारा लुटियंस क्षेत्र में अपने अभियान के दौरान जब्त किए गए सामानों को रखने के लिए किया जाता है। अधिकारियों ने कहा कि दिल्ली अग्निशमन सेवा ने सूचना मिलने के बाद अपनी टीम को मौके पर भेजा और दमकल की कम से कम आठ गाड़ियां भेजी गईं। सुबह करीब साढ़े चार बजे आग पर काबू पा लिया गया।

नरेलाः हाथ में 'अनार' फटने से 10 वर्षीय लड़के की मौत

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी के नरेला इलाके में हाथ में ही 'अनार' फटने से 10 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, लड़का अपने घर के बाहर पटाखे फोड़ रहा था तभी यह घटना हो गई।

पुलिस ने बताया कि यह घटना रविवार को दिवाली पर रात करीब 9.45 बजे हुई, जब वह अपने घर के सामने हाथ से 'अनार' जला रहा था। घटना के एक कथित वीडियो में दिख रहा है कि बच्चा अपने हाथ में 'अनार' पकड़े हुए है और अचानक उसमें विस्फोट हो जाता है और इसका प्रभाव इतना शक्तिशाली था कि बच्चा पीछे की ओर गिर जाता है। पुलिस ने बताया कि 'अनार' में विस्फोट से उसके सीने में चोटें आईं, जिसके बाद उसकी मौके पर ही मौत हो गई। अस्पताल ने दावा किया है कि उसे मृत अवस्था में लाया गया था, जबकि परिवार का दावा है कि उसकी सांसे तब तक चल रही थी और अस्पताल ने उसे बचाने के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं किए। पुलिस को रात करीब 10.50 बजे अस्पताल से सूचना मिली कि पटाखे फोड़ने संबंधी घटना में झुलसे बच्चे को मृत अवस्था में लाया गया है। उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। लड़के के बड़े भाई ने आरोप लगाया कि अस्पताल ले जाने के बावजूद उसे बचाने के पर्याप्त प्रयास नहीं किए गए। उन्होंने कहा, "वह मेरा छोटा भाई था। वह 'अनार' जला रहा था जब यह घटना हुई। हम उसे अस्पताल ले गए, लेकिन कर्मचारियों ने उसे बचाने के लिए ज्यादा कुछ नहीं किया। मेरे पिता की तबीयत भी बिगड़ने लगी।' उन्होंने आरोप लगाया कि परिवार को लड़के का शव ले जाने की अनुमति नहीं दी गई और पुलिस उसे अज्ञात स्थान पर ले गई। भाई ने आरोप लगाया, "मेरे भाई को बचाया जा सकता था। मुझे पता है कि तबतक उसकी सांसें चल रही थी। उन्होंने उसे बचाने के लिए कुछ नहीं किया।

सफाई किए बिना यमुना में क्रूज सफारी का ट्रायल करना गलतः यादव

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने रेखा गुप्ता सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि अत्याधिक जहरीली व प्रदूषित हो चुकी यमुना नदी की साफ सफाई के बिना ही उसमें क्रूज सफारी का ट्रायल लॉन्च करना बहुत बड़ा



खतरनाक कदम है। यादव ने कहा कि यमुना में क्रूज और फरारी सेवा शुरु करने से पहले भाजपा की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को प्राथमिकता के तौर पर यमुना में नालों का बिना साफ किए सीवर के पानी को संशोधित करने के लिए सीवजे ट्रीटमेंट प्लांट लगाने चाहिए थे। क्योंकि वर्तमान में अनुपचारित नालों का सीधा गंदगी युक्त सीवेज का पानी यमुना में छोड़ा जा रहा है। जिसके कारण ही आज यमुना नदी की बजाए एक विषैला नाला बन चुकी है। ऐसे में क्रूज और फरारी के नियमित चलने पर इसमें यात्रा करने वाली सवारियों के स्वास्थ्य पर बेहद बुरा दुष्प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने पूछा कि गंभीर प्रदूषण और दूषित जल की गंभीर परिस्थितियों में कितने आगंतुक यमुना के पानी में नौका की सवारी करने के लिए अपने स्वास्थ्य को जोखिम में डालेंगे। वहीं यादव ने सवाल उठाया कि सरकार की अनदेखी के चलते ही दिवाली के बाद दिल्ली में प्रदूषण 400 एक्यूआई के पार पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार शहर का आधिकारिक एक्यूआई 400 की श्रेणी में पहुंच गया। इस तरह की खतरनाक स्थिति की चिंता करने के बजाय रेखा गुप्ता सरकार यमुना फरारी सफारी जैसी फैंसी परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित करके दिल्ली वालों के स्वास्थ्य के प्रति अपनी बेरुखी का परिचय दे रही है।

दिवालीः तय समय सीमा के उल्लंघन पर दो जिलों में करीब 100 मामले दर्ज

नई दिल्ली। दिवाली की रात निर्धारित समय के बाद पटाखे फोड़ने के संबंध में पश्चिमी जिले में 62 और उत्तरी जिले में 35 से अधिक मामले दर्ज किए गए। उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुसार, लोगों को सात और आठ नवंबर को सुबह छह बजे से सात बजे के बीच और रात आठ बजे से 10 बजे के बीच केवल प्रमाणित हरित पटाखे फोड़ने की अनुमति थी। पटाखे फोड़ने पर प्रतिबंध सोमवार से लागू हो गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, 'निर्धारित समय का उल्लंघन करते पाए गए लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं। अदालत के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में पुलिस टीमों को तैनात किया गया था।' अधिकारी ने बताया कि प्रवर्तन टीम रिहायशी कॉलोनियों और अन्य संवेदनशील इलाकों पर कड़ी नजर रख रही थीं तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

सोनिया विहार से जगतपुर शनि मंदिर तक उठा सकेंगे लुत्फ

आज दिल्लीवासियों को समर्पित किया जाएगा 'नमो यमुना क्रूज', मुख्यमंत्री करेंगी शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

देश की राजधानी दिल्ली स्थित यमुना में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली सरकार द्वारा शुरू किए जा रहे 'नमो यमुना क्रूज' को आज मंगलवार से दिल्लीवासियों को समर्पित किया जाएगा। दिल्ली के पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने सोमवार को अधिकारियों के साथ तैयारियों का जायजा लेने के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी साझा की। उन्होंने



बताया कि इस क्रूज के जरिए लोग सोनिया विहार से जगतपुर स्थित शनि मंदिर तक यमुना की लहरों के बीच रोमांचक सफर का आनंद ले सकेंगे। उन्होंने बताया कि क्रूज के शुभारंभ कार्यक्रम की तैयारियों के मद्देनजर सोनिया विहार में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया गया। इस दौरान कार्यक्रम की संबंधित व्यवस्थाओं और तैयारियों का जायजा लिया गया। वहीं, सरकार से मिली जानकारी के अनुसार, यदि सब कुछ ठीक रहा तो इस 'नमो यमुना क्रूज' शुभारंभ दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता करेंगी। मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि दिल्ली सरकार राजधानी के लोगों से किए गए सभी वादों को पूरा करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

यमुना पर्यटन को मिलेगी नई पहचान

बता दें कि राजधानी में यमुना नदी लंबे समय से धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण रही है। ऐसे में क्रूज सेवा शुरू होने से यमुना के आसपास पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। इससे सोनिया विहार और जगतपुर जैसे इलाकों को भी पर्यटन के लिहाज से नई पहचान मिल सकती है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मनोज कुमार, पुत्रः राजेंद्र, पताः 12–जी, मुकुंदपुर एक्सटेंशन, पार्ट–2, मुकुंदपुर, दिल्ली, (2) सीएन–912, गली नं. 12, 20 फुटा रोड, मुकुंदपुर एक्सटेंशन, पार्ट–2, मुकुंदपुर, दिल्ली, (3) मकान नं. 104, गली नं. 4, मुकुंदपुर एक्सटेंशन, पार्ट–2, मुकुंदपुर, दिल्ली** ने **Case.Reg No. (1) 3165/18 (2) 14562/17, U/s 138 NI Act. पुलिस थाना साउथ रोहिणी, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **मनोज कुमार** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **मनोज कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **Case.Reg No. (1) 3165/18 (2) 14562/17, U/s 138 NI Act. पुलिस थाना साउथ रोहिणी, दिल्ली** के अभियुक्त **मनोज कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **21.12.2026** को या इससे पहले हाजिर हो। **आदेशानुसार – सुश्री आकांक्षा**

न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–03, उत्तर पश्चिम

DP/16105/RD/2026 **कमरा न.107, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली**

हीरो मना रहा है भारत की कला शैलियों का जश्न.
पेश है बिहार के **श्रवण पासवान** की **मधुबनी कला.**

Hero

हीरो संग त्योहार है हर कहीं...

भाई दूज की शुभकामनाएँ

XOOM

STARTING EX-SHOWROOM PRICE ₹84 294

Destini

STARTING EX-SHOWROOM PRICE ₹75 000

ऑफर केवल आखिरी 2 दिनों के लिए वैध है

सोने का सिक्का और बहुत कुछ जीतने का मौका पाएं@

कैश डिस्काउंट ₹2500~ तक

इंस्टेंट कैशबैक ₹10000^ तक SBI card HDFC BANK pine labs

एक्सचेंज बोनस ₹5000~ तक

कम डाउन पेमेंट ₹4999^ से शुरू

कॉर्पोरेट ऑफर्स ₹3200~ तक

For bulk / institutional inquiries, please write to us at : institutionalsales@heromotocorp.com | Available in CSD

INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY* *Conditions apply

Hero GoodLife

Also Available on: Flipkart amazon.in

Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. I CIN: L35911DL1984PLC017354 I For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorized outlet or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ~Offer amount and combination of offer may vary for model/variant and states and it is applicable on select models only, for a limited time period or till stock lasts. Cash discount, Exchange & Corporate offer are exclusive and can't be availed together ^Finance/Card offer are at the sole discretion of the financier/bank, Subject to their respective T&Cs, Offer available only on limited stores. @Offer is only for New Goodlife members, Limited period offer-T&C apply. Ex-showroom price of Xoom 125 VX & Destini 110 VX in Delhi.

TOLL FREE 1800 266 0018

Authorised Dealers: South Delhi: Pul Prahladpur Badarpur: Singla Hero - 9289922771, Lajpat Nagar: Sapphire Hero- 9289923175, Adchini (Main Mehrauli Road): Pashupati Hero- 9289922381, Okhla Phase II: ARC Hero- 9289922461, **East Delhi:** Durgapuri (Loni Road, Shahadra): Himgiri Hero- 9289922380, Pushta Kartar Nagar: Aman Hero- 9289922735, Dilshad Garden: RK Hero- 9289923010, Patparganj Pandav Nagar: Singla Autoneeds Hero- 9289923222, **North Delhi:** Azadpur: Shraman Hero- 9289923185, Pitampura: Shraman Hero– 9289924252, Rithala (Rohini): Metro Hero- 9289922597, Rama Vihar : Metro Hero- 9289924250, Narela: MetroHero- 9289924251, Budh Vihar: JMD Autoworld Hero- 9289924188, Mangolpuri: JMD Autoworld Hero - 7838405858, **Central Delhi:** Karol Bagh (Faiz Road): EssAay Hero- 9289922382, Upper India Hero- 9289924343, **West Delhi:** Roshan Vihar (Najafgarh): Avni Hero- 9289922671, Paschim Vihar (Peeragarhi): Shivganga Hero- 9289922796, Palam Dabri Road (Dwarka): Singla Hero- 9289922530, Raja Puri: Singla Hero- 7836078383, Samalkha: Singla Hero- 7836078484, Janak Puri, C-1: Singla Hero- 9911884416, Tilak Nagar: Khanna Hero- 9289922383, Bali Nagar: Khanna Hero- 9289924309, Nawada: Khanna Hero- 9289924310; **Noida:** H-206A, Sector 63: Dhansri Hero- 9289923044, Sector 5, B 124: Uppal Hero- 9289922462, Sector-58 C-70: Singla Hero- 9289923059; **Ghaziabad:** Meerut, Delhi Road- Globe Hero- 9289922073, Shiv Puri, Vijay Nagar- Aman Hero- 9289232123; **Sahibabad:** Sahib Hero- 9289922486; **Gurugram:** Sec–18, Noble Enclave: Globe Agencies- 9289233915, Badshahpur: Himgiri Hero- 9289923046, Basai Road Sector 11: Sharma Hero- 9289923221, Mehrauli Rd Sector 15: Autoneeds Hero- 9289922051, Rajeev Chowk: Jasodha Hero- 9289922495, Wazirabad: Himgiri Hero- 9289924247, Railway Road: Himgiri Hero- 9289924248; **Sohna:** No. 160/2 Delhi Road: Auto Links Hero- 9289924089; **Faridabad:** Sehgal Hero- 9289922419, **NIT:** Sehgal Hero- 7217627327, Neelambata Road: **VPS Jindal Motors,** 9289235889.

Cheil 33547/26

मृत युवक पर दो हत्या समेत आठ आपराधिक मामले दर्ज

युवक की गोली मारकर हत्या, कार में मिला शव

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम



- क्राइम ब्रांच सहित कई टीमें आरोपियों की तलाश में जुटीं

बिलासपुर थाना क्षेत्र के गांव सिधरावली में सोमवार सुबह 35 वर्षीय युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान गांव सिधरावली निवासी दीपक के रूप में हुई है। उसका शव गांव के बस स्टैंड पर खड़ी कार की अगली सीट पर मिला। पुलिस के अनुसार, दीपक के खिलाफ गुरुग्राम में दो हत्या समेत हत्या के प्रयास, मारपीट, अवैध हथियार रखने और प्रिजनर एक्ट के तहत कुल आठ मामले दर्ज हैं। वारदात के बाद पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, दीपक रविवार रात अपनी कार लेकर घर से निकला था। सोमवार सुबह करीब आठ बजे परिजनों को सूचना मिली कि सिधरावली बस स्टैंड पर उसकी गोली मारकर हत्या कर दी गई है। परिजन मौके पर पहुंचे तो दीपक कार की अगली सीट पर मृत पड़ा था और उसके शरीर पर गोली लगी हुई थी। सूचना मिलने पर बिलासपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जांच की।

पुलिस ने सीन ऑफ क्राइम और फिंगरप्रिंट टीम को मौके पर बुलाकर साक्ष्य जुटाए। मृतक के चाचा की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ हत्या समेत संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि मृतक दीपक का आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। उसके खिलाफ गुरुग्राम में हत्या, हत्या के प्रयास, मारपीट, अवैध हथियार रखने और प्रिजनर एक्ट समेत कुल आठ मामले दर्ज हैं। इनमें दो हत्या के मामले भी शामिल हैं।

पुलिस हत्या के कारणों का पता लगाने के साथ आरोपियों की पहचान में जुटी है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए क्राइम ब्रांच सहित कई पुलिस टीमों को लगाया गया है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

दिवाली की रात गुरुग्राम में आग का तांडव 42 जगह लगी आग, ट्रक ड्राइवर जिंदा जला



हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

दिवाली की रात गुड़गांव में पटाखों की चिंगारी और शॉर्ट सर्किट के कारण आग की घटनाओं ने दमकल विभाग की खूब परीक्षा ली। शहर और आसपास के इलाकों में अलग-अलग स्थानों पर आग लगने की 42 घटनाएं सामने आईं। इनमें पटौदी में सड़क किनारे खड़े ट्रक में लगी आग सबसे दर्दनाक रही, जिसमें ट्रक ड्राइवर जिंदा जल गया। इसके अलावा कई घरों, दुकानों, कबाड़ के गोदामों और सोसाइटी के फ्लैटों में आग लगने से सामान जलकर राख हो गया। आग बुझाने के लिए दमकल की गाड़ियां रातभर सड़कों पर दौड़ती रहीं और 200 से ज्यादा चक्कर लगाए। सोमवार सुबह तक दमकल की टीमें अलग-अलग स्थानों पर आग बुझाने में जुटी रहीं।

दमकल अधिकारी नरेंद्र यादव ने बताया कि पटौदी में सड़क किनारे खड़े ट्रक में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरे ट्रक को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में ट्रक ड्राइवर बाहर नहीं निकल सका और जिंदा जल गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जले हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मृतक की पहचान कराने में जुटी है।

खांडसा रोड स्थित सब्जी मंडी के पास हार्डवेयर की दुकान में भीषण आग लग गई। आग पर काबू पाने के लिए दमकल की 10 से अधिक गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। कई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। आग से दुकान में रखा सामान जलकर राख हो गया।

सोसाइटी से लेकर बाजार और कबाड़ की दुकानों तक आगः डीएलएफ फेज-4 स्थित ऑर्चिड क्रिसेंट सोसाइटी के फ्लैट नंबर 5523 के इलेक्ट्रिक पैनल में आग लग गई। अंसल एसेंसिया सोसाइटी के एक फ्लैट में पटाखों के कारण भीषण आग लगी। आग की लपटें काफी दूर तक दिखाई दे रही थीं और दमकलकर्मियों को इसे बुझाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। सदर बाजार के पास कृष्णा पैलेस की दुकान, अर्जुन नगर की कबाड़ दुकान और राजीव नगर की साइकिल दुकान भी आग की चपेट में आ गई।

इसके अलावा पुलिस लाइन के टावर-जे, मारुति कुंज, गांव जोड़ी की कबाड़ दुकान, डीएलएफ फेज-3 में कबाड़, उद्योग विहार, बसई एन्क्लेव पार्ट-2, सेक्टर-37डी स्थित आईएलडी सोसाइटी के पास और पालम विहार के एक घर में भी आग लगने की घटनाएं सामने आईं।

छुट्टियां रद्द कर तैनात किए गए थे दमकलकर्मी

दिवाली के मद्देनजर दमकल विभाग ने पहले से तैयारियां की थीं। दमकलकर्मियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई थीं, ताकि आग लगने की सूचना मिलते ही तत्काल कार्रवाई की जा सके। सात दमकल केंद्रों के अलावा शहर में 11 अलग-अलग स्थान चिन्हित कर वहां दमकल की गाड़ियां तैनात की गई थीं। रविवार दोपहर से सोमवार सुबह तक दमकलकर्मी लगातार आग बुझाने में जुटे रहे और 42 स्थानों पर लगी आग पर काबू पाया।

मासूम पर स्ट्रीट डॉग का जानलेवा हमला, चेहरे पर आए 7 टांके

फरीदाबाद। एनआइटी एक क्षेत्र में स्ट्रीट डाग ने छह साल के बच्चें पर हमला कर दिया। बच्चे की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और डंडों से कुत्ते को पीटकर किसी तरह बच्चे को छुड़ाया।इस दौरान कुत्ते ने बच्चे के होंठ के पास काट लिया, जिससे वह घायल हो गया। स्थानीय लोग बच्चे को तुरंत बादशाह खान नागरिक अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां डाक्टरों ने बच्चे के घाव पर सात टांके लगाए। उपचार के बाद बच्चे को घर भेज दिया गया। सोनिया चौक के पास रहने वाली अनीता ने बताया कि उसका छह साल का बेटा निखिल अपने बड़े भाई के साथ सुबह करीब 10 बजे खेलने के लिए निकला था। उसका बड़ा बेटा वापस आ गया लेकिन निखिल नही लौटा। इसके बाद उसने अपनी बेटी को उसकी तलाश के लिए भेजा, लेकिन उसका कोई पता नही चला तो परिवार ने सोचा कि खेलने के बाद वापस घर लौट आएगा।स्थानीय निवासी एवं गोरक्षा बजरंग फोर्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिट्टू बजरंगी ने जानकारी देते हुए बताया कि वह किसी काम से वहां से गुजर रहा था। तभी उसने देखा कि एक लकड़ी की झोपड़ी में रोने जैसी कुछ आवाज आ रही थी। उसने देखा कि एक बच्चे को कुत्ते ने पकड़ कर रखा हुआ है। कुत्ता बच्चे के पास बैठा हुआ था। बच्चा जमीन की तरफ मुंह करके लेटा हुआ था। बच्चे के कपड़े फटे हुए थे। जब उसने आवाज लगाई तो बच्चा बोल नही पा रहा था।

अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश

- मां-बेटी सहित दो महिला आरोपी दबोची

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद



क्राइम ब्रांच बड़खल की टीम ने प्रभारी इंस्पेक्टर अनिल छिल्लर के नेतृत्व में कार्रवाई करते हुए एक अंतरराज्यीय गिरोह की दो महिला आरोपियों को काबू करने में सफलता हासिल की है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों महिला आरोपी आपस में मां-बेटी हैं और बेहद शातिर तरीके से वारदातों को अंजाम देती थीं। आरोपी टिंडर ऐप के माध्यम से लोगों को दोस्ती एवं फ्रेंडशिप के झूठे अनुरोध भेजकर अपने संपर्क में लाती थीं। इसके बाद उन्हें मिलने के बहाने होटल में बुलाया जाता था। होटल में मुलाकात के दौरान आरोपियों द्वारा पीड़ितों को नशीला पदार्थ पिलाकर उनके साथ लूटपाट की जाती थी और वारदात के बाद मौके से फरार हो जाती थीं।

इसके अतिरिक्त जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी महिलाओं द्वारा ऐसे व्यक्तियों को निशाना बनाया जाता थाए जिनकी आर्थिक स्थिति अच्छी प्रतीत होती थी। ऐसे व्यक्तियों के विरुद्ध आरोपियों द्वारा थानों में झूठी दुष्कर्म की शिकायत देने की धमकी अथवा शिकायत दर्ज करवाकर उन्हें कानूनी कार्रवाई में फंसाने का भय दिखाया जाता था। इसके बाद शिकायत के डर से पीड़ितों पर दबाव बनाकर उनसे पैसों की मांग की जाती थी तथा अवैध रूप से धनराशि वसूलने का प्रयास किया जाता था।

प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों द्वारा अंडमान, सूरत तथा दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में भी इस प्रकार की वारदातों को अंजाम देने की जानकारी सामने आई है। पुलिस द्वारा आरोपियों से गहन पूछताछ की जा रही है, ताकि उनके द्वारा की गई अन्य वारदातों, गिरोह से जुड़े अन्य व्यक्तियों तथा लूट एवं अवैध वसूली से संबंधित मामलों का पता लगाया जा सके।

दिवाली गिफ्ट मांगने वाले होमगार्ड पर एफआईआर

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

साइबर हब के पास ट्रैफिक बूथ पर तैनात होमगार्ड द्वारा वाहन चालक से दिवाली गिफ्ट मांगने का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस महकमा हरकत में आ गया। ट्रैफिक इंस्पेक्टर महाबीर की शिकायत पर डीएलएफ फेज-3 थाने में होमगार्ड ओमकार के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 308(2) के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने वायरल वीडियो को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

घटना सात नवंबर की है। एक ब्लॉगर अपने परिवार के साथ कार से जा रहे थे। साइबर हब के पास होमगार्ड ओमकार ने उनकी कार रुकवाकर साइड में लगवाई और कई बार 'हैप्पी दिवाली' कहा। आरोप है कि इसके बाद उसने अप्रत्यक्ष रूप से रुपये या गिफ्ट की मांग शुरू कर दी। ब्लॉगर ने जब कहा कि वह वॉलेट नहीं लाए हैं तो होमगार्ड ने तंज कसते हुए कहा कि गाड़ी में बैठे सभी भाई वॉलेट नहीं लाए हैं क्या? ब्लॉगर ने यूपीआई से भुगतान करने की बात कही, लेकिन होमगार्ड ने मना कर दिया। इसके बाद ब्लॉगर ने कार में रखा गिफ्ट हैंपर देने की बात कही। आरोप है कि हैंपर लेते समय होमगार्ड ने कार में रखा दूसरा गिफ्ट हैंपर भी उठाने की कोशिश की और अपनी पसंद का गिफ्ट लेने की बात कही। ब्लॉगर ने इसका विरोध करते हुए कहा कि गिफ्ट मांगा नहीं जाता, लेकिन होमगार्ड ने हैंपर ले लिया और कथित तौर पर 'सूखी-सूखी दिवाली' कहता रहा। पूरी घटना कार में लगे कैमरों में रिकॉर्ड हो गई थी। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई की। पुलिस आरोपी होमगार्ड के खिलाफ जांच कर रही है।

गुरुग्राम में अवैध रूप से रह रहे 15 बांग्लादेशी नागरिक लिए हिरासत में

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम



पुलिस ने अवैध रूप से भारत में रह रहे 15 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया है। इनमें एक महिला भी शामिल है। पीओ स्टाफ गुरुग्राम की टीम ने बजघेड़ा क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए सभी को पकड़ा। पुलिस ने प्रारंभिक जांच के बाद इन्हें मानेसर स्थित डिटेंशन सेंटर भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार, पीओ स्टाफ मुख्यालय प्रभारी पीएसआई रोहित की टीम ने भारत सरकार के दिशा-निर्देशों और राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर यह कार्रवाई की। जांच के दौरान हिरासत में लिए गए लोगों के पास बांग्लादेश से संबंधित पहचान पत्र और अन्य दस्तावेज मिले। प्रारंभिक जांच में इनके पास भारत में रहने के लिए वैध वीजा, पासपोर्ट या अन्य जरूरी अनुमति नहीं मिली। पुलिस जांच में सामने आया कि ये सभी बांग्लादेश के अलग-अलग क्षेत्रों के रहने वाले हैं। आरोप है कि दलालों की मदद से ये विभिन्न माध्यमों से पश्चिम बंगाल पहुंचे और वहां से गुरुग्राम आए। पुलिस के मुताबिक, इनमें कुछ लोग पानी के रास्ते, तारबाड़ पार कर और पाइप के जरिए भारत में दाखिल हुए थे।

सभी 15 लोगों को मानेसर के डिटेंशन सेंटर भेज दिया गया है। पुलिस इनके संबंध में नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई कर रही है। साथ ही गुरुग्राम में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों की पहचान के लिए अभियान जारी है।

निर्माणाधीन कम्युनिटी सेंटर से 1750 किलो सरिया चोरी, दो आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

फर्रुखनगर थाना क्षेत्र के गांव खेड़ा खुरमपुर में निर्माणाधीन कम्युनिटी सेंटर से करीब 1750 किलोग्राम लोहे का सरिया चोरी करने के मामले में क्राइम ब्रांच फर्रुखनगर की टीम ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से पांच हजार रुपये की नकदी बरामद की है।

पुलिस के अनुसार, 21 जुलाई को कम्युनिटी सेंटर से लोहे का सरिया चोरी होने की शिकायत मिली थी। इसके बाद 23 जुलाई को फर्रुखनगर थाने में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया। मामले की जांच करते हुए क्राइम ब्रांच फर्रुखनगर की टीम ने रविवार को पंचगांव चौक, एनएच-48 से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नूंह जिले के गांव सुनारी निवासी राशिद और साहिल के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ और जांच के दौरान आरोपियों के कब्जे से पांच हजार रुपये बरामद हुए हैं। आरोपी साहिल के खिलाफ नूंह जिले में शस्त्र अधिनियम के तहत पहले भी मामला दर्ज है। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर चोरी किए गए सरिये और वारदात में शामिल अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटा रही है। मामले की जांच जारी है।

भाई दूज पर नमो भारत लगाएगी 32 अतिरिक्त फेरे

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद



भाई दूज पर लोगों के लिए यात्रा को और अधिक सुविधाजनक और आरामदायक बनाने के लिए दिल्ली-मेरठ कॉरिडोर पर 11 नवंबर को नमो भारत ट्रेनें 32 अतिरिक्त ट्रिप्स (फेरे)लगाएँगी। त्योहार में होने वाली भीड़ को देखते हुए और लोगों को सार्वजनिक परिवहन का प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए एनसीआरटीसी ने यह फैसला लिया है। इन अतिरिक्त ट्रिप्स के साथ ट्रेनें 10 मिनट से कम की फ्रीक्वेंसी पर उपलब्ध होंगी।

भाई दूज के दिन भाई अपनी बहनों से टीका करवाने के लिए उनके घर जाते हैं। इन अतिरिक्त ट्रिप्स से उन्हें विशेष लाभ होगा। साथ ही, इससे अपने परिवार के साथ त्योहार मनाने और परिजनों से मिलने जा रहे लोगों की सुविधा में भी बढ़ोतरी होगी। यह जानकारी एनसीआरटीसी के प्रवक्ता पुनीत वत्स ने दी। उन्होंने बताया कि

इस दिन बुधवार होने के कारण सड़कों पर त्योहार मनाने जा रहे लोगों के साथ-साथ नौकरीपेशा और अन्य दैनिक यात्रियों की भी अत्यधिक संख्या होगी। ऐसे में इन विशेष अवसरों पर अक्सर देखा गया है कि लोग घंटों ट्रैफिक जाम में फंसे रह जाते हैं। नमो भारत सड़क परिवहन का एक तेज, आरामदायक, कुशल एवं सतत विकल्प प्रदान करती है। ये अतिरिक्त ट्रिप्स उनकी यात्रा को और सुविधाजनक बनाएगी। इससे यात्रियों का प्रतीक्षा समय कम होगा, सीटों की उपलब्धता बढ़ेगी और उनका समग्र यात्रा अनुभव और बेहतर होगा। उन्होंने बताया कि दिपावली के एक हफ्ते पहले से ही राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण का स्तर बेहद गंभीर स्थिति में पहुँच गया था, जो तमाम उपायों के बावजूद दिपावली के बाद और भयावह हो गया है। ऐसे में सार्वजनिक परिवहन के उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए एनसीआरटीसी पहले से ही 20 अतिरिक्त ट्रेन ट्रिप्स परिचालित कर रहा है। भाई दूज के दिन इन्हें बढ़ाकर 32 कर दिया गया है। इन ट्रेनों की अधिक फ्रीक्वेंसी निजी वाहनों के बजाए इससे यात्रा करने के लिए प्रोत्साहित करेगी तथा सार्वजनिक परिवहन को एक अधिक कुशल और सतत आवागमन विकल्प के रूप में बढ़ावा देगी।

बदरपुर बॉर्डर पर ऑटो पलटा, युवक की मौत

फरीदाबाद। बदरपुर बॉर्डर पर तेज रफ्तार ऑटो बेकाबू होकर सडक किनारे लगे लोहे के एंगल से टकराकर पलट गया। हादसे में ऑटो सवार 25 वर्षीय जावेद नामक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी और 3 बच्चे घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक जावेद उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले के नंगला खीरी का रहने वाला था। वह दिल्ली में रंगोली बेचने का काम करता था। रविवार देर रात करीब 3 बजे वह पत्नी और बच्चों के साथ गांव लौटने के लिए बदरपुर बॉर्डर पर बस पकडने जा रहा था। हादसे के बाद ऑटो ड्राइवर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया और जावेद के शव का पोस्टमार्टम करवाया। सराय थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार जावेद अपनी पत्नी बबली और 3 बच्चों के साथ दिल्ली आया हुआ था। रविवार देर रात करीब 3 बजे परिवार गांव लौटने के लिए बदरपुर बॉर्डर पर बस पकडने जा रहा था। इसके लिए उन्होंने ऑटो लिया था। बदरपुर बॉर्डर पार करते ही तेज रफ्तार ऑटो अनियंत्रित हो गया और सडक किनारे लगे लोहे के एंगल से टकराकर पलट गया। हादसे में जावेद की मौके पर ही मौत हो गई। उसकी पत्नी बबली, बेटा आमीन और बेटियां जाफिया व जारा घायल हो गईं। सभी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। जावेद के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया।

अवैध हथियार रखने का आरोपी अरेस्ट



फरीदाबाद। अपराध शाखा सिकरोना की टीम ने थाना शहर बल्लभगढ क्षेत्र में हुई मोटरसाइकिल चोरी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर चोरीशुदा मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि सत्यभान भगत कॉलोनी फरीदाबाद द्वारा थाना शहर बल्लभगढ में 18 सितम्बर 2026 में मोटरसाईकिल चोरी की शिकायत दी गई थी। जिसमें कार्रवाई करते हुए अपराध शाखा सिकरोना की टीम ने आरोपी सहजाद निवासी कोट पलवल को अटल पार्क सेक्टर-25 के पास से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरीशुदा मोटरसाइकिल बरामद कर ली है। जिसको माननीय न्यायलय में पेश कर जेल भेजा गया है।

लोगों ने की महंगे के स्थान पर सस्ते ड्राई फ्रूट भेंटकर महंगाई से लड़ने की कोशिश

धनतेरस व दीवाली पर कारोबार कम होने से कारोबारी निराश

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद





इस बार धनतेरस व दीपावली के मौके पर बाजार में महंगाई का व्यापक असर दिखा। जिसके चलते लोगों को अपने दोस्तों, रिश्तेदारों व संबंधियों को गिफ्ट देने में कई समझौते करने पड़े । लोगों ने जहां महंगे ड्राई फ्रूट के स्थान पर सस्ते ड्राई फ्रूट बतौर गिफ्ट भेंट कर महंगाई से लड़ने की कोशिश की, वही कारोबारियों का का कहना है कि इस बार यह अंदेशा तो था कि महंगाई के चलते कारोबार काम होगा। कारोबारी कहना है कि उन्हें अंदाज था की 10 से 12प्रतिशत कारोबार पर विपरीत असर पड़ेगा लेकिन धनतेरस व दीपावली के अवसर पर यह आंकड़ा पिछले साल की अपेक्षा 25 से 30प्रतिशत तक कम पर पहुंच गया। जिसके चलते अनेक कारोबारी का माल बच गया और उनके मुनाफे में भी खासी कमी आ गई। इन व्यापारियों का यह भी कहना है कि हालांकि बाजार में सामान की बिक्री तो कम हुई लेकिन रुपये का फ्लो पिछले साल की बराबर ही रहा क्योंकि चीजों के दाम महंगे थे ।

किराना मंडी में हितकारी स्टोर मिनी मल चलने वाले ऋषभ हितकारी कहते हैं कि इस बार कारोबार पर काफी ज्यादा मंडी का असर दिखा। चूंकि सामान की कीमत इस बार ज्यादा थी। खास तौर पर ड्राई फ्रूट काफी ज्यादा महंगे थे। पिस्ता को ही लें पिस्ते को ही ले तो पिस्ते की कीमत 18 सो रुपए से लेकर 2100रुपये प्रति किलो तक थी जबकि बादाम पिछले अब साल की अपेक्षा इस बार 100 से 150 रुपए प्रति किलो के हिसाब से ज्यादा महंगा था। अखरोट 1300 से लेकर 18 सो रुपए प्रति किलो रहा। जो पिछले साल से काफी ज्यादा था। उन्होंने कहा कि लोगों ने महंगे ड्राई फ्रूट ना खरीद कर पिस्ते, बादाम व अखरोट के स्थान पर छुहारा, किशमिश या खुमानी डिब्बे में पैक करा कर गिफ्ट के रूप में दिया। या फिर ड्राई फ्रूट की मात्रा कम कर दी। उनका कहना है कि इस बार व्यापक रूप से महंगाई का असर दिखाई दिया।

वहीं कविनगर में बिस्कुट व अन्य गिफ्ट आइटम्स के बड़े कारोबारी सरदार साहब सिंह कहते हैं कि चुकी पहले से थोड़ा सा यह अंदाजा था कि इस बार महंगाई के चलते कारोबार काम होगा क्योंकि पिछले साल की अपेक्षा बिस्कुट के दामों में कंपनियों द्वारा बढ़ोतरी की गई थी इसी वजह से माल भी कुछ कम मंगाया गया था लेकिन फिर भी माल पूरा नहीं बिक पाया और पिछले साल की अपेक्षा 20 से 25प्रतिशत तक कारोबार में गिरावट आई वहीशास्त्रीनगर में न्यू हंस हैंडलूम के संचालक ललित शर्मा कहते हैं कि इस बार महंगाई का असर हैंडलूम कारोबार पर साफ तौर पर दिखाई दिया। इस बार लोगों ने सस्ते आइटम बतौर गिफ्ट में दिए। उन्होंने कहा कि चुकी हैंडलूम उत्पादों की कीमतों में भी बढ़ोतरी हुई थी इसलिए लोगों कि जेब इस बार ज्यादा ढीली हुई। जिसका नतीजा यह रहा की लोगों ने या तो सस्ते कम कीमत वाले उत्पाद बतौर गिफ्ट या अपने निजी इस्तेमाल के लिए खरीदे। उनका कहना है कि इस बार पिछले साल की अपेक्षा 20 से 25प्रतिशत कारोबार कम हुआ जिस कारण व्यापारियों का माल भी बच गया और अब कारोबारी अपना माल बेचने के लिए उन्हें इंतजार करना पड़ेगा।

विभागों को सामान्यत: 30 दिनों के भीतर करना होगा निवेदन का निपटारा

डिजिटल सेवाओं में देरी हुई तो जिम्मेदार अधिकारी पर लगेगा जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में सरकारी सेवाओं को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और नागरिकों के लिए सुगम बनाने की दिशा में दिल्ली सरकार महत्वपूर्ण व प्रभावी कदम उठा रही है। इसके तहत ऑनलाइन आवेदन और डिजिटल निगरानी, लापरवाही पर प्रतिदिन 250 रुपये से लेकर अधिकतम 5,000 रुपये तक आर्थिक दंड का प्रावधान किया गया है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'नागरिक देवो भव' और 'मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस' के मंत्र से प्रेरणा लेते हुए हमारा संकल्प है कि दिल्ली में शासन व्यवस्था नागरिक-केंद्रित, संवेदनशील और जवाबदेह बने तथा प्रत्येक पात्र नागरिक को उसकी सेवाएं समय पर और सुगमता से मिलें। दिल्ली सरकार से मिली जानकारी के अनुसार, रेखा गुप्ता सरकार ने 'दिल्ली (नागरिकों को समयबद्ध एवं सुगम सेवा वितरण का अधिकार) अधिनियम, 2026' (दिल्ली राइट ऑफ सिटिजन टू टाइम बाउंड एंड ईज ऑफ डिलीवरी ऑफ सर्विस एक्ट, 2026) को अधिसूचित किया है। इसका उद्देश्य सरकारी विभागों में सेवाओं के वितरण को निर्धारित समय-सीमा से बांधना और अनावश्यक देरी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करना है। यह अधिनियम वर्ष 2011 के पुराने समयबद्ध सेवा वितरण कानून की जगह एक अधिक आधुनिक और जवाबदेह व्यवस्था स्थापित करेगा। नए नियम में अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए आर्थिक दंड (पेनल्टी) का भी प्रावधान किया गया है। यदि बिना उचित कारण सेवा देने में देरी होती है तो संबंधित अधिकारी पर देरी के प्रत्येक दिन के लिए 250 रुपये का अर्थदंड लगाया जा सकेगा। इसकी अधिकतम सीमा 5,000 रुपये निर्धारित की गई है। इसके अलावा किसी आवेदन को अनुचित या बिना पर्याप्त कारण अस्वीकार करने पर 250 रुपये से लेकर 5,000 रुपये तक का एकमुश्त अर्थदंड लगाया जा सकेगा। आर्थिक दंड लगाने से पहले संबंधित अधिकारी को अपना पक्ष रखने और स्पष्टीकरण देने का पर्याप्त अवसर देना होगा।



समय पर सेवा मिलना नागरिक का अधिकार: सीएम

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल सरकारी सेवाएं उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक को सम्मान, पारदर्शिता और निर्धारित समय-सीमा के भीतर उसका अधिकार सुनिश्चित करना है। समय पर सेवा मिलना नागरिक का अधिकार और प्रशासन की जिम्मेदारी है। नया समयबद्ध सेवा वितरण अधिनियम इसी सोच का परिणाम है। सरकार ऐसी व्यवस्था विकसित करना चाहती है, जिसमें किसी नागरिक को अपने उचित काम के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और न ही अनावश्यक देरी का सामना करना पड़े। डिजिटल निगरानी, स्वतः अपील और अधिकारियों की जवाबदेही के प्रावधान प्रशासन को अधिक पारदर्शी और परिणामोन्मुख बनाएंगे।

तय होगी समय-सीमा, जिम्मेदार अधिकारी की भी होगी पहचान

मुख्यमंत्री ने बताया कि नए कानून का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि नागरिकों को सरकारी सेवाएं निर्धारित समय के भीतर प्राप्त करने का वैधानिक अधिकार मिलेगा। सरकार अधिसूचना के माध्यम से यह तय करेगी कि कौन-कौन सी सेवाएं इस कानून के दायरे में आएंगी और प्रत्येक सेवा को उपलब्ध कराने के लिए अधिकतम कितने दिन निर्धारित होंगे। प्रत्येक सेवा के लिए एक नामित अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी। संबंधित विभागों, स्थानीय निकायों और अधिसूचित संस्थाओं को भी कानून के दायरे में लाया जा सकेगा। इससे किसी आवेदन के लंबित रहने पर जिम्मेदारी तय करना आसान होगा। इस व्यवस्था का लाभ यह होगा कि नागरिकों को अपनी सेवा के लिए अनिश्चितकाल तक प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ेगी। उन्हें यह जानकारी रहेगी कि उनका काम किस अधिकारी को करना है और उसे पूरा करने की निर्धारित समय-सीमा क्या है।

आवेदन से लेकर उसकी स्थिति जानने तक डिजिटल व्यवस्था

मुख्यमंत्री के अनुसार, अधिनियम में सरकारी सेवाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन और उनकी निगरानी की व्यवस्था की गई है। प्रत्येक आवेदन को एक विशिष्ट आवेदन संख्या दी जाएगी, जिसके माध्यम से आवेदक अपने आवेदन की स्थिति ऑनलाइन देख सकेंगे। संबंधित विभागों को सभी आवेदनों का डिजिटल रिकॉर्ड रखना होगा और उनकी स्थिति नियमित रूप से अपडेट करनी होगी। आवेदन प्राप्त होने के बाद निर्धारित समय-सीमा में सेवा उपलब्ध कराना अथवा आवेदन अस्वीकार करने का कारण लिखित रूप में बताना संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी होगी। इससे नागरिकों को केवल अपने आवेदन की जानकारी लेने के लिए बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। साथ ही, विभागीय स्तर पर लंबित मामलों की निगरानी भी अधिक प्रभावी ढंग से हो सकेगी।

इसका उद्देश्य सरकारी सेवाओं में अनावश्यक देरी कम करना, शिकायतों का प्रभावी निपटारा करना और प्रशासन को नागरिकों के प्रति अधिक संवेदनशील बनाना है।

सरकार से प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस अधिनियम का एक महत्वपूर्ण प्रावधान स्वतः अपील (ऑटोमेटिक एस्क्लेशन) की व्यवस्था है। यदि नामित अधिकारी निर्धारित समय-सीमा में सेवा उपलब्ध नहीं कराता है तो मूल आवेदन को ही नागरिक शिकायत निवारण प्राधिकरण के समक्ष अपील माना जाएगा। नागरिक को केवल देरी के कारण अलग से अपील दाखिल करने की जरूरत नहीं होगी। प्रत्येक विभाग में नामित अधिकारी से वरिष्ठ स्तर के अधिकारी को नागरिक शिकायत निवारण प्राधिकरण के रूप में नियुक्त किया जाएगा। यह प्राधिकरण मामले की सुनवाई करेगा, आवश्यक होने पर सेवा उपलब्ध कराने का निर्देश देगा और देरी के लिए जिम्मेदारी भी तय कर सकेगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अपील का सामान्यतः 30 दिनों के भीतर निपटारा करना होगा। यदि प्राधिकरण निर्धारित अवधि में अपील का निपटारा नहीं करता है तो मामला स्वतः दिल्ली सेवा अधिकार आयोग तक पहुंचने की व्यवस्था भी की गई है। आयोग दूसरी अपीलों की सुनवाई करने के साथ कानून के क्रियान्वयन की निगरानी करेगा। उसे सरकारी कार्यालयों का निरीक्षण करने, विभागीय कार्रवाई की सिफारिश करने, प्रक्रियाओं में सुधार सुझाने और आवश्यक मामलों में स्वतः संज्ञान लेकर जांच करने का अधिकार होगा।

गाजीपुर डंप साइट पर लगेगा प्रतिदिन 2000 टन क्षमता का वेस्ट टू एनर्जी प्लांट: सत्या शर्मा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली



दिल्ली नगर निगम की स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा ने कहा है कि गाजीपुर डंप साइट पर 2000 टन प्रतिदिन क्षमता का वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट लगाने का रास्ता साफ हो गया है। जिसके लिए केंद्र की मोदी सरकार 122 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के शुरू होने से प्रतिदिन दिल्ली में 2000 टन ठोस कचरे का उपयोग बिजली उत्पादन के लिए किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि इस अत्याधुनिक वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति के रूप में मेसर्स जबलपुर एमएसडब्ल्यू प्राइवेट लिमिटेड का चयन किया गया है। कंपनी ने बिजली उत्पादन के लिए 7.39 रुपये प्रति किलोवाट घंटा (यूनिट) की दर प्रस्तावित की है। जिसे दिल्ली विद्युत नियामक आयोग (डीईआरसी) ने 13 अक्टूबर 2026 के अपने आदेश में मंजूरी प्रदान की थी। परियोजना के लिए केंद्र सरकार के आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय की ओर से स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 के तहत 122 करोड़ रुपये की वायबिलिटी गैप फंडिंग भी उपलब्ध कराई जाएगी। सत्या शर्मा ने बताया कि यह महत्वपूर्ण परियोजना पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर आधारित है। जानकारी अनुसार चयनित कंपनी प्लांट का निर्माण, वित्तपोषण और संचालन करेगी। व्यावसायिक उत्पादन शुरू होने के बाद कंपनी 25 वर्षों तक इसका संचालन भी करेगी। इसके लिए निगम गाजीपुर डंप साइट परिसर में निर्धारित शर्तों के अनुसार जमीन पट्टे पर उपलब्ध कराएगा। परियोजना के लिए निगम ने पारदर्शी ई-निविदा प्रक्रिया अपनाई जिसके तहत तकनीकी और वित्तीय मूल्यांकन के बाद सबसे कम दर वाली कंपनी का चयन किया गया। विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 63 के तहत डीईआरसी में दायर याचिका संख्या 23/2026 के आधार पर बिजली की दर को नियामक मंजूरी मिली है। सत्या शर्मा ने कहा कि दिल्ली में बढ़ती कचरे की समस्या से निपटने के लिए आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक निस्तारण की व्यवस्था विकसित करना जरूरी है। वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इससे कचरे का उपयोगी संसाधन के रूप में इस्तेमाल होगा और बिजली उत्पादन को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि परियोजना के निर्माण और संचालन के दौरान राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी), दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) तथा अन्य पर्यावरणीय मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

इमारत गिरने का मामला

आप ने एमसीडी पर लगाए लापरवाही के आरोप

नई दिल्ली। गत दिनों पुरानी दिल्ली के चावड़ी बाजार क्षेत्र में हुए इमारत हादसे को लेकर आम आदमी पार्टी ने भाजपा सरकार व दिल्ली नगर निगम की अनदेखी को लेकर बड़ा हमला बोला है। इस मुद्दे पर सोमवार को आप पार्टी के एमएलए संजीव झा व कुलदीप कुमार ने प्रेस वार्ता के दौरान आरोप लगाए कि भाजपा सरकार के निकम्मेपन ने चावड़ी बाजार बिल्डिंग हादसे में ली 7 लोगों की जान ले ली। झा ने कहा कि हादसे में मरने वाले सभी मजदूर बिहार के रहने वाले थे, इसलिए सरकार ने रेस्क्यू ऑपरेशन में बेहद ढिलाई बरती। उन्होंने कहा कि दीवाली के जश्न से फुर्सत मिल गई हो तो सीएम रेखा गुप्ता मृतक परिजनों को मुआवजा दें और दोषियों पर कठोर कार्रवाई करें। झा ने कहा कि 5 नवंबर 2026 को चावड़ी बाजार इलाके में एक बिल्डिंग हादसा हुआ था, जिसमें 7 लोगों की मौत हुई थी। पिछले 2 साल के आंकड़े देखें, तो बिल्डिंग हादसों में लगभग 30 लोगों की मौत हो चुकी है। भाजपा सरकार ने साकेत के बिल्डिंग हादसे के समय बिल्डिंग की ऑडिट कराने की बात कही थी। अगर उस समय ऑडिट और कार्रवाई हो गई होती तो आज ये 7 लोग नहीं मरते। बिल्डिंग ऑडिट का बहाना करके केवल दिल्ली के लोगों से एक्सटॉर्शन किया जा रहा है और कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। झा ने कहा 3 दिन तक रेस्क्यू कार्रवाई हुई और ऐसे समय हमारे विधायक कुलदीप कुमार साइट पर गए थे। इस हादसे में जो 7 लोग मरे हैं, उनकी गलती यह है कि वे मजदूर हैं और बिहार के रहने वाले हैं। अगर कोई अमीर आदमी दबा होता, तो पूरी दिल्ली में हाय-तौबा मच जाती। अगर मुख्यमंत्री को उत्सव और उपहार से समय मिल गया हो, तो कम से कम इन 7 मजदूरों के परिवार वालों को उचित मुआवजा दिया जाए और दोषियों पर कार्रवाई हो। इस अवसर पर एमएलए कुलदीप कुमार ने कहा कि 5 नवंबर को सुबह 9.45 बजे बिल्डिंग गिरी और दोपहर में वहां मुख्यमंत्री, मंत्री, दिल्ली के मेयर और चारों इंजन की सरकार पहुंच गई। खुद मुख्यमंत्री ने बयान दिया कि मौके पर रेस्क्यू चल रहा है और मलबे को हटा दिया जाएगा। वहां डीसीपी सेंट्रल रोहित राजबीर ने बयान दिया था कि डॉग स्क्वायड से सर्च करा लिया गया है, दो लोगों को रेस्क्यू किया गया है और बिल्डिंग के नीचे अब कोई नहीं है।

दिल्ली सरकार गुरु गोबिंद सिंह अस्पताल में स्थापित करेगी मेडिकल कॉलेज: डॉ. पंकज

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- एमबीबीएस की होंगी 150 सीटें और पीजी की होंगी 40 सीटें
- मजबूत स्वास्थ्य सेवा तंत्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध सरकार

चिकित्सा शिक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य बुनियादी इंफ्रास्ट्रक्चर को और ज्यादा मजबूत बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए दिल्ली सरकार रघुबीर नगर स्थित गुरु गोबिंद सिंह गवर्नमेंट हॉस्पिटल (जीजीएसजीएच) में एक मेडिकल कॉलेज स्थापित कर रही है। जिसमें एमबीबीएस की 150 सीटें और पोस्टग्रेजुएट (पीजी) की 40 सीटें होंगी। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने सोमवार को यह जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि यह मेडिकल कॉलेज 1322 बिस्तर वाले एक व्यापक स्वास्थ्य परिसर का हिस्सा होगा, जिससे पश्चिमी दिल्ली में चिकित्सा शिक्षा, विशेष उपचार और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं को नई मजबूती मिलेगी। नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) के दिशानिर्देशों के अनुसार मौजूदा अस्पताल परिसर में लगभग 13 एकड़ क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल बनाया जाएगा। इससे जुड़े हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर में 472 बिस्तरों वाला एक समर्पित 'मातृ एवं शिशु अस्पताल' और 850 बिस्तरों वाला एक 'जनरल अस्पताल' शामिल होगा, जिन्हें रघुबीर नगर में विकसित किया जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के कुशल नेतृत्व में हमारी सरकार एक बेहद मजबूत स्वास्थ्य सेवा तंत्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा के साथ-साथ सुलभ और उन्नत उपचार सुविधाएं शामिल हों। इस मेडिकल कॉलेज की स्थापना और इससे जुड़े अस्पतालों का विस्तार लोगों की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा करने और भविष्य के लिए स्वास्थ्य सेवाओं की क्षमता बढ़ाने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

आईपीयू: आयुर्वेद व होम्योपैथी प्रोग्राम में दाखिले के अवसर

नई दिल्ली। आईपी यूनिवर्सिटी के पीजी (आयुर्वेद) एवं पीजी (होम्योपैथी) प्रोग्राम में दाख़िले के लिए आयोजित की जा रही ऑफ़लाइन काउंसलिंग में भाग लेने के लिए 12 नवंबर को ऑफ़लाइन आवेदन किया जा सकता है। आईपीयू के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. नलिनी रंजन ने सोमवार को यह जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि 13 नवंबर को मेरिट लिस्ट जारी कर दी जाएगी और 16 नवंबर को इन दोनों प्रोग्राम के लिए ऑफ़लाइन काउंसलिंग आयोजित की जाएगी। एआईए पीजीईटी 2026 उत्तीर्ण सभी छात्र इस काउंसलिंग में भाग ले सकते हैं। पीजी (आयुर्वेद) प्रोग्राम चौधरी ब्रह्मप्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान, नजफगढ़ में एवं पीजी (होम्योपैथी) डॉ. बी. आर. सुर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, मोती बाग में उपलब्ध है। इस काउंसलिंग के संबंध में अधिक जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

महर्षि दयानंद के मानव जाति पर अनंत उपकार: सिंह

नई दिल्ली। आधुनिक भारत के निर्माता महर्षि दयानंद के मानव जाति पर अनंत उपकार हैं, जिन्होंने सत्य सनातन वैदिक धर्म की रक्षा के लिए आत्म बलिदान दिया। इसके अलावा उनकी स्त्री शिक्षा, अछूतोधार, स्वदेशी आंदोलन, राष्ट्र-निर्माण कार्यों में आर्य समाज की अग्रणी भूमिका रही। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के प्रशासनिक अधिकारी सरदार अमरीक सिंह ने महर्षि दयानंद सरस्वती के 143 वें निर्वाणोत्सव पर नई दिल्ली स्थित रामलीला मैदान में यह उद्गार व्यक्त किए। आर्य केंद्रीय सभा के अंतर्गत दिल्ली प्रदेश में प्रेस सचिव चंद्र मोहन आर्य ने सोमवार को यह जानकारी दी। आर्य केंद्रीय सभा, दिल्ली के भव्य कार्यक्रम में प्रधान जोगिंद्र खट्टर के अनुसार दीपावली पर एक दीपक बुझाकर, लाखों दीपक जला गया। महर्षि दयानंद ने शिक्षित, अंधविश्वास मुक्त भारत व विश्व कल्याण का मंत्र दिया। दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के महासचिव विनय आर्य ने युवाओं को सचेत किया कि वे राष्ट्र विरोधी गतिविधियों से बचे। उन्होंने आह्वान करते हुए कहा कि 23 से 25 दिसंबर 2026 को नई दिल्ली में महान सुधारक स्वामी श्रद्धानंद बलिदान शताब्दी में उत्साह पूर्वक भाग लें।

व्यापारी नेता 13 को करेंगे दिल्ली में राष्ट्रव्यापी बैठक

नई दिल्ली। दिल्ली में 13 नवंबर को दिल्ली में देशभर के व्यापारी नेताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक होने जा रही है। इस अहम बैठक में व्यापारी नेता एक साथ बैठक कर मंथन करेंगे कि रोज रोज के धरने प्रदर्शनों से अपने व्यापार को कैसे बचाएं, कैसे सुरक्षित रखें। इस अहम बैठक का आयोजन व्यापारियों के बड़े संगठन कॉन्फ़ेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) द्वारा किया जा रहा है। इस बारे में कैट के महासचिव व भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने बताया कि रोज रोज व लंबे समय तक चलने वाले विभिन्न विरोध प्रदर्शनों से व्यापारियों को करोड़ों का नुकसान उठाना पड़ता है। ऐसे में व्यापारियों के पास कोई विकल्प नहीं बचता, इसलिए 13 नवंबर को राष्ट्रव्यापी बैठक बुलाई है। इस बैठक में व्यापारी नेता मंथन करेंगे और सरकारों न्यायपालिकाओं से अपील करेंगे कि ऐसे धरने प्रदर्शनों को बाजारों से दूर बाहरी क्षेत्रों में आयोजन के लिए नियम आदि बनाए जाए। खंडेलवाल ने बताया इस बैठक में इसके अलावा व्यापारी जीएसटी रिफॉर्म, साइबर फ्रॉड से बचाव, एक व्यापारी–एक लाइसेंस तथा पुराने एवं अप्रासंगिक कानूनों की समाप्ति पर भी मंथन करेंगे।

छठ पर्व के दौरान दिल्ली में ना रखा जाए कोई आंदोलन: हर्ष मल्होत्रा

- दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने हाथी घाट पर किया निरीक्षण



हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

'लोक आस्था के महापर्व के तीन दिनों 14-16 नवंबर' के बीच दिल्ली में कोई आंदोलन ना रखा जाए, ताकि व्रतधारी महिलाओं को कोई असुविधा ना हो। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने सोमवार को दिल्ली सरकार के मुख्य प्रवक्ता एवं विधायक अभय वर्मा के साथ छठ महापर्व की तैयारियों के लिए लक्ष्मी नगर विधानसभा स्थित हाथी घाट, आईटीओ पर निरीक्षण के दौरान सभी राजनीतिक दलों से अपील करते हुए यह बात कही।

हर्ष मल्होत्रा ने कहा है कि छठ एक आस्था का एवं प्रकृति पूजन का महापर्व है, जिसमें स्वच्छता का विशेष महत्व है। दिल्ली सरकार ने पहले ही तैयारियों में तेजी ला दी है। निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय सांसद हर्ष मल्होत्रा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पूरी दिल्ली, विशेषकर पूर्वी दिल्ली में छठ घाटों की सभी तैयारियां 13 नवंबर की शाम तक हर हाल में पूरी कर ली जाएं। उन्होने घाट की दीवारों पर किये आस्था से जुड़े सौन्दर्यीकरण की सराहना की। इस अवसर पर दिल्ली सरकार एवं नगर निगम के संबंधित अधिकारी और भाजपा पूर्वांचल मोर्चा अध्यक्ष संतोष ओझा एवं पूर्व महापौर बिपिन बिहारी सिंह उपस्थित रहे।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष मल्होत्रा ने कहा है कि इस बार 'पूर्वांचल मोर्चा' के साथ-साथ 'महिला मोर्चा' एवं 'युवा मोर्चा' के कार्यकर्ता सभी घाटों पर सेवा वालंटियर के रूप में श्रद्धालुओं की सहायता करेंगे। इस अवसर पर विधायक अभय वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता स्वयं इस छठ महापर्व आयोजन की तैयारियों पर लगातार निगाह रखे हुए हैं और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि श्रद्धालुओं को हर सुविधा उपलब्ध हो। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास रहेगा कि इस बार लक्ष्मी नगर विधान सभा के सभी घाट मॉडल घाट के रूप में उभरें।

मुनक नहर पर बनेगा 11 किलोमीटर लंबा भव्य छठ घाट, इस वर्ष पिछले वर्ष से अधिक घाटों पर होगी पूजा

छठ महापर्व के लिए दिल्ली सरकार ने की व्यापक तैयारियां: रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

छठ महापर्व के लिए दिल्ली में व्यापक तैयारियां शुरू कर दी गई हैं और इस बार मुनक नहर पर 11 किलोमीटर लंबा भव्य छठ घाट बनेगा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को जनसेवा सदन में छठ पूजा समितियों और संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक के बाद यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 12 नवंबर को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन सबसे लंबे घाट का उद्घाटन करेंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस वर्ष पिछले वर्ष से अधिक घाटों पर पूजा अर्चना होगी। दिल्ली सरकार से प्राप्त जानकारी के अनुसार, बैठक में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने स्पष्ट निर्देश दिए कि तैयारियों में किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो और सभी व्यवस्थाएं निर्धारित समय से पहले पूरी कर ली जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का प्रयास है कि आस्था के इस महापर्व पर व्रतियों और उनके परिजनों को पूजा-अर्चना के लिए स्वच्छ, सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण मिले। बता दें कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने छठ महापर्व पर राजधानी में श्रद्धालुओं को बेहतर से बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस वर्ष दिल्लीवासियों के लिए एक विशेष आकर्षण मुनक नहर पर तैयार किया जा रहा 11 किलोमीटर लंबा छठ घाट होगा। बाहरी रिंग रोड से इंद्रलोक तक विकसित किए जा रहे इस घाट पर व्रतियों की सुविधा के लिए दोनों ओर सीढ़ियां और सीमेंट की सड़क बनाई जा रही है, जिससे श्रद्धालुओं को पूजा के लिए आने-जाने में सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार इसे इस तरह विकसित कर रही है कि आसपास की कई विधानसभा क्षेत्रों के श्रद्धालु यहां सुविधापूर्वक छठ पूजा कर सकें।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बैठक में कहा कि छठ महापर्व लाखों लोगों की आस्था, विश्वास और परंपरा से जुड़ा है। सरकार की प्राथमिकता है कि श्रद्धालुओं को पूजा के दौरान किसी तरह की असुविधा न हो। इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय से काम करें और घाटों पर आने वाले श्रद्धालुओं की जरूरतों को ध्यान में रखकर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। बैठक में छठ पूजा से जुड़ी विभिन्न समितियों के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि छठ महापर्व केवल पूजा का आयोजन नहीं, बल्कि दिल्ली की सामाजिक और सांस्कृतिक एकता का भी प्रतीक है। सरकार चाहती है कि प्रत्येक व्रती और श्रद्धालु पूरी श्रद्धा, सम्मान और निश्चिंतता के साथ पर्व मना सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी तैयारियों की लगातार निगरानी की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी श्रद्धालु को छोटी से छोटी असुविधा का सामना न करना पड़े। मुख्यमंत्री ने छठ पर्व के अवसर पर सार्वजनिक अवकाश की घोषणा का भी उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार इस महापर्व की गरिमा और श्रद्धालुओं की भावनाओं का पूरा सम्मान करती है।



1400 से अधिक घाटों पर होगी पूजा

दिल्ली में इस बार छठ पूजा के लिए लगभग 1400 से अधिक घाट तैयार किए जा रहे हैं, जबकि पिछले वर्ष 1326 घाट बनाए गए थे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि घाटों की आधारभूत तैयारियां समय रहते पूरी कर ली जाएं ताकि अंतिम समय में केवल पानी भरने, टेंट लगाने और सफाई जैसे काम ही शेष रहें। जिला प्रशासन और संबंधित विभाग अपने-अपने क्षेत्रों में घाटों का नियमित निरीक्षण करें और सामने आने वाली कमियों को तत्काल दूर करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूजा से दो दिन पहले सभी प्रमुख व्यवस्थाएं पूरी हो जानी चाहिए। अधिकारियों ने बैठक में बताया कि इस वर्ष छठ महापर्व 13 से 16 नवंबर तक मनाया जाएगा। नवंबर में संभावित ठंड को देखते हुए मुख्यमंत्री ने बड़े और मध्यम आकार के घाटों पर जरूरत के अनुसार पर्याप्त कवर वाले टेंट लगाने के निर्देश दिए।

महिलाओं की सुविधा और सुरक्षा पर विशेष जोर

मुख्यमंत्री ने महिलाओं की सुविधा को विशेष प्राथमिकता देते हुए सभी प्रमुख घाटों पर पर्याप्त संख्या में चेंजिंग रूम और शौचालय उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छठ पूजा की पवित्रता और गरिमा को ध्यान में रखते हुए इन सुविधाओं की स्वच्छता और उपयोगिता पर विशेष ध्यान दिया जाए। बड़े घाटों पर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए, ताकि श्रद्धालु सुरक्षित माहौल में पूजा कर सकें। मुख्यमंत्री ने घाटों और उनके आसपास के पूरे क्षेत्र में साफ-सफाई बनाए रखने पर जोर दिया। 15 और 16 नवंबर को श्रद्धालुओं की अधिक आवाजाही को देखते हुए सफाई कर्मचारियों और अतिरिक्त टीमों को 24 घंटे सक्रिय रखने के निर्देश दिए गए हैं।

घाटों के रास्ते होंगे दुरुस्त, धूल और अंधेरे से मिलेगी मुक्ति

श्रद्धालुओं को घाटों तक पहुंचने में कोई परेशानी न हो, इसके लिए मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों को पहुंच मार्गों का विशेष निरीक्षण करने के निर्देश दिए। घाटों तक आने-जाने वाले मार्गों पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था को भी अनिवार्य बताया गया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि किसी भी रास्ते पर अंधेरा या डार्क स्पॉट नहीं रहना चाहिए। मॉडल छठ घाटों को आकर्षक और सुविधाजनक बनाने के साथ प्रमुख घाटों पर मुख्य सड़क से दिखाई देने वाले स्वागत द्वार लगाने के निर्देश भी दिए गए।



हरिभूमि
सहेली
नई दिल्ली, मंगलवार
10 नवंबर 2026

विशेष: बाल दिवस, 14 नवंबर

मासूमियत सहेजने के जतन जरूरी

आए दिन बच्चों द्वारा किए जाने वाले हिंसक कृत्य, समाज और परिवार के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है। अबोध-मासूम बच्चे क्रूर होकर किसी की जान पर खेल जाएं, यह तो हृदय विदारक है। सवाल यह है कि अभिभावक बच्चों को कैसा वातावरण दे रहे हैं, कैसी परवरिश कर रहे हैं कि बच्चे अपनी मायूमियत खो रहे हैं, असंवेदनशील हो रहे हैं, अमानवीय व्यवहार कर रहे हैं!

कवर स्टोरी

डॉ. मोनिका शर्मा



बीते दिनों सामने आया पंचकुला (हरियाणा) के स्कूल का एक वीडियो पूरे समाज के लिए भय की दस्तक है। अभिभावकों के लिए चिंता का सबब है। सोशल मीडिया पर वायरल इस वीडियो में एक आठ साल का बच्चा, छह साल की बच्ची को मारता-पीटता दिखता है। निजी स्कूल की यह घटना बच्चों के हिंसक होते व्यवहार की बानगी है। मात्र आठ साल के बच्चे द्वारा अपने ही स्कूल की बच्ची को यूं क्रूरता से कुचलना-पीटना सचमुच स्तब्ध करने वाला है। तीसरी कक्षा के छात्र ने केजी में पढ़ने वाली बच्ची के बेहोश होने के बाद भी उसे घसीटना और ईंट से मारना जारी रखा। स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा के साथ ही घरों में परवरिश को लेकर कई प्रश्न उठाने वाला यह वाकया, बहुत कुछ सोचने को विवश करता है कि आखिर क्यों खो रही है बच्चों की मासूमियत?

आक्रोश के घेरे में बालमन

बच्चों का मन समझना अब एक पहेली बन गया है। हंसने-हंसाने वाली मासूमियत गुस्से, चिड़चिड़ेपन और आक्रोश के घेरे में है। बच्चों को सब कुछ मनचाहा ही सुहाता है। सहज-सी बात पर वे उखड़े से रहते हैं। भोलेपन की मनुहार जाने कहां चली गई है? बच्चों की अठखेलियां और निष्कपटता तो बड़ों के गुस्से का पॉज बटन हुआ करती थी। अब तो जरा-सी बात में गुस्सा होकर बच्चे सुसाइड और घर छोड़ने जैसा एक्सट्रीम कदम तक उठा लेते हैं। असल में देखा जाए तो सहजता और संयम अब बच्चों के बर्ताव का हिस्सा भी नहीं रहा। बदलती जीवनशैली में मासूमों का मन भी बदल गया है। फास्ट फूड के बढ़ते सेवन, एकल परिवारों में अधिकतर समय अकेले रहने और शारीरिक सक्रियता की कमी छोटी उम्र में उनके हार्मोंस में बदलाव कर रहे हैं। किसी परिवार में हद से ज्यादा देखभाल और मान-मनुहार तो कहीं व्यस्त अभिभावकों की उपेक्षा, बच्चों को संतुलित परिवेश ही नहीं मिल पा रहा। उनके मन में बहुत सी बातों-हालातों को लेकर शिकायतें हैं। सुविधाओं की अति के चलते सब्र की कमी होती जा रही है। ऐसी सभी बातें बालमन में बेवजह के आक्रोश को खाद-पानी देती हैं। यही गुस्सा कभी नेगेटिव विचारों में तो कभी अनकल्चर्ड बर्ताव में सामने आता है।

मिजाज बदलता वर्चुअल कंटेंट

आज की डिजिटल दुनिया में 'जैसा खाए अन्न, वैसा होवे मन' वाली कहावत बच्चों द्वारा कंज्यूम किए जा रहे कंटेंट पर सटीक बैठती है। हिंसा से भरे वर्चुअल गेम्स, दूसरों को परेशान-असहज करने वाले प्रैंक वीडियोज और हैरान करने वाली हरकतों की रील्स देख रहे बच्चों का मन मासूम नहीं रहा। अधिकतर बच्चे परेशान करने वाली मजाकिया शरारतों वाले कंटेंट से लेकर वॉयलेंट और वल्गर कंटेंट तक स्क्रीन पर देख रहे हैं। यही आभासी सामग्री उनके अबोध मन को गुमराह करने वाली है। समय-समय मुट्ठी में मौजूद स्मार्ट स्क्रीन पर खेले जाते मार-धाड़ वाले खेल और देखे जा रहे अनफिल्टर्ड कंटेंट ने बच्चों को असंवेदनशील और निर्मम बना दिया है। बहुत से बच्चे, वर्चुअल संसार में देखी गई हिंसा एवं आक्रामकता की व्यावहारिक जीवन में नकल करते हैं। इस मामले में भी आठ साल के बच्चे के क्रूर बर्ताव की वजह ऑनलाइन एक्शन और शूटिंग वाला हिंसक गेम फ्री-फायर खेलने की आदत है। तकलीफदेह है कि स्मार्ट स्क्रीन पर घंटों ऐसे गेम खेलने वाले बच्चों को असल संसार में की गई हिंसा भी किसी वर्चुअल कंटेंट के समान ही लगने लगती है। शायद यही वजह है कि एक टास्क पूरा करने के समान यह बच्चा भी केजी में पढ़ने वाली बच्ची को लगातार मारता, पीटता और प्रताड़ना देता दिखता है। किसी भी तरह से डर से दूर रहकर बच्ची के साथ हिंसा करता है।

बड़ों को अवेयर होना होगा

बच्चों की मानसिकता को हिंसक होने से बचाने के लिए पैरेंट्स की अवेयरनेस सबसे जरूरी है। अपना समय और स्नेह देकर ही बालमन को वास्तविक जीवन से जोड़ा जा सकता है। मासूमों के मन में धीरे-धीरे जड़ें जमा रही बर्बर मेंटेलिटी से बचाने के लिए स्क्रीन में झांकने का समय घटाना सबसे अहम कदम है। साथ ही शारीरिक सक्रियता और संतुलित भोजन करने जैसे पहलुओं पर भी पैरेंट्स को बच्चों को गाइड करना होगा। बड़ों को रोल मॉडल बनकर पहले खुद स्क्रीन के संसार से बाहर निकलना होगा। घर के इन छोटे सदस्यों के साथ वक्त बिताने की पहल करनी होगी। गौरतलब है कि पंचकुला के केस में भी जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड द्वारा बच्चे को माता-पिता के साथ भेजते समय लाइफस्टाइल चेंज से जुड़ी बातें कही गई हैं। बोर्ड ने बच्चे को मोबाइल नहीं देने, परिवार के सदस्यों को उसके साथ अधिक समय बिताने और खेल गतिविधियों से जोड़ने की शर्त रखी है। असल में जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के सामने रखी गई क्रूरता करने वाले इस बच्चे की मैपिंग टेस्ट रिपोर्ट असामान्य पाई गई है। इलाज की सख्त जरूरत बताते हुए बच्चे को सशर्त जमानत पर पैरेंट्स को सौंपा गया है। ऐसे में इस केस से जुड़ी बातें, दूसरे अभिभावकों के लिए भी समझने योग्य हैं। अपने बच्चे के बदलते बर्ताव को समय रहते समझने का सबक लिए हैं। सहज समझाइश से बात न बने तो विशेषज्ञ की सलाह लेने की जरूरत और जागरूकता के मायने भी समझाती हैं।

जीवनशैली ने बदला बर्ताव

हालिया बरसों में बच्चों की परवरिश से जुड़ा पूरा परिवेश ही बदल गया है, जिसके चलते बालमन की फीलिंग्स ही नहीं एक्शंस भी बदल गए हैं। बच्चे, वास्तविक जीवन से अधिक जानकारियां स्क्रीन से ले रहे हैं। बड़ों से जीवन के सबक सीखने के बजाय रील वीडियोज में मनचाही बातें सुन रहे हैं। कामकाजी अभिभावकों के बच्चे अकेलेपन का शिकार हैं। बच्चों का लंबा समय अपने आप तक सिमटकर ही बीत रहा है। मेट्रो सिटीज में ही नहीं, गांवों-कस्बों में भी किसी भी विषय में सही-गलत का फर्क समझाने के लिए आस-पास कोई नहीं होता। एक समय बाद मनमर्जी की लाइफस्टाइल में जीने के आदी हुए बच्चे कोई समझाइश सुनना भी नहीं चाहते। हरदम स्क्रीन से चिपके रहने वाले बच्चे या तो सुस्त हैं या हाइपरएक्टिव। उनकी सोच और समझ की दिशा सहज है ही नहीं। स्पष्ट दिखता है कि मौजूदा लाइफस्टाइल ने उनकी मासूमियत भरी सुध-बुध छीन ली है। अपने मन की पसंद मुताबिक स्क्रीन पर कंटेंट देखने-सुनने की आदत के कारण बच्चे अब अपनी भावनाओं पर नियंत्रण करना भी भूल रहे हैं। उनका कोरा मन सही गलत के भेद से दूर हर बदलाव को जीवन का हिस्सा बना रहा है।

भाई-बहन के रिश्ते को प्रगाढ़ बनाता है भाई दूज

आज के व्यस्त और व्यावहारिक होते जा रहे जीवन में भाई-बहन जैसे प्यारे रिश्तों में भी दूरियां बढ़ने लगी हैं। ऐसे में भाई दूज जैसे पर्व, भाई-बहन के स्नेहमयी रिश्ते को प्रगाढ़ बनाने में बड़ी भूमिका निभाते हैं।

रिश्ते

अनीता जैन



भाई-बहन का रिश्ता जीवन के उन अनमोल रिश्तों में से एक है, जिसकी डोर प्रेम, विश्वास, अपनेपन और निस्वार्थ भावनाओं से बंधी होती है। समय बदलता है, जीवन की प्राथमिकताएं बदलती हैं और व्यस्तताओं के बीच अपनों के लिए वक्त निकालना भी मुश्किल हो जाता है। लेकिन कुछ रिश्तों की अहमियत कभी कम नहीं होती। भाई दूज ऐसा ही पर्व है, जो भाई-बहन के अटूट प्रेम, एक-दूसरे के प्रति जिम्मेदारी और साथ निभाने के संकल्प को फिर से जीवंत करता है। माथे पर तिलक और थाली में सजे दीप के साथ यह त्योहार केवल परंपरा का निर्वहन नहीं, बल्कि रिश्तों में स्नेह और विश्वास की लौ जलाए रखने का संदेश भी देता है।

पर्व से जुड़ी पौराणिक कथा: भाई दूज को यम द्वितीया भी कहा जाता है। पौराणिक कथा के अनुसार, सूर्यदेव की पुत्री यमुना अपने भाई यमराज से अत्यंत प्रेम करती थीं। यमुना बार-बार यमराज को अपने घर भोजन के लिए आमंत्रित करतीं, परंतु व्यस्तता के कारण वे नहीं जा पाते थे। अंततः एक दिन कार्तिक शुक्ल द्वितीया के दिन यमराज यमुना के घर पहुंचे। यमुना ने उनका स्वागत तिलक, आरती और आदरपूर्वक भोजन से किया। यमराज ने प्रसन्न होकर यमुना से वर मांगने को कहा। यमुना ने कहा, 'जो भी बहन इस दिन अपने भाई का तिलक करे और सच्चे मन से उसकी दीर्घायु की कामना करे, उसके भाई को कभी अकाल मृत्यु का भय न हो।' यमराज ने यह वर प्रदान किया और तभी से यह दिन भाई दूज के रूप में मनाया जाने लगा।



अपनापन बढ़ाने का पर्व: भाई दूज केवल पारिवारिक पर्व नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता का भी प्रतीक है। इस दिन बहनें अपने भाइयों को घर बुलाती हैं, उन्हें स्नेहपूर्वक भोजन कराती हैं और अपने परिवार की खुशहाली की कामना करती हैं। यह परंपरा परिवार के बीच खटास घटाने और रिश्तों में भावनात्मक जुड़ाव बढ़ाने का माध्यम बनती है। समाज में जहां आज रिश्ते, औपचारिकता तक सीमित होते जा रहे हैं, वहां भाई दूज जैसे पर्व हमें यह याद दिलाते हैं कि परिवार केवल रक्त संबंधों से नहीं, बल्कि आत्मीयता और एक-दूसरे के प्रति सम्मान से भी प्रगाढ़ होते हैं।

समानता-सम्मान का प्रतीक पर्व: भाई दूज का एक सामाजिक पहलू यह भी है कि यह आपसी रिश्तों के बीच परस्पर सम्मान का प्रतीक है। जहां बहनें, भाई के लिए शुभकामना देती हैं, वहीं भाई भी बहन की सुरक्षा, सहयोग और स्नेह का वचन देते हैं। यह संबंध किसी वर्चस्व या निर्भरता का नहीं, बल्कि समानता, आपसी प्रेम, जुड़ाव और संवेदना का प्रतीक होता है, जो प्रेमपूर्ण समाज के निर्माण के लिए आवश्यक है।

रिश्तों को जोड़ने का अवसर: आज के समय में जब काम-काज, व्यस्त दिनचर्या और भौगोलिक दूरी के कारण भाई-बहन महीनों तक एक-दूसरे से नहीं मिल पाते, भाई दूज का पर्व उन रिश्तों में नई ऊर्जा-चेतना का संचार करता है। इस तरह यह पर्व परिवार को आपस में मिलने का अवसर देता है, संवाद को पुनर्जीवित करता है और पुराने भावनात्मक संबंधों को फिर से ताजा करता है। तकनीकी युग में जब रिश्ते मोबाइल और सोशल मीडिया के संदेशों तक सीमित हो गए हैं, भाई दूज हमें व्यक्तिगत मुलाकातों की महत्ता का एहसास कराता है। स्नेह से किया गया तिलक, मुस्कान और प्रेम से साथ बिताए गए पल, यह सब मिलकर रिश्तों में ऊर्जा लौटाते हैं।

परिवार को जोड़ने वाली सीख: भाई दूज में यह व्यावहारिक संदेश भी निहित होता है कि परिवार केवल फोन पर बात करने या मैसेज भेजने से नहीं चलता, बल्कि समय देने और साथ निभाने से भी चलता है। इस पर्व के माध्यम से हम यह सीखते हैं कि चाहे हम कितने भी व्यस्त क्यों न हों, हमें अपनों के लिए थोड़ा समय अवश्य निकालना चाहिए। यही भावनात्मक निवेश हमारे जीवन को संतुलित और आनंदमय बनाता है।

आज के आधुनिक युग में नई पीढ़ी का रिश्तों के प्रति जो भावनात्मक लगाव होना चाहिए, नहीं दिखता। बच्चे अपने माता-पिता से ही रिश्तों के निर्वाह की सही सीख पाते हैं। बच्चों में रिश्तों की मजबूत नींव कैसे संभव है, जानिए।

बचपन में ही पड़ती है रिश्तों के निर्वाह की सही नींव

परवरिश

स्नेहा सिंह

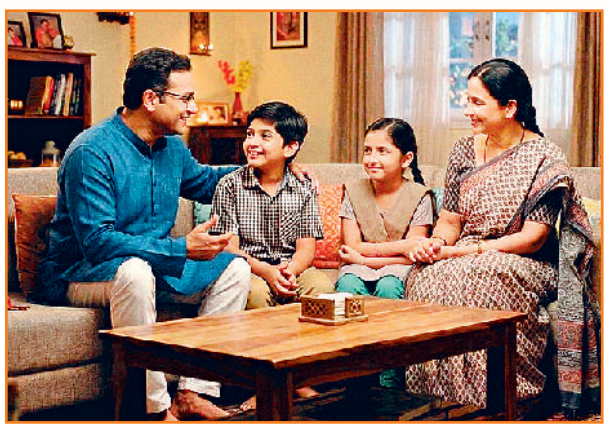

बच्चों की परवरिश केवल उन्हें अच्छी शिक्षा, बेहतर सुविधाएं और सफल करियर देने तक सीमित नहीं होती। उनके व्यक्तित्व की असली नींव पड़ती है- घर के माहौल, माता-पिता के व्यवहार और परिवार में होने वाले संवाद से। बच्चा अपने आस-पास के रिश्तों को जिस तरह देखता और अनुभव करता है, उसी आधार पर वह आगे चलकर रिश्तों को समझता और सीखता और निर्वाह करता है। आज इस प्रक्रिया में मोबाइल, सोशल मीडिया, फिल्में और इंटरनेट का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है। बच्चे इनसे प्रभावित होकर अपने रिश्ते निभा रहे हैं।

रिश्तों में सपनों की दुनिया बनाम हकीकत: फिल्मों और सोशल मीडिया में रिश्तों की एक ऐसी चमकदार तस्वीर दिखाई जाती है, जिसमें प्रेम, दोस्ती और जीवन बेहद खूबसूरत नजर आते हैं। बच्चे और किशोर इस काल्पनिक दुनिया से प्रभावित होकर रिश्तों और जीवन से कुछ अवास्तविक अपेक्षाएं पाल लेते हैं। धीरे-धीरे उन्हें लगता है कि वास्तविक जीवन भी रिश्तों की बनावट, उनकी पसंद और कल्पना के अनुसार ही होनी चाहिए, लेकिन हकीकत अलग होती है। वास्तविक रिश्तों में मतभेद, असहमति, जिम्मेदारियां और समझौते होते हैं, जो स्वाभाविक होते हैं। जब वास्तविकता बच्चों की अपेक्षाओं से मेल नहीं खाती, तो उनके भीतर एक निराशा जन्म लेती है।

सिखाएं व्यावहारिकता: बच्चों को भावनात्मक रूप से मजबूत बनाने की शुरुआत किशोरावस्था से ही होनी चाहिए। उन्हें यह समझाना जरूरी है कि जीवन में केवल खुशी, सफलता और प्रेम ही नहीं होते। असफलता, गुस्सा, दुःख, अस्वीकृति, निराशा और कभी-कभी नफरत जैसी भावनाएं भी जीवन का हिस्सा बनती हैं। इमोशनल होना गलत नहीं है, लेकिन इसके आधार पर तुरंत निर्णय लेना सही नहीं होता। बच्चों को अपनी भावनाओं को पहचानना, स्वीकारना और प्रतिक्रिया देने से पहले ठहरकर सोचना सिखाना जरूरी है, ताकि वे भविष्य में अपने निर्णय सही ढंग से ले सकें।

ऐसे तैयार होगी मजबूत पीढ़ी: अच्छी परवरिश का अर्थ बच्चे को हर कठिनाई से बचा लेना नहीं, बल्कि उसे कठिन परिस्थितियों का सामना करने योग्य बनाना है। प्रेम, अनुशासन, स्वतंत्रता और संवाद के संतुलन से ही भावनात्मक रूप से मजबूत पीढ़ी तैयार हो सकती है। बचपन में बोया गया विश्वास ही आगे चलकर स्वस्थ रिश्तों की सबसे मजबूत नींव बनती है। हमें इस बात को शिद्दत से समझना चाहिए।

संवादों को बनाएं रिश्तों की ताकत

माता-पिता बच्चों को केवल आदेश देने या उनकी गलतियां गिनाने के बजाय धैर्य के साथ उनकी बातें भी सुनें। घर ऐसा स्थान होना चाहिए, जहां बच्चा बिना डर अपनी उलझन, असहमति और असफलता साझा कर सके। बच्चों को यह समझना चाहिए कि किसी समस्या के समय माता-पिता, शिक्षक या भरोसेमंद व्यक्ति से मदद मांगना कमजोरी नहीं, समझदारी है। उन्हें यह भरोसा देना जरूरी है कि जीवन में रास्ता भटकने पर उनके माता-पिता उनके साथ खड़े रहेंगे।

डाइट सजेशन

डॉ. सुगीता मुत्रेजा

क्लिनिकल न्यूट्रिशनिस्ट, दिल्ली

डायबिटीज पेशेंट्स के लिए सही खान-पान बहुत जरूरी है। इसलिए अगर आप डायबिटिक पेशेंट हैं, तो अपनी डाइट में ऐसे फूड्स लेने चाहिए, जो उनकी ब्लड शुगर को कंट्रोल कर सकें। **वर्ल्ड डायबिटीज डे (14 नवंबर)** के अवसर पर आपको बता रहे हैं शुगर लेवल कंट्रोल करने के लिए क्या खाएं, क्या ना खाएं?

बैलेंस्ड डाइट से कंट्रोल रहेगा ब्लड शुगर लेवल

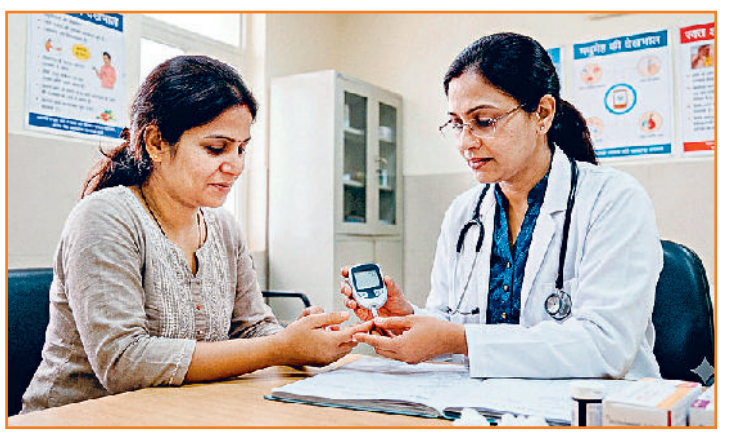

आज के दौर में महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़ी एक बड़ी चुनौती डायबिटीज बनती जा रही है। बदलती जीवनशैली, अनहेल्दी खान-पान की गलत आदतें, शारीरिक गतिविधियों की कमी और बढ़ता तनाव इस समस्या को बढ़ाने वाले प्रमुख कारणों में शामिल हैं। महिलाओं में डायबिटीज का असर केवल ब्लड शुगर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह उनके हार्ट, किडनी, आंखों और हार्मोनल स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर सकती है। खासतौर पर प्रेग्नेंसी, मेनोपॉज और बढ़ती उम्र के दौरान महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति अधिक सतर्क रहने की जरूरत होती है।

डाइट का रखें ध्यान: डायबिटिक महिलाओं के मन में अकसर यह सवाल रहता है कि क्या खाना चाहिए और किन फूड्स से परहेज करना चाहिए? डायबिटीज में भूखे रहना या पसंदीदा खाद्य पदार्थों को पूरी तरह छोड़ देना समाधान नहीं है। जरूरत है संतुलित और पोषक तत्वों से भरपूर डाइट अपनाने की, जो ब्लड शुगर को नियंत्रित रखने के साथ शरीर को जरूरी ऊर्जा भी दे। सही खान-पान और स्वस्थ आदतों से महिलाएं डायबिटीज को बेहतर तरीके से



नियंत्रित कर सकती हैं। सबसे पहले यह जानिए कि आपको अपनी डाइट में क्या शामिल करना चाहिए?

हरी-मौसमी सब्जियां: आपको अपनी डाइट में पालक, मेथी, बथुआ, लौकी, तोरई, करेला, भिंडी, पत्तागोभी, फूलगोभी और ब्रोकली जैसी सब्जियां शामिल करनी चाहिए। इनमें फाइबर और कई जरूरी पोषक तत्व होते हैं। फाइबर, पाचन को बेहतर रखने और ब्लड शुगर के नियंत्रण में मदद करता है। इनमें विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इसके अलावा, हरी सब्जियां शरीर को जरूरी पोषण देने के साथ वजन नियंत्रित रखने में भी सहायक होती हैं।

साबुत अनाज: डायबिटीज से जूझ रही महिलाओं को अपने भोजन में साबुत अनाज को प्राथमिकता देनी चाहिए। गेहूं के आटे के साथ जौ, चना, रागी, ज्वार और बाजरे जैसे अनाज को भी सीमित मात्रा में डाइट का हिस्सा बनाया जा सकता है। ओट्स और दलिया भी अच्छे विकल्प हैं। इन अनाजों में फाइबर पाया जाता है, जो पाचन को दुरुस्त रखने और ब्लड शुगर के स्तर को संतुलित रखने में मदद कर सकता है।

प्रोटीनरिच फूड्स: आपको अपनी डाइट में प्रोटीनरिच फूड्स को भी जरूर लेना चाहिए। दाल, चना, राजमा, लोबिया, पनीर, टोफू और बिना चीनी वाला दही इसके अच्छे विकल्प हैं। प्रोटीन शरीर की मांसपेशियों को मजबूत रखने, कोशिकाओं की मरम्मत करने और लंबे समय तक पेट भरा महसूस कराने में मदद करता है। इससे बार-बार भूख लगने और अनावश्यक स्नैकिंग की आदत को भी नियंत्रित किया जा सकता है। खासतौर पर बढ़ती उम्र में महिलाओं के लिए प्रोटीन का पर्याप्त सेवन जरूरी होता है।

फ्रूट्स: डायबिटीज होने का मतलब यह नहीं है कि आपको फल खाना पूरी तरह बंद कर देना चाहिए। अमरूद, सेब, संतरा, नाशपाती और पपीता जैसे फल सीमित मात्रा में खाए जा सकते हैं। इनमें फाइबर, विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। फलों का जूस पीने के बजाय उन्हें साबुत खाना बेहतर है, क्योंकि जूस बनाने से फाइबर की मात्रा कम हो जाती है और कम समय में अधिक मात्रा में शुगर शरीर में पहुंच सकती है।

ड्राय फ्रूट्स-सीड्स: बादाम, अखरोट, अलसी, चिया सीड्स और कद्दू के बीज डायबिटिक महिलाओं के लिए अच्छे विकल्प हो सकते हैं। इनमें हेल्दी फैट, फाइबर, प्रोटीन और कई जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं। इनका सीमित मात्रा में सेवन करने से पेट लंबे समय तक भरा रहता है और अनहेल्दी स्नैक्स खाने की इच्छा कम हो सकती है।

इनसे करें परहेज: डायबिटिक महिलाओं को यह जानना भी जरूरी है कि उन्हें अपनी डाइट में किस तरह के फूड्स को अवॉयड करना चाहिए, क्योंकि कुछ खाद्य पदार्थों का सेवन बिल्कुल नहीं करना चाहिए। मिठाई, केक, पेस्ट्री, चॉकलेट, कुकीज और चीनी से बने खाद्य पदार्थों से पूरी तरह दूरी बनाएं। इसके अलावा सफेद ब्रेड, नूडल्स, पिज्जा, बिस्किट और मैदे से बनी चीजों का सेवन सीमित रखें। समोसे, कचौड़ी, पकौड़े, पूरी और चिप्स जैसी चीजों से भी दूरी बनाएं। ज्यादा नमक, मक्खन, घी और ट्रांस फैट वाले खाद्य पदार्थों का सेवन भी कम करें। इससे हृदय संबंधी जोखिम को कम करने में भी मदद मिलती है।

प्रस्तुति: निकिता चौहान

इन बातों का भी रखें ध्यान

- रोजाना अपनी क्षमता के अनुसार कम से कम 30 मिनट पैदल चलें या व्यायाम करें।
- रोजाना पर्याप्त नींद लें और तनाव को नियंत्रित रखने की कोशिश करें।
- डॉक्टर की सलाह के अनुसार नियमित रूप से ब्लड शुगर की जांच करवाएं।
- यदि इंसुलिन या शुगर कम करने वाली दवाएं ले रही हैं, तो बिना डॉक्टर की सलाह भोजन छोड़ने या डाइट में बड़ा बदलाव करने से बचें।



पंजाब के फगवाड़ा में श्री विश्वकर्मा पूजा महोत्सव में शामिल हुए सीएम

पंजाब को नशामुक्त कर कुशल कारीगर की तरह सभ्य व भव्य प्रदेश के रूप में गढ़ें : सैनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने पंजाब के लोगों से आह्वान किया कि आओ सब मिलकर पंजाब को नशामुक्त करें और एक कुशल कारीगर की भांति इसको सभ्य एवं भव्य प्रदेश के तौर पर फिर से गढ़ने का काम करें।

सैनी पंजाब के फगवाड़ा में श्री विश्वकर्मा पूजा महोत्सव कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रहे थे। सांसद अशोक मित्तल , पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय सांपला एवं सोमप्रकाश के अलावा शिरोमणि विश्वकर्मा मंदिर कमेटी प्रधान प्रदीप धीमान , उपप्रधान सुरेंद्र धीमान व गुरमख सिंह नामधारी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 116 वर्ष पुराने ऐतिहासिक मंदिर में भगवान श्री विश्वकर्मा के चरणों में शीश नवाकर गोवर्धन पूजा एवं भगवान विश्वकर्मा पूजा की बधाई दी। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत उठाकर समाज की रक्षा की और भगवान विश्वकर्मा ने द्वारका बसाकर उसी समाज को घर दिया। एक ने रक्षा की, दूसरे ने रचना की और रक्षा व रचना, यही भारत की संस्कृति है। सैनी ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में हरियाणा सरकार द्वारा राज्य में करवाए गए सुधारों का विस्तार से जिक्र किया और बताया कि पूरे प्रदेश में जहां गरीब मरीजों का सरकारी अस्पतालों में फ्री डायलिसिस करवाया जा रहा है , वहीं सिलीकोसिस पीड़ित श्रमिकों के लिए पुनर्वास नीति बनाने वाला देश का पहला राज्य भी हरियाणा ही बना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गरीब कारीगर के पास बैंक से लोन लेते वक्त हुनर के सिवा कोई गारंटी नहीं होती। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पीएम विश्वकर्मा योजना से उसी हुनर को गारंटी बना दिया। इस योजना के तहत 500 रुपये रोज के भत्ते के साथ प्रशिक्षण, 15 हजार रुपये तक की टूलकिट और बिना गारंटी 3 लाख रुपये तक का ऋण सिर्फ 5 प्रतिशत ब्याज पर देना शुरू किया। उन्होंने आगे बताया कि हरियाणा सरकार ने इसमें मुख्यमंत्री विश्वकर्मा सम्मान योजना के तहत 5 हजार रुपये अपनी ओर से जोड़े। चार साल का लक्ष्य दो साल में पूरा हुआ। अब तक 30 लाख कारीगर इस योजना से जुड़ चुके हैं।



चंडीगढ़। फगवाड़ा में सीएम नायब सैनी को सम्मानित करते आयोजक।

पिछड़े वर्ग को 20 लाख तक ऋण का प्रावधान

हरियाणा सरकार ने पिछड़े वर्ग के बच्चों को देश में पढ़ाई करने के लिए 15 लाख और विदेश में 20 लाख रुपये तक का शिक्षा ऋण देने का प्रावधान किया है। काम के दौरान दुर्घटना में श्रमिक की मृत्यु पर उसके आश्रितों को 5 लाख रुपये तक की सहायता दी जाती है। क्रीमी लेयर की सीमा भी 6 लाख से बढ़ाकर 8 लाख की गई है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब की वर्तमान सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि पंजाब हमारा बड़ा भाई है। जो हरियाणा में हो सकता है, वह पंजाब में क्यों नहीं हो सकता? बिल्कुल हो सकता है। बस नीयत चाहिए, नीति चाहिए और जनता के प्रति समर्पण चाहिए। लेकिन पंजाब सरकार के मुखिया तो चुटकुलों से लोगों को बरगलाना चाहते हैं न कि अपने चुनावी वायदे पूरा करके।

छठ पूजा 2026

बिहार में घाटों पर कड़ी सुरक्षा के निर्देश जारी

पटना (भाषा)। बिहार के आपदा प्रबंधन विभाग (डीएमडी) ने छठ महापर्व (13 से 16 नवंबर) के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश सभी जिलों को दिए हैं। विभाग ने पूजा घाटों और जलाशयों के आसपास पटाखों की बिक्री एवं उन्हें फोड़ने पर प्रतिबंध लगाने तथा नहाय-खाय से सुबह के अर्घ्य तक निजी नावों के परिचालन पर रोक लगाने का निर्देश दिया है। विभाग की ओर से सोमवार को जारी एक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के निर्देश पर जिलाधिकारियों (डीएम) को खतरनाक घाटों की पहचान कर वहां बैरिकेडिंग कराने तथा पर्याप्त संख्या में सुरक्षाकर्मियों और स्वयंसेवकों की तैनाती सुनिश्चित करने को कहा गया है। विभाग ने 13 से 16 नवंबर तक छठ घाटों के आसपास पटाखों की बिक्री और उन्हें फोड़ने पर प्रतिबंध लगाने के साथ ही नहाय-खाय से सुबह के अर्घ्य तक निजी नावों के परिचालन पर रोक लगाने का निर्देश दिया है। बयान में कहा गया है, "नदी घाटों पर प्रशिक्षित गोताखोरों, तैराकों, मोटरबोट और जीवनरक्षक उपकरणों की तैनाती अनिवार्य रूप से की जाए।

जनता दर्शन में 125 लोगों से मिले मुख्यमंत्री आदित्यनाथ

समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश

गोरखपुर (उप्र) (भाषा)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में 125 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए।

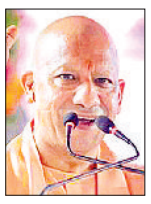

एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में संवेदनशीलता बरती जाए और प्रत्येक मामले में समयबद्ध, निष्पक्ष तथा संतोषजनक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे लोगों को आश्वस्त करते हुए कहा, "चिंता मत करिए। सरकार हर समस्या पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित कराएगी।" मुख्यमंत्री ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को लोगों के प्रार्थना पत्र सौंपते हुए संबंधित प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों को उनके शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। जनता दर्शन में कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग लेकर भी पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जरूरतमंद मरीजों के बेहतर उपचार के लिए उच्चस्तरीय चिकित्सा संस्थानों से इलाज का अनुमानित खर्च (एस्टीमेट) जल्द तैयार कराया जाए।

झारखंडः कारोबारी की हत्या के मामले में दो पुलिसकर्मी गिरफ्तार

साहिबगंज (भाषा)। झारखंड के साहिबगंज जिले में एक व्यवसायी की हत्या में कथित संलिप्तता के आरोप में पुलिस ने सोमवार को दो पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। टेंट हाउस संचालक मुन्ना शाह की रविवार रात जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र में बड़ी काली मंदिर के पास गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। साहिबगंज सदर के अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) सुशील कुमार ने संवाददाताओं को बताया, ₹मृतक के बेटे अंशु कुमार शाह की शिकायत के आधार पर झारखंड पुलिस में कार्यरत पवन कुमार और दीपक कुमार पासवान के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। हत्या के पीछे का मकसद तत्काल पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने हत्या में कथित तौर पर इस्तेमाल किया गया हथियार, कुछ कारतूस और खोखे बरामद किए हैं।

दीपावली की रात अधिवक्ता की गोली मारकर हत्या तलाश में छह दल गठित

कन्नौज (उप्र) (भाषा)। कन्नौज जिले के छिबरामऊ में दीपावली की रात एक अधिवक्ता की कथित रूप से गोली मारकर हत्या किये जाने के मामले में कांग्रेस के एक स्थानीय नेता के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने सोमवार को बताया कि मृतक की पहचान अनुज कुमार चतुर्वेदी (36) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि रविवार रात छिबरामऊ कोतवाली से कुछ दूरी पर जिला महासचिव अमोल दीक्षित के घर के पास हुई कहासुनी के दौरान अनुज चतुर्वेदी को कथित तौर पर गोली मार दी गई। सूत्रों ने बताया कि गंभीर रूप से घायल अनुज चतुर्वेदी को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। छिबरामऊ के कोतवाली प्रभारी कपिल दुबे ने बताया कि अनुज चतुर्वेदी के चचेरे भाई बसंत को राजनीतिक रंजिश के चलते अमोल दीक्षित ने थप्पड़ मार दिया था और बसंत ने इसकी जानकारी अनुज चतुर्वेदी को दी, जिसके बाद वह अपने चचेरे भाई को लेकर कांग्रेस नेता के घर पहुंचा था। दुबे ने बताया कि दीक्षित के घर पर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई और आरोप है कि इसी दौरान अमोल ने अपनी पिस्तौल से अनुज चतुर्वेदी पर लगातार चार गोलियां चलाईं और मौके से फरार हो गया।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023 देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **राजू गुप्ता पुत्र उमेश गुप्ता निवासी 231 रेन बसेरा सराय काले खां दिल्ली ने एफआईआर सं. 153/2025 धारा 33 दिल्ली एक्स एक्ट के तहत** थानाः सनलाईट कॉलोनी, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **राजू गुप्ता** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **राजू गुप्ता** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **एफआईआर सं. 153/2025 धारा 33 दिल्ली एक्स एक्ट के तहत** थानाः सनलाईट कॉलोनी, दिल्ली **के उक्त राजू गुप्ता** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **10.12.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
अनन रईस खान
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–07
दक्षिण पूर्व जिला कमरा नं.506
साकेत कोर्ट, नई दिल्ली

DP/16238/SE/2026

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी/84 भा.न.स.स.देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **महेश पासवान उर्फ राहुल** पुत्र श्री अश्रु पासवान निवासी वेगाबॉन्ड, झुग्गी डीआरपी लाइन, पुल मिठाई, लाहौरी गेट, दिल्ली ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 148/2024 धारा 33 दिल्ली आबकारी अधिनियम, थाना लाहौरी गेट, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है की किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **महेश पासवान उर्फ राहुल** मिल नहीं रहा और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है की उक्त अभियुक्त **महेश पासवान उर्फ राहुल** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इस लिए इस के द्वारा उद्घोषणा कि जाती है की उक्त अभियुक्त **महेश पासवान उर्फ राहुल, प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 148/2024 धारा 33 दिल्ली आबकारी अधिनियम, थाना लाहौरी गेट, दिल्ली** न्यायालय के समक्ष या मेरे समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **09.12.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेश से
सुश्री पायल सिंघल
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी
तीस हजारी न्यायालय, दिल्ली

DP/16196/N/2026

पूर्व दिशा की ओर जाने वाली त्यौहार विशेष रेलगाड़ियाँ–2026

छठ पूजा त्यौहार के दौरान रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु उत्तर रेलवे द्वारा अन्य क्षेत्रीय रेलों के सहयोग से दिनांक 10.11.2026 एवं 11.11.2026 को पूर्व दिशा की ओर निम्नलिखित त्यौहार विशेष रेलगाड़ियाँ चलाई जायेंगी, जिनका विवरण निम्नानुसार है:–

दिनांक 10.11.2026 (मंगलवार) को पूर्व दिशा में प्रस्थान करने वाली रेलगाड़ियों की सूची

विशेष गाड़ी सं.	स्टेशन से	प्रस्थान समय	स्टेशन तक	आगमन समय	स्थान	ठहराव
02254	नई दिल्ली (वंदे भारत एक्सप्रेस)	08:35	पटना जं.	21:30	एग्जीक्यूटिव चेयर कार एवं एसी चेयर कार	अलीगढ़ जं., कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर एवं आरा
04028	आनन्द विहार (ट.)	09:15	मुजफ्फरपुर जं.	04:30	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	अमरोहा, मुरादाबाद, बरेली (एनआर), शाहजहांपुर जं., सीतापुर जं., गोंडा जं., बस्ती, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सिवान जं., छपरा, सोनपुर एवं हाजीपुर जं.
04014	आनन्द विहार (ट.)	15:40	लौकहा बाजार	20:15	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली (एनआर), शाहजहांपुर जं., सीतापुर जं., गोंडा जं., गोरखपुर जं., कप्तानगंज जं., सिसवा बाजार, बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं., बैरगनिया, सीतामढ़ी जं., शीशो जं., सकरी जं., झंझारपुर एवं वाचस्पति नगर
04096	आनन्द विहार (ट.)	00:05	पाटलिपुत्र जं.	23:00	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., वाराणसी, गाजीपुर सिटी, फेफना जं., बलिया, सहतवार, बकुल्हा, छपरा एवं दिघवारा
04072	नई दिल्ली	21:35	सुपौल जं.	06:35	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टुंडला जं., इटावा जं., गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., ज्ञानपुर रोड, वाराणसी, औड़िहार जं., गाजीपुर सिटी, बलिया, सुरेमनपुर, छपरा, सोनपुर, हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगूसराय, खगड़िया जं., मानसी जं., सिमरी बख्तियारपुर एवं सहरसा जं.
04052	नई दिल्ली	18:15	हावड़ा	23:40	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टुंडला जं., गोविंदपुरी, सुबेदारगंज, मिर्जापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, पटना जं., बख्तियारपुर जं., किऊल जं., झाझा, जसीडीह जं., मधुपुर जं., चित्तरंजन, आसनसोल जं., दुर्गापुर, बर्द्धमान एवं बंडेल
04062	आनन्द विहार (ट.)	12:00	भागलपुर	13:30	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	अलीगढ़ जं., टुंडला जं., गोविंदपुरी, सुबेदारगंज, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया जं., तिलैया, नवादा, वारिसलीगंज, शेखपुरा, किऊल जं., अभयपुर, जमालपुर जं. एवं सुलतानगंज
04064	दिल्ली जं.	11:00	गया जं.	07:15	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, टुंडला जं., गोविंदपुरी, सुबेदारगंज, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन एवं अनुग्रह नारायण रोड
04088	नई दिल्ली	15:50	पटना जं.	12:45	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	टुंडला जं., गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., दिलदार नगर जं., बक्सर, रघुनाथपुर एवं आरा
04406	शकूर बस्ती	19:10	मानसी जं.	02:30	शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टुंडला जं., इटावा जं., कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाह नगर, बाराबंकी जं., गोंडा जं., बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सिवान जं., छपरा, सोनपुर, हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगूसराय एवं खगड़िया जं.
04404	शकूर बस्ती	15:15	पटना जं.	14:30	शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टुंडला जं., गोविंदपुरी, सुबेदारगंज, मिर्जापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा एवं दानापुर
04410	शकूर बस्ती	13:00	झंझारपुर जं.	16:00	शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, गोंडा जं., गोरखपुर जं., कप्तानगंज जं., बगहा, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं., घोड़ासहन, बैरगनिया, सीतामढ़ी जं., जनकपुर रोड, कमतौल, शीशो जं. एवं सकरी जं.
04058	आनन्द विहार (ट.)	00:20	छपरा जं.	19:20	प्रथम वाता., 2 टियर वाता. एवं 3 टियर वाता.	टुंडला जं., गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., ज्ञानपुर रोड, वाराणसी, सारनाथ, औड़िहार जं., गाजीपुर सिटी, फेफना जं., बलिया, रेवती एवं सुरेमनपुर
04078	दिल्ली जं.	14:00	दरभंगा	18:00	शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, टूंडला, गोविंदपुरी, सूबेदारगंज, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, दानापुर, पटना, बख्तियारपुर, मोकामा, बरौनी, दलसिंह सराय और समस्तीपुर
04210	दिल्ली जं.	18:50	वाराणसी जं.	09:50	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, हापुड़, गजरौला जं., मुरादाबाद, रामपुर, हरदोई, लखनऊ जं., रायबरेली जं. एवं मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़
03294	आनन्द विहार (ट.)	15:50	पटना जं.	12:25	3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इको., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, गोविंदपुरी, सूबेदारगंज, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा एवं दानापुर
02564	नई दिल्ली	17:55	बरौनी जं.	15:10	3 टियर वाता., 3 टियर वाता. (इकोनोमी), शयनयान	कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बस्ती, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सिवान जं., छपरा एवं मुजफ्फरपुर जं.
02570	नई दिल्ली	12:15	दरभंगा जं.	10:00	3 टियर वाता., 3 टियर वाता. (इकोनोमी), शयनयान	कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बस्ती, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सिवान जं., छपरा, मुजफ्फरपुर जं. एवं समस्तीपुर जं.
05580	आनन्द विहार (ट.)	05:15	पूर्णियाँ कोर्ट	11:30	3 टियर वाता. (इकोनोमी), शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, हापुड, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, सीतापुर, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, कप्तानगंज, बगहा, नरकटियागंज, रक्सौल, बैरगनिया, सीतामढी, जनकपुर, शेराही, सकरी, झंझारपुर, घोघरडीहा, निर्मली, न्यू झाझा, सुपौल, गढ़ बरुआरी, सहरसा, दौराम मधेपुरा, मुरलीगंज एवं बनमनखी
03640	शकूर बस्ती	21:10	धनबाद जं.	23:45	3 टियर वाता., 3 टियर वाता. (इकोनोमी), शयनयान एवं सामान्य	दिल्ली जं., टुंडला जं., गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया जं., कोडरमा, हजारीबाग रोड, पारसनाथ एवं एनएससी बोस जं. गोमो
04164	शकूर बस्ती	21:30	नारायनपुर बाजार	12:25	प्रथम वाता. सह 2 टियर वाता., 3 टियर वाता. शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, दादरी, खुर्जा जं., अलीगढ़ जं., हाथरस जं., टुंडला जं., शिकोहाबाद जं., इटावा जं., फफूंद, कानपुर सेंट्रल, बिंदकी रोड, फतेहपुर, सिराथू, भरवारी, प्रयागराज जं., करछना, मेजा रोड, मिर्जापुर एवं चुनार
03436	आनन्द विहार (ट.)	14:30	मालदा टॉवन	22:30	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	टूंडला, गोविंदपुरी, सूबेदारगंज, पं. दीन दयाल उपाध्याय, भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया, तिलैया, नवादा, वारिसली गंज, शेखपुरा, किऊल, अभयपुर, जमालपुर, सुल्तानगंज, भागलपुर, कहलगांव, पीरपैंती साहिबगंज, बरहरवा एवं न्यू फरक्का
02458	आनन्द विहार (ट.)	08:20	कानपुर सेन्ट्रल	13:15	3 टियर वाता. एवं शयनयान	अलीगढ़ जं. एवं इटावा जं.

दिनांक 11.11.2026 (बुधवार) को पूर्व दिशा में प्रस्थान करने वाली रेलगाड़ियों की सूची

02252	नई दिल्ली (वंदे भारत एक्सप्रेस)	08:35	पटना जं.	21:30	एग्जीक्यूटिव चेयर कार एवं एसी चेयर कार	अलीगढ़ जं., कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर एवं आरा
04014	आनन्द विहार (ट.)	15:40	लौकहा बाजार	20:15	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली (एनआर), शाहजहांपुर जं., सीतापुर जं., गोंडा जं., गोरखपुर जं., कप्तानगंज जं., सिसवा बाजार, बगहा, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं., बैरगनिया, सीतामढ़ी जं., शीशो जं., सकरी जं., झंझारपुर एवं वाचस्पति नगर
04096	आनन्द विहार (ट.)	00:05	पाटलिपुत्र	23:00	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., वाराणसी, गाजीपुर सिटी, फेफना जं., बलिया, सहतवार, बकुल्हा, छपरा एवं दिघवारा
04072	नई दिल्ली	21:35	सुपौल जं.	06:35	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टुंडला जं., इटावा जं., गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., ज्ञानपुर रोड, वाराणसी, औड़िहार जं., गाजीपुर सिटी, बलिया, सुरेमनपुर, छपरा, सोनपुर, हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगूसराय, खगड़िया जं., मानसी जं., सिमरी बख्तियारपुर एवं सहरसा जं.
04062	आनन्द विहार (ट.)	12:00	भागलपुर	13:30	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	अलीगढ़ जं., टुंडला जं., गोविंदपुरी, सुबेदारगंज, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया जं., तिलैया, नवादा, वारिसलीगंज, शेखपुरा, किऊल जं., अभयपुर, जमालपुर जं. एवं सुलतानगंज
04090	नई दिल्ली	23:30	दानापुर	15:00	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	दिल्ली जं., गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टुंडला जं., गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर एवं आरा
04098	शकूर बस्ती	09:20	दरभंगा जं.	11:45	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी जं., बुढवल जं., गोंडा जं., गोरखपुर जं., कप्तानगंज जं., सिसवा बाजार, बगहा, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं., घोड़ासहन, बैरगनिया, सीतामढ़ी जं., जानकीनगर रोड एवं कमतौल
04064	दिल्ली जं.	11:00	गया जं.	07:15	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, टुंडला जं., गोविंदपुरी, सुबेदारगंज, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन एवं अनुग्रह नारायण रोड
04088	नई दिल्ली	15:50	पटना जं.	12:45	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	टुंडला जं., गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., दिलदार नगर जं., बक्सर, रघुनाथपुर एवं आरा
04406	शकूर बस्ती	19:10	मानसी जं.	02:30	शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टुंडला जं., इटावा जं., कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाह नगर, बाराबंकी जं., गोंडा जं., बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सिवान जं., छपरा, सोनपुर, हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगूसराय एवं खगड़िया जं.
04404	शकूर बस्ती	15:15	पटना जं.	14:30	शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टुंडला जं., गोविंदपुरी, सुबेदारगंज, मिर्जापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा एवं दानापुर
04410	शकूर बस्ती	13:00	झंझारपुर जं.	16:00	शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, गोंडा जं., गोरखपुर जं., कप्तानगंज जं., बगहा, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं., घोड़ासहन, बैरगनिया, सीतामढ़ी जं., जनकपुर रोड, कमतौल, शीशो जं. एवं सकरी जं.
04066	आनन्द विहार (ट.)	05:00	सबौर	07:00	2 टियर वाता. एवं 3 टियर वाता.	गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टुंडला जं., गोविंदपुरी, सुबेदारगंज, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया जं., तिलैया, वारिसलीगंज, शेखपुरा, किऊल जं., अभयपुर, जमालपुर जं., सुलतानगंज एवं भागलपुर
04054	नई दिल्ली	18:15	हावड़ा जं.	23:40	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टुंडला जं., गोविंदपुरी, सुबेदारगंज, मिर्जापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, पटना जं., बख्तियारपुर जं., किऊल जं., झाझा, जसीडीह जं., मधुपुर जं., चित्तरंजन, आसनसोल जं., दुर्गापुर, बर्द्धमान एवं बंडेल
02564	नई दिल्ली	17:55	बरौनी जं.	15:10	3 टियर वाता., 3 टियर वाता. (इकोनोमी), शयनयान	कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बस्ती, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सिवान जं., छपरा एवं मुजफ्फरपुर जं.
02570	नई दिल्ली	12:15	दरभंगा जं.	10:00	3 टियर वाता., 3 टियर वाता. (इकोनोमी), शयनयान	कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बस्ती, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सिवान जं., छपरा, मुजफ्फरपुर जं. एवं समस्तीपुर जं.
02418	शकूर बस्ती	21:30	प्रयागराज जं.	09:15	प्रथम वाता. सह 2 टियर वाता., 3 टियर वाता. शयनयान एवं सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, दादरी, खुर्जा जं., अलीगढ़ जं., हाथरस जं., टुंडला जं., शिकोहाबाद जं., इटावा जं., फफूंद, कानपुर सेंट्रल, बिंदकी रोड, फतेहपुर, सिराथू एवं भरवारी
05086	आनन्द विहार (ट.)	10:50	छपरा जं.	07:00	3 टियर वाता., 3 टियर वाता. (इकोनोमी), शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, सीतापुर, बुढ़वल, गोंडा, बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर, कप्तानगंज, रामकोला, पडरौना, थावे, दिघवा दुबौली एवं मसरख
04184	हजरत निजामुद्दीन	15:45	प्रयागराज	09:10	2 टियर वाता., 3 टियर वाता. शयनयान एवं सामान्य	कोसी कलां, मथुरा, आगरा कैंट, धौलपुर, ग्वालियर, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, मऊ रानीपुर, हरपालपुर, कुलपहाड़, महोबा, बांदा, अतर्रा, चित्रकुटधाम कर्वी, मानिकपुर, डभौरा एवं शंकरगढ़
05088	आनन्द विहार (ट.)	19:15	मऊ	14:00	3 टियर वाता., 3 टियर वाता. (इकोनोमी), शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, टुंडला, गोविंदपुरी, प्रयागराज, जंघई, जौनपुर, शाहगंज, खोरासों रोड, आजमगढ़ एवं मुहम्मदाबाद
02456	नई दिल्ली	07:45	कानपुर सेन्ट्रल	13:15	3 टियर वाता. एवं शयनयान	अलीगढ़ जं. एवं इटावा जं.
03294	आनन्द विहार (ट.)	15:50	पटना जं.	12:25	3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इको., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, गोविंदपुरी, सूबेदारगंज, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा एवं दानापुर
03698	नई दिल्ली	13:40	गया जं.	11:15	शयनयान एवं सामान्य	टूंडला, गोविंदपुरी, प्रयागराज, पं.दीन दयाल उपाध्याय, भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन एवं अनुग्रह नारायण रोड

रेल यात्रा के दौरान ज्वलनशील पदार्थ जैसे कि पटाखे, पेट्रोल, गैस सिलेण्डर, केरोसिन, इत्यादि कदापि लेकर सफर न करें।

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी अन्य जानकारी जैसे कि सीट उपलब्धता और समय–सारणी आदि के लिए रेलमदद हेल्पलाईन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की व

चिंतन

कैंसर के खिलाफ जंग को मिली और मजबूती

कैंसर का नाम सुनते ही किसी भी परिवार के सामने सबसे बड़ी चुनौती बीमारी से लड़ने के साथ-साथ इलाज के खर्च का इंतजाम करने की होती है। लंबे समय तक चलने वाला उपचार, महंगी दवाएं और बार-बार अस्पताल के चक्कर मरीज और उसके परिजनों को मानसिक व आर्थिक रूप से तोड़ देते हैं। ऐसे में कैंसर की 137 दवाओं की कीमतों में भारी कटौती का फैसला लाखों मरीजों के लिए राहत की नई उम्मीद लेकर आया है। यह केवल दवाओं के दाम घटने का मामला नहीं, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं को आम आदमी की पहुंच में लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। दवाओं की कीमतों में कमी से मरीजों को सालाना करीब 3,540 करोड़ रुपये की बचत होने का अनुमान है। खास बात यह है कि 679 ब्रांड की दवाओं के दाम 50% से अधिक घटाए गए हैं और कुछ दवाओं की कीमतों में 96.45% तक की कमी हुई है। निश्चित रूप से इससे कैंसर के उपचार का आर्थिक बोझ कम करने में मदद मिलेगी। इस फैसले के पीछे न्यायपालिका की सक्रियता, विशेषज्ञों की सिफारिश और सरकार की नियामक व्यवस्था की अहम भूमिका रही है। 22 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने कैंसर की दवाओं की खुदरा खरीद कीमत और अधिकतम खुदरा मूल्य के बीच भारी अंतर पर गंभीर सवाल उठाए थे। अदालत ने टिप्पणी की थी कि 2,700 रुपये की दवा मरीज को 27 हजार रुपये में मिलना दिनदहाड़े डकैती और नरसंहार जैसा है। इस टिप्पणी ने दवा कारोबार में मुनाफे और मरीजों के हितों के बीच संतुलन की जरूरत को रेखांकित किया। इसके बाद नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (एनपीपीए) ने 137 गैर-अनुसूचित कैंसर दवाओं पर कंपनियों का व्यापार मार्जिन 30% तय कर दिया। इसी व्यवस्था के तहत कंपनियों ने नई कीमतें लागू की हैं। इस पहल का सकारात्मक पक्ष यह भी है कि कीमतों में कमी का आधार केवल प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि विशेषज्ञों का अध्ययन और सुझाव भी रहे हैं। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज के तहत गठित समिति में देशभर के प्रमुख कैंसर विशेषज्ञों, चिकित्सकों, अस्पतालों के प्रतिनिधियों और सरकारी अधिकारियों ने विचार-विमर्श के बाद 137 दवाओं की सिफारिश की। सूची को समय-समय पर अपडेट करने का प्रावधान भी महत्वपूर्ण है। इससे भविष्य में दूसरी जरूरी दवाओं को भी कीमत नियंत्रण के दायरे में लाने का रास्ता खुल सकता है। नई कीमतें सभी मेडिकल स्टोर और अस्पतालों की फार्मेसी तक पहुंचनी चाहिए। मरीजों को पुरानी कीमतों पर दवा बेचने, निर्धारित दर से अधिक वसूली और पुराने स्टॉक के नाम पर मनमानी करने वालों पर सख्ती जरूरी है। इस दिशा में 'फार्मा सही दाम' एप, एनपीपीए की वेबसाइट और 'फार्मा जन समाधान' पोर्टल जैसी सुविधाएं उपयोगी साबित हो सकती हैं। दरअसल, कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के उपचार में दवाओं की नियमित उपलब्धता और उनका उचित मूल्य दोनों जरूरी हैं। केवल कीमत घटाना पर्याप्त नहीं, मरीज को समय पर सही दवा मिलना भी सुनिश्चित करना होगा। सरकार को दवा मूल्य नियंत्रण की व्यवस्था की नियमित समीक्षा करनी चाहिए। दवा कंपनियों के अनुसंधान और उत्पादन को प्रोत्साहन देते हुए मरीजों के हितों की रक्षा के बीच संतुलन बनाना भी जरूरी है। स्वस्थ समाज की नींव तभी मजबूत होगी, जब किसी व्यक्ति की जिंदगी बचाने वाला उपचार उसकी आर्थिक हैसियत का मोहताज नहीं रहेगा। कैंसर की दवाओं की कीमतों में यह कटौती इसी दिशा में उम्मीद जगाने वाला कदम है।



मुद्दा
प्रभात कुमार रॉय

ट्रंप की हार से बदलेगी वैश्विक कूटनीति

अमेरिका के मिडटर्म चुनाव में राष्ट्रपति ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को मिली करारी शिकस्त ने अमेरिकी राजनीति में नए समीकरण पैदा कर दिए हैं। संसद के दोनों सदनों में बहुमत गंवाने से ट्रंप की मुश्किलें बढ़ेंगी। ईरान युद्ध, बढ़ती महंगाई और पेट्रोल-डीजल की कीमतों में उछाल उनकी पार्टी की हार के प्रमुख कारण बने। डेमोक्रेटिक पार्टी की बढ़त और वामपंथी विचारधारा वाले उम्मीदवारों की जीत अमेरिकी राजनीति में बदलाव के संकेत हैं। चुनावी नतीजों के बाद ट्रंप पर आक्रामक विदेश नीति की समीक्षा का दबाव बढ़ेगा। भारत के साथ व्यापारिक रिश्तों और कूटनीतिक व्यवहार में सुधार की संभावनाएं भी महत्वपूर्ण होंगी। अब देखना होगा कि चुनावी झटका ट्रंप को नीतियां बदलने और सहयोग की राह अपनाने के लिए कितना विवश करता है।

सर्वविदित है कि अमेरिका के मिडटर्म चुनाव में अमेरिकन पार्लियामेंट के दोनों सदनों हाउस आफ रिप्रेजेंटेटिव (कांग्रेस) और सीनेट में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में रिपब्लिकन पार्टी को शिकस्त का सामना करना पड़ा है। हाउस आफ रिप्रेजेंटेटिव की कुल 435 सीटों में अभी तक डेमोक्रेटिक पार्टी को 264 और रिपब्लिकन पार्टी को 162 सीटों पर विजय प्राप्त हुई है। अमेरिकी पार्लियामेंट के उच्च सदन सीनेट की कुल 100 सीटों में डेमोक्रेटिक पार्टी द्वारा 54 सीटें प्राप्त करके अपना स्पष्ट बहुमत सीनेट में भी स्थापित कर लिया गया है, जबकि रिपब्लिकन पार्टी सीनेट में केवल 44 सीटों पर सिमट गई हैं। अमेरिकन राजनीति के विशेषज्ञ जानकारों के मुताबिक अमेरिका के मिडटर्म चुनाव द्वारा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अमेरिका का एक अत्यंत कमजोर और लाचार राष्ट्रपति बना दिया गया है। अमेरिका में वर्तमान संवैधानिक स्थिति में आंतरिक गृह मोर्चे पर भले ही राष्ट्रपति ट्रंप की शक्तियों पर डेमोक्रेट्स द्वारा कड़ी लगाम कस दी जाएगी, किंतु विदेश नीति के फ्रंट पर तो ट्रंप की कूटनीतिक शक्तियों को कदाचित शिथिल नहीं की जा सकेगा। प्रबल प्रश्न उपस्थित है कि राजनीतिक तौर पर निर्बल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अमेरिकन हुकूमत द्वारा वैश्विक कूटनीति और भारत के प्रति उसके व्यवहार में कितना कुछ बुनियादी परिवर्तन अंजाम दिया जा सकता है अथवा नहीं दिया जाएगा। जहां तक अमेरिका के वैश्विक कूटनीतिक व्यवहार का प्रश्न है, वह तो निश्चित तौर पर भविष्य में परिवर्तित होने वाला है। ईरान युद्ध से उत्पन्न हुए दुष्प्रभाव ने ही अमेरिका में आंतरिक तौर पर रिपब्लिकन पार्टी की राजनीतिक तबाही को अंजाम दिया है। डोनाल्ड ट्रंप को अपने आगामी दो वर्ष के कार्यकाल के दौर में अपनी विदेश नीति में बुनियादी परिवर्तन करने के लिए विवश होना ही पड़ेगा। भारत के साथ अमेरिका की संभावित ट्रेड डील किसी सकारात्मक अंजाम तक आखिर कब तक पहुंच सकती है, यह तो भविष्य ही बताएगा। किंतु एक बात निश्चित है कि अपनी अंतरराष्ट्रीय छवि को बेहतर बनाने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप निश्चित तौर पर भारत के साथ अमेरिका के बिगड़ते हुए रिश्तों को सुधारने की कोशिश अवश्य ही कर सकते हैं। राष्ट्रपति ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में प्रारंभ से ही पाकिस्तान को भारत के मुकाबले अधिक तरजीह प्रदान करते रहे हैं। पाकिस्तान के सैन्य कमांडर इन चीफ जनरल मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ का व्हाइट हाउस में खासतौर पर रेड कार्पेट खैरमक़दम किया गया। पाकिस्तानी फौज के लिए अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने खजाना खोल दिया! अपने प्रथम कार्यकाल में डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पाकिस्तान को वैश्विक आतंकवाद को परिपोषित करने वाला खतरनाक जिहादी मुल्क करार दिया गया था। अमेरिका ग्रेट अगेन और अमेरिका फर्स्ट की उद्घोषणाओं के तहत राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा अत्यंत अनुचित और मनमाने ढंग से भारत पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ आयद किया गया, जिसको बाद में घटाकर 50 और फिर 25 प्रतिशत कर दिया गया। ट्रंप द्वारा रूस से तेल आयात करने की स्थिति में भारत के विरुद्ध 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ आयद करने का ऐलान किया गया। अब राष्ट्रपति ट्रंप की अपनी कूटनीतिक विडंबना देखिए कि पेट्रोल और डीजल के जबरदस्त संकट से जूझते हुए अमेरिकन सरकार द्वारा



रूस के विरुद्ध आयद किए गए आर्थिक प्रतिबंधों को निरस्त कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि 3 जनवरी 2027 को हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव के सदस्य शपथ ग्रहण करेंगे। है। हालांकि अभी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास 2 वर्ष 2 महीने का कार्यकाल शेष बचा है। रिपब्लिकन पार्टी द्वारा अमेरिका पार्लियामेंट के दोनों सदनों में अपना बहुमत को गंवा देने की स्थिति में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब अपनी घरेलू और विदेश नीति को कानूनी शक्ति प्रदान नहीं कर सकेंगे। मिडटर्म चुनाव में विकराल शिकस्त हो जाने के पश्चात भी डोनाल्ड ट्रंप के आक्रामक तेवर कदाचित शिथिल नहीं हुए हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने बाकायदा ऐलान कर दिया है कि हाउस का रिप्रेजेंटेटिव और सीनेट द्वारा पारित विधेयकों (बिलों) को वह वीटो कर देंगे और लेजिसलेशन (कानूनी एक्ट) का आकार नहीं लेने देंगे। राष्ट्रपति ट्रंप यह भी फरमा दिया है कि उन्हें इस बात की कतई परवाह नहीं है कि उनको प्रेसिडेंट वीटो कहकर इतिहास निरुपित करेगा। नवंबर में संभवतया 17 और 18 तारीख को ट्रंप चीन जाएंगे, जहां पर राष्ट्रपति पुतिन के साथ भी उनकी मुलाकात होगी। यूक्रेन युद्ध को सुलझाने की खातिर राष्ट्रपति ट्रंप राष्ट्रपति पुतिन के साथ कोऑर्डिनेशन स्थापित करके यूक्रेन युद्ध के समापन पर बातचीत अंजाम दे सकते हैं, ताकि यूक्रेन युद्ध को समाप्त कर देने के लिए उनका दावा कायम बना रह सके। मिडटर्म चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की शर्मनाक शिकस्त के लिए अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वैंस ने डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रारंभ किए गए आक्रामक ईरान युद्ध को जिम्मेदार करार दिया है। डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में अमेरिका की इजरायल के साथ अत्यधिक घनिष्ठता पर भी रिपब्लिकन पार्टी के लीडर्स ने सवाल खड़े किए हैं। दरअसल रिपब्लिकन पार्टी के वरिष्ठ लीडर अब भविष्य में सन 2028 में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव की तरफ देख रहे हैं। आने वाले वक्त में ईरान युद्ध पर लगाम कसने के लिए अब सबसे पहले रिपब्लिकन पार्टी के वरिष्ठ लीडर ही राष्ट्रपति ट्रंप के आड़े आ जाएंगे। क्योंकि ईरान युद्ध को उपराष्ट्रपति जीडी वैंस एवं अन्य रिपब्लिकन लीडर राष्ट्रपति ट्रंप का व्यक्तिगत निर्णय घोषित कर चुके हैं। उल्लेखनीय है कि अमेरिका फर्स्ट अभियान को संचालित करते हुए ट्रंप ने भविष्य में कोई भी युद्ध नहीं करने का बाकायदा ऐलान किया था। लेकिन ट्रंप द्वारा भविष्य में युद्ध नहीं करने के ऐलान का एकदम उलटकर ईरान पर युद्ध थोप दिया गया। ईरान में रिजीम चेंज करने की सनक में ट्रंप ने कहा कि कुछ ही दिनों में ईरान में रिजीम चेंज हो जाएगा और युद्ध समाप्त हो जाएगा। किंतु 8 महीनों का वक्त व्यतीत हो गया, है और अभी तक युद्ध के समापन का कोई मुहूर्त नहीं आया है। बहुत मुमकिन है कि राष्ट्रपति ट्रंप आने वाले कुछ दिनों में फिर से ईरान पर आक्रामक धावा बोल सकते हैं। हालांकि रिपब्लिकन पार्टी की पराजय से अत्यंत क्षुब्ध और क्रोधित रिपब्लिकन लीडर ऐसा करने से राष्ट्रपति ट्रंप को अवश्य ही रोक सकेंगे। ट्रंप द्वारा स्वयं भी आखिरकार रिपब्लिकन पार्टी की पराजय को बाकायदा स्वीकार कर लिया है और ट्रंप ने यह भी कहा है कि मिडटर्म चुनाव में पराजय ईरान युद्ध के कारण ही मुमकिन हुई है। समझा जा रहा है कि ईरान युद्ध के कारणवश ही अमेरिका में महंगाई की दर चार प्रतिशत से भी अधिक हो गई। डीजल और पेट्रोल के दाम बढ़ गए हैं। मिडटर्म चुनाव सर्वे में एक बात स्पष्ट तौर पर उभरकर सामने आई है कि अमेरिका के 75% मतदाता ईरान युद्ध के विरुद्ध रहे हैं। चुनाव में पराजय का सामना करने के बाद संभव है कि ट्रंप को अमरीकी संसद के पटल पर बड़े बहुमत वाली डेमोक्रेटिक पार्टी द्वारा प्रस्तावित महाअभियोग का भी सामना करना पड़े। विगत कार्यकाल में भी ट्रंप ने दो दफा महाअभियोग का सामना किया था। भविष्य में जो भी परिस्थिति रहे किंतु ट्रंप को पराजय से गंभीर सबक लेना चाहिए और आगामी दो वर्षों के कार्यकाल में राजनीतिक और कूटनीतिक गलतियों को दुरुस्त करना चाहिए।

(लेखक विदेशी मामलों के जानकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

मंथन
रितीश उपाध्याय

समझ न आए कानूनी फ़ैसला, तो इंसाफ़ कैसा?

ज़मीन का मुक़दमा हार चुके एक किसान के हाथ में फ़ैसले की प्रति आती है, जिसे वह पढ़ ही नहीं पाता। वकील मोटे तौर पर मतलब बता देता है, कभी इत्मीनान से, कभी कचहरी के गलियारों में जल्दबाज़ी में। पर अदालत ने ऐसा फ़ैसला क्यों दिया, इसकी वजह उस भाषा में दबी रह जाती है, जो उस किसान की अपनी नहीं है। जिसकी आज़ादी, ज़मीन या रोज़ी दांव पर थी, क्या उसे अपना फ़ैसला खुद पढ़ने और समझने का भी हक़ नहीं? इस मामले में संवैधानिक प्रावधान पहली नज़र में ज़रूर थोड़े सख़्त दिखते हैं। अनुच्छेद 348(1)(क) के अनुसार, जब तक संसद क़ानून बनाकर कुछ और तय न करे, सुप्रीम कोर्ट और हर हाई कोर्ट की कार्यवाही अंग्रेज़ी में होगी। संविधान के अनुच्छेद 348(2) ने राज्यपाल को राष्ट्रपति की पूर्व सहमति से हाई कोर्ट की कार्यवाही में हिंदी या राज्य की राजभाषा का प्रयोग करने की इजाज़त देने का अधिकार दिया है। हालांकि, यह छूट हाई कोर्ट के फ़ैसलों, डिक्री और आदेशों पर लागू नहीं होगी, हालांकि इस रिक्ति को राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 7 भरती है। उसके तहत राज्यपाल, राष्ट्रपति की पूर्व सहमति से फ़ैसले, डिक्री और आदेश के लिए भी अंग्रेज़ी के साथ हिंदी या उस राज्य की किसी राजभाषा को मान सकते हैं, लेकिन नियम के अनुसार हाई कोर्ट के प्राधिकार से जारी अंग्रेज़ी अनुवाद साथ संलग्न होना ज़रूरी है। सुप्रीम कोर्ट का मामला अलग है, वहां ऐसा कोई रास्ता नहीं है। बदलाव सिर्फ़ संसद द्वारा पारित किसी क़ानून से आ सकता है। आम जन में धारणा है कि अदालतों की भाषा अंग्रेज़ी तय है और उसमें कुछ नहीं बदल सकता। पर क़ानून पढ़ें तो तस्वीर अलग नज़र आती है। उसमें अपनी भाषा के लिए जगह मौजूद है, लेकिन उसका इस्तेमाल बेहद कम हुआ है। इस्तेमाल कितना कम हुआ, यह आंकड़े बताते हैं। अब तक भारत के केवल चार ही हाई कोर्ट में कार्यवाही के लिए हिंदी की इजाज़त है, ये राज्य हैं राजस्थान (1950), उत्तर प्रदेश (1969), मध्य प्रदेश (1971) और बिहार (1972)। तमिलनाडु, गुजरात, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और कर्नाटक के प्रस्ताव आगे ही नहीं बढ़ सके। ऐसे हर प्रस्ताव पर भारत के मुख्य न्यायाधीश की सहमति ली जाती है, और केंद्र सरकार संसद में बता चुकी है कि सुप्रीम कोर्ट ने इन्हें स्वीकार नहीं किया। क़ानून बनाने और बने हुए क़ानून के तहत हिंदी या राजभाषा का प्रयोग करने में वक़्त लग सकता है, पर तब तक आम आदमी क्या करे? जवाब अनुवाद में है। राज्यसभा को बताया गया कि 28 मार्च 2025 तक सुप्रीम कोर्ट के ई-एससीआर पोर्टल पर 36,344 फ़ैसले हिंदी में और 47,439 अनुवाद दूसरी भाषाओं में उपलब्ध थे। ये अनुवाद 18 भाषाओं में उपलब्ध हैं, जिनमें तमिल, तेलुगु, बांग्ला, गुजराती और पंजाबी शामिल हैं। हालाँकि, यह केवल सुप्रीम कोर्ट के रिपोर्टेबल यानी चुने हुए अहम फ़ैसले हैं, हर आदेश नहीं। और जो फ़ैसले कई भाषाओं में अनुवादित हैं, वे हर भाषा के हिसाब से अलग गिने गए हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने इस काम को रफ़्तार दी है, पर अकेली मशीन पर भरोसा नहीं किया जा सकता। 2024 में तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ ने बताया था कि एआई ने लीव ग्रांटेड का अनुवाद अवकाश प्राप्त हुआ कर दिया, जबकि अदालत में इसका मतलब है कि अपील सुनने की इजाज़त मिल गई। ज़ाहिर है, क़ानून की भाषा में एक शब्द चूकने से पूरा अर्थ बदल जाता है। इसीलिए नवंबर 2019 में ₹सुवास₹ सॉफ़्टवेयर शुरू होने के बाद से अनुवाद की जांच का ढांचा भी खड़ा किया गया है, जिसमें हाई कोर्ट भी शामिल हैं। साझा शब्दावली पर भारतीय भाषा समिति काम कर रही है, जिसे भारतीय बार काउंसिल और केंद्र सरकार ने बनाया है और जिसके अध्यक्ष पूर्व मुख्य न्यायाधीश एस. ए. बोबडे हैं। महत्वपूर्ण सवाल यह भी है कि क्या क्या अंग्रेज़ी हटाकर उसकी जगह किसी एक भारतीय भाषा को बिठा दिया जाए? लेकिन जब केरल या नगालैंड का वकील दिल्ली की पीठ के सामने खड़ा होता है, तो दोनों को एक साझा भाषा चाहिए। अब ज़रूरत इस पहल को हिंदी से आगे ले जाने की है। हर राज्य में उसकी प्रमुख भाषा में सार मिलें, हाई कोर्ट के फ़ैसलों के लिए भी यही व्यवस्था बने और क़ानून, अदालती नियम, फ़ैसले की कॉपी तथा मुफ़्त क़ानूनी मदद की जानकारी राज्य की भाषा में भी उपलब्ध हो। अनुवाद की कामयाबी गिनती से नहीं, उसके उद्देश्य के पूरे होने से परखी जानी चाहिए। कहा जाता है कि न्याय सिर्फ़ होना ही नहीं चाहिए, बल्कि होते हुए स्पष्ट रूप से दिखना भी चाहिए। यानी न्याय का मक़सद सिर्फ़ फ़ैसला सुनाना नहीं, बल्कि उसे समझने का अधिकार सुनिश्चित करना भी है। न्याय तब तक मुकम्मल नहीं हो सकता, जब तक प्रभावित व्यक्ति फ़ैसले को समझ न ले। जो इंसाफ़ समझ में न आए, वह मिलकर भी अधूरा रह जाता है।

(लेखक सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

इच्छाओं का पात्र कभी नहीं भरता

संकलित
दर्शन

एक बार एक साधु राजा के महल में पहुंचा। राजा का नियम था कि उसके महल में सबसे पहले आने वाले व्यक्ति की हर इच्छा पूरी की जाएगी। राजा ने साधु से कहा कि वह जो चाहे मांग सकता है। साधु ने अपने हाथ में पकड़ा छोटा-सा भिक्षापात्र आगे करते हुए कहा, 'महाराज! बस इसे सोने के सिक्कों से भर दीजिए।' राजा को यह बहुत आसान काम लगा। उसने तुरंत सेवकों को सोने के सिक्के लाने का आदेश दिया। सिक्के पात्र में डाले गए, लेकिन वह खाली ही रहा। राजा ने और सिक्के मंगवाए, फिर भी पात्र नहीं भरा। धीरे-धीरे राजा ने अपना पूरा खजाना उस पात्र में डलवा दिया, लेकिन वह फिर भी खाली रहा। आखिरकार राजा ने हार मान ली और साधु से पूछा कि इस छोटे से पात्र में ऐसा क्या रहस्य है, जो यह भरने का नाम ही नहीं लेता? साधु मुस्कराया और बोला, 'महाराज! यह कोई जादुई पात्र नहीं है। यह मनुष्य की खोपड़ी से बना है। जिस प्रकार इंसान का मन कभी संतुष्ट नहीं होता, उसी प्रकार यह पात्र भी कभी नहीं भरता। मनुष्य धन, पद, प्रतिष्ठा और ज्ञान कितना भी प्राप्त कर ले, उसकी इच्छाएं लगातार बढ़ती रहती हैं।' 'साधु ने आगे कहा कि भौतिक सुखों के पीछे भागते-भागते मनुष्य अपना पूरा जीवन बिता देता है, लेकिन मन का खालीपन दूर नहीं होता। सच्ची शांति बाहरी वस्तुओं में नहीं, बल्कि आत्मज्ञान, संतोष और ईश्वर के प्रति समर्पण में है। इसकी सीख यह है कि इच्छाओं का कोई अंत नहीं है। जीवन में वास्तविक सुख अधिक पाने में नहीं, बल्कि जो मिला है उसमें संतोष करना और मन को निर्मल रखना सीखने में है।

जीवन में मुश्किलें स्थायी नहीं होतीं

संकलित
प्रेरणा

पहाड़ की ऊंची चोटी पर एक विशाल चील रहती थी। उसकी उड़ान इतनी ऊंची और तेज थी कि आसमान में दूसरे पक्षी भी उसे देखकर गर्व महसूस करते थे। एक दिन शिकार करते समय शिकारी का तीर उसके पंख में आ लगा। चील घायल होकर जमीन पर गिर पड़ी। जो कभी आसमान की रानी थी, वह अब उड़ने में भी असमर्थ थी। दिन बीतने लगे। चोट के कारण वह शिकार नहीं कर पा रही थी। दूसरे पक्षी उसे देखकर कहते, 'अब यह कभी आसमान में नहीं उड़ पाएगी। इसके उड़ने के दिन खत्म हो गए।' उनकी बातें सुनकर चील निराश हो जाती। एक रात एक बूढ़े उल्लू ने उसे समझाया, 'चोट तुम्हारे पंखों को कमजोर कर सकती है, हौसले को नहीं। अगर तुमने कोशिश करना छोड़ दिया तो हार निश्चित है। धैर्य रखो और धीरे-धीरे दोबारा उड़ने का अभ्यास करो। 'चील को उसकी बातों से नई उम्मीद मिली। उसने पहले अपने पंख फड़फड़ाने शुरू किए। फिर छोटी-छोटी छलांग लगाकर उड़ने का प्रयास किया। कई बार गिरी, दर्द सहा, लेकिन हिम्मत नहीं हारी। आखिरकार कई सप्ताह की मेहनत के बाद एक दिन उसने अपने पंख फैलाए और आसमान की ओर उड़ चली। इससे सीख मिलती है कि जीवन में असफलता और मुश्किलें कभी स्थायी नहीं होतीं। गिरने के बाद फिर उठने का साहस ही असली ताकत है। परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन हों, धैर्य, आत्मविश्वास और निरंतर प्रयास से मंजिल हासिल की जा सकती है।

अंतर्मन

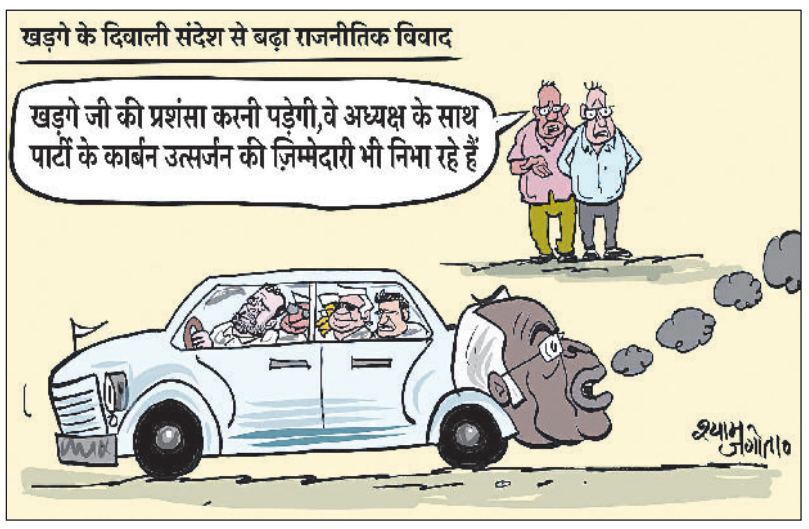

आज की पाती

जहरीली हवा गंभीर खतरा

जहरीली होती हवा लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन गई है। बच्चों, बुजुर्गों और सांस के मरीजों को सबसे अधिक परेशानी हो रही है। प्रदूषण के कारण आंखों में जलन, सांस लेने में दिक्कत और अन्य बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है।इसके लिए केवल सरकार को जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं है, नागरिकों की भी जवाबदेही है। वाहनों का सीमित उपयोग, कचरा न जलाना, अधिक से अधिक पौधे लगाना और निर्माण कार्यों में धूल पर नियंत्रण जैसे कदम जरूरी हैं। प्रशासन को प्रदूषण फैलाने वालों के खिलाफ सख्ती करनी चाहिए। स्कूलों, सामाजिक संस्थाओं और नागरिक संगठनों को भी जागरूकता अभियान चलाने चाहिए। स्वच्छ हवा प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। इसके लिए सरकार और समाज को मिलकर ठोस प्रयास करने होंगे।

- संजय सैनी, सोनीपत

ट्रेंड

गुणी व्यक्ति

जो सभी प्राणियों के प्रति समान भाव रखते हैं, और जो इच्छा तथा क्रोध से मुक्त हैं, तथा जो कभी भी न्याय के मार्ग का त्याग नहीं करते, उन्हें ही वास्तव में गुणी व्यक्ति माना जाता है।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री



विकास को गति

दिल्ली के निवासियों को वर्षों से जिन बुनियादी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, उन्हें दूर करने के लिए अब ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। हमारी सरकार इन समस्याओं के समाधान के लिए ज़मीनी स्तर पर योजनाएं लागू कर रही है। ये प्रयास दिल्ली के विकास को गति दे रहे हैं।

-परवेश साहिब सिंह, कैबिनेट मंत्री, दिल्ली



गोशालाओं को अनुदान

पशुपालन केवल धार्मिक आस्था का विषय ही नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था और आत्मनिर्भरता का एक मजबूत आधार भी है। आज राज्य भर की 3,000 से अधिक पंजीकृत गोशालाओं को 65.66 करोड़ की अनुदान राशि हस्तांतरित की।

- डॉ. मोहन यादव, सीएम, मध्यप्रदेश



'पीडीए सरकार' बनाएंगे

कुछ ही महीनों में, हम अपनी 'पीडीए सरकार' बनाएंगे और राशन में सरसों का तेल उपलब्ध कराएंगे, ताकि किसी भी शोषित, वंचित या गरीब व्यक्ति को इन भाजपा वालों के हाथों अपमानित न होना पड़े और न ही लाठियां खानी पड़ें।

-अखिलेश यादव, सांसद, सपा



करंट अफेयर

महिलाओं से हर जिम्मेदारी की अपेक्षा, सम्मान देने में समाज पीछे

राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने कहा कि समाज महिलाओं से घर संभालने, आजीविका कमाने, परिवार का सहारा बनने और भावनात्मक संबल देने की अपेक्षा तो करता है, लेकिन इसके बावजूद उनके साथ भेदभाव जारी है। रहाटकर ने महिलाओं के प्रति समाज की सोच में बुनियादी बदलाव की जरूरत पर जोर दिया। सरकारों ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई कानून बनाए हैं, लेकिन केवल कानूनों से अपेक्षित बदलाव नहीं लाया जा सकता। 'मुझे यह देखकर भी थोड़ा आश्चर्य होता है कि समाज महिलाओं से हर चीज की अपेक्षा करता है। चाहे घर की देखभाल की बात हो, इसके लिए मां, पत्नी, बहन या बेटी ही होनी चाहिए। उसे हर परिस्थिति में मजबूती से खड़ा होना चाहिए, आत्मनिर्भर बनना चाहिए, कमाना चाहिए, सबका सहारा बनना चाहिए, घर के काम करने चाहिए और सभी को भावनात्मक संबल भी देना चाहिए। उससे ये सभी अपेक्षाएं की जाती हैं। लेकिन 'कभी-कभी मुझे यह देखकर बहुत आश्चर्य और दुख होता है कि जिस देश में सदियों से महिलाओं का इतना सम्मान किया जाता रहा है, वहां आज भी उनके साथ भेदभाव होता है। समाज उसको सम्मान देने में पीछे है। यह बात मुझे बहुत परेशान करती है।' "जब उसी मां, बहन या बेटी को घरेलू हिंसा का शिकार होना पड़ता है, तो बहुत दुख होता है। घरेलू हिंसा पर समाज की सोच बदलनी होगी



ऑफ बीट

रबड़ के दस्तानों पर डंपिंग रोधी शुल्क की सिफारिश

वाणिज्य मंत्रालय की जांच इकाई डीजीटीआर ने थाइलैंड और मलेशिया से आयात किए जाने वाले चिकित्सा जांच में इस्तेमाल होने वाले रबड़ के दस्तानों पर पांच साल के लिए प्रति एक लाख इकाई पर 565 अमेरिकी डॉलर तक का डंपिंग-रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की है। एक अधिसूचना में यह जानकारी दी गई है। इस शुल्क से घरेलू विनिर्माताओं को इन दोनों देशों से होने वाले सस्ते आयात से बचाने में मदद मिलेगी। व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने थाइलैंड और मलेशिया के विनिर्माताओं द्वारा इन उत्पादों को भारतीय बाजार में कथित तौर पर लागत से कम कीमत पर बेचे जाने के प्रभाव की जांच के बाद यह सिफारिश की है। डीजीटीआर ने अधिसूचना में कहा, "प्राधिकरण संबंधित देशों में उत्पादित या वहां से निर्यात किए जाने वाले संबंधित उत्पादों के आयात पर निश्चित डंपिंग-रोधी शुल्क लगाना आवश्यक मानता है और इसकी सिफारिश करता है।" इसमें कहा गया कि प्रस्तावित शुल्क प्रति एक लाख दस्तानों पर 442 अमेरिकी डॉलर से 565 अमेरिकी डॉलर के बीच है। शुल्क लगाने पर अंतिम फैसला वित्त मंत्रालय करेगा। डीजीटीआर ने अपने अंतिम निष्कर्षों में कहा कि डंपिंग वाले आयात के कारण "शुरुआती चरण में चल रहे घरेलू उद्योग को गंभीर नुकसान हुआ है।"



हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड,
रोहतक-124001 फोनः 9253681019-20
ई-मेल : haribhoomi@gmail.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

लखीमपुर खीरी में तेंदुए के हमले में बच्चे की मौत

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर खीरी जिले में दीपावली के दौरान लापता हुए 10 वर्षीय एक लड़के का क्षत-विक्षत शव सोमवार को घर से कुछ दूर झाड़ियों में मिला। वन विभाग ने तेंदुए के हमले की आशंका जताई है। डीएफओ तपस ने बताया कि मृतक की पहचान गोला कोतवाली क्षेत्र के जमुनाबाद फार्म निवासी रोहित कुमार के रूप में हुई है। रविवार रात बालक के लापता होने की सूचना पर वन विभाग और पुलिस के दल मौके पर पहुंचे लेकिन अंधेरा होने के कारण उसकी तलाश नहीं हो सकी तथा सोमवार को तलाश के दौरान उसका शव झाड़ियों में पाया।

असम की कंपनी से 11.5 करोड़ ठगे, एक पकड़ा

गुवाहाटी। असम की एक कंपनी को झांसा देकर 11.5 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ करके पुलिस ने पश्चिम बंगाल से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बताया कि धोखाधड़ी करने वाले गिरोह ने पहले खुद को सेना को सामान की आपूर्ति करने वाले संगठन के रूप में पेश किया और फिर कंपनी से करोड़ों रुपये ठग लिए। गुवाहाटी के पानबाजार थाने की टीम ने थाना प्रभारी शंकर ज्योति नाथ के नेतृत्व में यह मामला सुलझाया।

चित्रकार अर्पिता का 89 वर्ष की आयु में निधन

नई दिल्ली। आधुनिकतावादी चित्रकार अर्पिता सिंह का उम्र संबंधी बीमारियों के कारण रविवार को यहां फोर्टिस अस्पताल में निधन हो गया। उनके पति एवं कलाकार परमजीत सिंह ने जानकारी दी। वह 89 वर्ष की थीं। अर्पिता को युद्ध और सांप्रदायिकता जैसे सामाजिक आघातों को दर्शाने वाली उनकी विस्तृत कलाकृतियों के लिए व्यापक रूप से जाना जाता था। परमजीत ने बताया कि वह पिछले कुछ वर्षों से हृदय और फेफड़ों से जुड़ी समस्याओं से पीड़ित थीं। इसके बावजूद वह काम कर रही थीं। तीन दिनों में उनका स्वास्थ्य बिगड़ गया, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था।"

लुधियाना में दिवाली पर बच्चे को गोली लगी

लुधियाना। लुधियाना में दिवाली की रात 5 साल के बच्चे को संदिग्ध परिस्थितियों में गोली लग गई। बच्चा अपने भाई-बहनों के साथ झोपड़ी में बिस्तर पर लेटा था। अचानक जोर-जोर से रोने लगा। मां ने पास जाकर देखा तो उसके पेट में गोली लगी हुई थी। पहले परिवार ने जबरदस्ती गोली निकालने की कोशिश की। लेकिन बच्चा बेहोश होने लगा। ये देख परिवार घबरा गया। परिजन उसे तुरंत सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसका इलाज चल रहा है। बच्चे की मां का कहना है कि उन्हें नहीं पता कि गोली किसने और कहां से चलाई।

महाराष्ट्रः दंगा मामले में दो लोगों को बरी किया

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे की एक अदालत ने 2015 में हत्या की कोशिश व दंगा करने के मामले में दो लोगों को बरी करते हुए कहा कि मुकदमे की सुनवाई के दौरान प्रमुख गवाह अपने बयानों से मुकर गए या उन्होंने आरोपों की पुष्टि नहीं की। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, 14 नवंबर 2015 को योगेश धनावडे, उनके चाचा रोहिदास धनावडे और वामन शिंदे एक जगह आग बुझाने में मदद करने के बाद घर लौट रहे थे तथा इसी दौरान खोपाट इलाके में धारदार हथियारों व बीयर की बोतलों से लैस कुछ लोगों ने उन पर हमला कर दिया।

बस पलटने से तीन की मौत, 44 यात्री घायल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के बाहरी इलाके में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर सोमवार सुबह एक बस के सड़क किनारे पलट जाने से तीन यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 44 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने बताया कि हादसा सुबह करीब छह से साढ़े छह बजे के बीच पारा थाना क्षेत्र में टोल प्लाजा के पास हुआ।

मोहाली के सेंटर में दी जा रही ट्रेनिंग

पंजाब में ट्रेंड कुत्ते बीमारी पहचानेंगे

एजेंसी ▶▶ मोहाली

पंजाब के मोहाली स्थित डॉग ट्रेनिंग सेंटर में कुत्ते सिक्योरिटी के साथ साथ बीमारियों की पहचान करेंगे। बच्चों में मिर्गी के दौरे से लेकर ब्लड शुगर लेवल गिरने तक की स्थिति के संकेत देखकर पहचान लेंगे। सेंटर में करीब 400 कुत्ते ट्रेंड किए जा चुके हैं, जो 8 राज्यों की पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों के साथ तैनात हैं। ये ट्रेंड कुत्ते ड्रग्स, विस्फोटक, बारूदी सुरंगों और जेलों में छिपाए गए मोबाइल फोन, सिम कार्ड व मेमोरी कार्ड खोज सकते हैं। मोदी के 2020 के दौरे के वक्त भी ये सुरक्षा ड्यूटी में तैनात रह चुके हैं। इसके अलावा मशहूर बिजनेसमैन मुकेश अंबानी और तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा की सिक्योरिटी में भी इनकी तैनाती हो चुकी है।



जर्मन भाषा में दिए जाते कमांड

किसी वारदात के वक्त अपराधी कुत्तों को भ्रमित न कर सकें, इसके लिए सेंटर में कुत्तों को हिंदी या अंग्रेजी के बजाय जर्मन भाषा में कमांड दिए जाते हैं। बैठने के लिए 'सिट्ज', लेटने के लिए 'प्लात्ज' और तलाश करने के लिए 'सूख' शब्द इस्तेमाल किए जाते हैं। पिल्लों को शुरुआती हफ्तों से ही अलग-अलग आवाजों, लोगों और कंक्रीट, घास व कांच जैसी सतहों से परिचित कराया जाता है, ताकि बाद में वह इससे असहज न हों। ट्रेनिंग में मारपीट या सजा के बजाय भोजन, बॉल और खिलौनों से इनाम दिया जाता है। ड्रग्स और विस्फोटकों की पहचान के लिए उन्हें संबंधित पदार्थों की वास्तविक गंध से परिचित कराया जाता है।

गृह मंत्रालय की रिपोर्ट से शुरू हुआ सेंटर

सेंटर के डायरेक्टर न्यूटन सिद्धू के मुताबिक, 2015 में उन्होंने गृह मंत्रालय की एक रिपोर्ट पढ़ी थी। इसमें देश के सुरक्षा बलों में प्रशिक्षित खोजी कुत्तों की कमी का जिक्र था। इसके बाद उन्होंने अमेरिकी सेना के लिए 28 साल तक डॉग ट्रेनिंग कर चुके ट्रेनर माइक मॉर्गन से संपर्क किया। दोनों की बातचीत के बाद पंजाब सरकार के गृह मामलों एवं न्याय विभाग के सामने जॉइंट वेंचर के रूप में सेंटर स्थापित करने का प्रस्ताव रखा गया। सरकार की मंजूरी के बाद 2016 में मोहाली के डेराबस्सी क्षेत्र के सुंद्रां गांव में सेंटर शुरू हुआ। यहां ट्रेनिंग के साथ कुत्तों की ब्रीडिंग भी की जाती है।

परंपरा होलकर राजवंश के जमाने से पिछले 300 साल से चल रही

योद्धा रिवायती जंग में एक-दूसरे पर जलते हिंगोट दागते हैं

इंदौर में दीपावली की परंपरा से जुड़े हिंगोट युद्ध में बरसे देशी रॉकेट, 20 योद्धा जखमी

हरिभूमि न्यूज\भाषा ▶▶ इंदौर

मध्यप्रदेश के इंदौर जिले में दीपावली की धार्मिक परंपरा से जुड़े हिंगोट युद्ध में सोमवार शाम 20 लोग झुलसकर घायल हो गए। स्वास्थ्य विभाग की एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। विकासखंड चिकित्सा अधिकारी (बीएमओ) डॉ. विभा नागर ने बताया कि इंदौर से करीब 55 किलोमीटर दूर गौतमपुरा कस्बे में हिंगोट युद्ध के दौरान 20 योद्धा झुलस गए। उन्होंने बताया कि इनमें से छह लोगों को एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जबकि मामूली तौर पर झुलसे 14 व्यक्तियों को मौके पर प्राथमिक उपचार देकर उनके घर भेज दिया गया। दीपावली के अगले दिन गौतमपुरा कस्बे के एक मैदान पर होने वाले पारंपरिक हिंगोट युद्ध के गवाह बनने के लिए बड़ी तादाद में दर्शक जुटे। युद्धस्थल पर उनकी सुरक्षा के लिए ऊंची जालियां और



बैरिकेड लगाए गए थे। हालात की निगरानी के लिए ड्रोन और सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए थे। अधिकारियों के मुताबिक मौके पर 250 से ज्यादा लोगों को तैनात किया गया था जिनमें पुलिस कर्मी और नगर सुरक्षा समिति के सदस्य शामिल थे।

प्रशासन पाबंदी नहीं लगा पा रहा

प्रशासन हिंगोट युद्ध पर इसलिए पाबंदी नहीं लगा पा रहा है क्योंकि इस परंपरा से स्थानीय लोगों की धार्मिक मान्यताएं जुड़ी हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि हिंगोट युद्ध की परंपरा इंदौर के पूर्ववर्ती होलकर राजवंश के जमाने से पिछले 300 साल से चल रही है। किंवदंती के अनुसार बारूद से भरे हिंगोट को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की शुरुआत स्थानीय छापामार योद्धाओं ने की थी। ये लड़ाके मुगल आक्रांताओं के घुड़सवारों को तत्कालीन होलकर सामाज्य की सीमाओं में घुसने से रोकने के लिए उन पर छिपकर हिंगोट दागते थे।

यह है हिंगोट हिंगोट, आंवले के आकार वाला एक जंगली फल होता है। गूदा निकालकर इस फल को खोखला कर लिया जाता है। फिर इसे सुखाकर इसमें खास तरीके से बारूद भरी जाती है। नतीजतन आग लगाते ही यह रॉकेट जैसे पटाखे की तरह बेहद तेज गति से छूटता है और लम्बी दूरी तय करता है। पारंपरिक हिंगोट युद्ध के दौरान गौतमपुरा के योद्धाओं के दल को 'तुर्रा' नाम दिया जाता है, जबकि रुणजी गांव के लड़ाके 'कलंगी' दल की अगुवाई करते हैं। दोनों दलों के योद्धा रिवायती जंग के दौरान एक-दूसरे पर जलते हिंगोट दागते हैं।

राहुल गांधी ने मोदी को एक बार फिर खुली बहस की चुनौती दी

पीएम पहले मुझसे बहस करें, उसके बाद किसी जवान के सामने खड़े नहीं हो पाएंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा में विपक्ष के नेता ने पिछले 8 दिन में यह छठी बार है, जब राहुल ने पीएम मोदी को बहस के लिए बोला है। इस पर भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया है कि राहुल गांधी संसद में बहस से भाग रहे हैं।

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक बार फिर राष्ट्र-विरोधी होने और विदेशी ताकतों के इशारे पर काम करने के आरोपों पर खुली बहस की चुनौती दी है। उन्होंने सीआरपीएफ जवानों का जिक्र करते हुए दावा किया कि जवान प्रधानमंत्री की बातों पर भरोसा नहीं करते। राहुल ने कहा कि बहस के बाद प्रधानमंत्री जवानों का सामना नहीं कर पाएंगे।

दिवाली के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को छत्तीसगढ़ के बस्तर पहुंचे और यहां उन्होंने तैनात सीआरपीएफ के जवानों के साथ दिवाली मनाई। प्रधानमंत्री के इस दौरे पर नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोमवार को निशाना साधा है। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक बार फिर खुली बहस की चुनौती दी। उन्होंने यह चुनौती खुद पर लगाए गए 'राष्ट्र-विरोधी' होने और 'विदेशी ताकतों के इशारे पर काम करने' के आरोपों के जवाब में दी। राहुल ने कहा कि प्रधानमंत्री के लिए उनकी बहस की चुनौती अब भी कायम है और वह किसी भी समय इस मुद्दे पर चर्चा करने को तैयार हैं।

प्रधानमंत्री के बस्तर दौरे पर की टिप्पणी बोले-जवानों को पीएम के वादों पर भरोसा नहीं



एक्स पर पोस्ट कर सीआरपीएफ जवानों का किया जिक्र

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में राहुल गांधी ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जवानों के चेहरे के भाव से साफ पता चल रहा था कि वे प्रधानमंत्री की बातों पर भरोसा नहीं करते। राहुल गांधी ने कहा, 'आपके चेहरों से सब कुछ साफ पता चल रहा था। आपने प्रधानमंत्री के झूठ पर भरोसा नहीं किया।

'नक्सलवाद का खतरा अभी खत्म नहीं हुआ'

राहुल गांधी की यह चुनौती मोदी के उस बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने रविवार को कहा था कि देश में नक्सलवाद का खतरा अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया था कि 'दिमागी नक्सली' कई संगठनों और राजनीतिक दलों में घुसपैठ कर चुके हैं। ये लोग लोगों को संविधान और लोकतंत्र के खिलाफ भड़काने का काम कर रहे हैं।

खड़गे के हिंदू विरोधी बयान पर भाजपा का निशाना

कांग्रेस को राष्ट्रहित से ऊपर वोट बैंक दिखाई देता: भाटिया

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के हिंदू विरोधी बयान की कड़ी आलोचना करते हुए कांग्रेस पर तुष्टिकरण की राजनीति का आरोप लगाया। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने सोमवार को नई दिल्ली स्थित पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा दीपावली को 'खुशियों की ईद' बताना और सोनिया गांधी द्वारा अयोध्या में विवादित ढांचे के विध्वंस पर आंसू बहाने की बात करना करोड़ों हिंदुओं की भावनाओं का अपमान है। उन्होंने राहुल गांधी, सोनिया गांधी और



खड़गे से हिंदू धर्म एवं सनातन के प्रतीकों को राजनीतिक विवादों से दूर रखने की अपील करते हुए कांग्रेस की कथित हिंदू विरोधी सोच पर सवाल उठाए। भाटिया ने कहा कि पूरा देश दीपावली का पर्व मना रहा है। दीपावली, छोटी दिवाली, धनतेरस और गोवर्धन पूजा जैसे सभी पर्व हर भारतीय, विशेषकर हिंदुओं को हमारी उस सांस्कृतिक विरासत की याद दिलाते हैं, जिस पर हमें नाज और गर्व है।

महाराष्ट्र में भीषण अग्निकांड

एक ही परिवार के 6 लोगों की जलकर दर्दनाक मौत



एजेंसी ▶▶ धाराशिव

महाराष्ट्र के धाराशिव जिले में एक मकान के भूतल पर मौजूद कपड़े की दुकान में आग लग जाने पर दम घुटने के कारण एक ही परिवार के छह सदस्यों की मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे में परिवार का एक बच्चा किसी तरह अपनी जान बचाने में सफल रहा। पुलिस ने बताया कि आग रविवार देर रात दो बजकर 45 मिनट पर लगी, जब येदशी स्थित दुकान के ऊपर पहली मंजिल पर करांडे परिवार के सदस्य सो रहे थे। पुलिस के अनुसार,

▶▶ एक बच्चा अपनी जान बचाने में सफल रहा

परिवार के छह सदस्यों की दम घुटने से मौत हो गई। आग तेजी से फैल गई, क्योंकि भूतल पर मौजूद दुकान में प्लास्टिक का सामान और तेल का भंडार भी रखा हुआ था। एक व्यक्ति जीवित है और उसकी हालत स्थिर है। पुलिस ने मृतकों की पहचान उत्तम करांडे, चंद्रकला करांडे, गोविंद करांडे, गायत्री करांडे, ज्योति करांडे और सिद्धि करांडे के रूप में की है।

ठाणेः इमारत में लगी आग, 50 को बचाया

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे शहर में दिवाली की रात 17 मंजिला आवासीय इमारत में भीषण आग लगने के बाद करीब 50 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आग रविवार रात करीब साढ़े आठ बजे शहर के वागले एस्टेट इलाके में स्थित 'रहेजा गार्डन कॉम्प्लेक्स' की 'कार्लाइल' इमारत में लगी। इस इमारत में 28 फ्लैट हैं। ठाणे नगर निगम के क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तडवी ने बताया कि घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

मुंबई उच्च न्यायालय के आदेश

गोकुल डेयरी के नामित निदेशकों के वोट अलग मतपेटी में रखें

एजेंसी ▶▶ छत्रपति संभाजीनगर

मुंबई उच्च न्यायालय ने सोमवार को महाराष्ट्र सरकार के उस अध्यादेश पर रोक लगाने के लिए तत्काल कोई आदेश जारी करने से इनकार कर दिया, जिसके तहत गोकुल डेयरी बोर्ड में नामित चार निदेशकों को वोट देने का अधिकार दिया गया था। हालांकि, अदालत ने कहा कि 10 नवंबर को चेयरमैन पद के लिए होने वाले चुनाव में उनके द्वारा डाले गए मतों को एक अलग मतपेटी में रखा जाना चाहिए। उच्च न्यायालय की छत्रपति संभाजीनगर स्थित औरंगाबाद पीठ ने यह फैसला कोल्हापुर जिला सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ लिमिटेड (जो गोकुल डेयरी के नाम से मशहूर है) के बोर्ड में सरकार द्वारा निदेशकों को नामित किये जाने संबंधी अध्यादेश की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली एक याचिका पर सुनवाई के दौरान सुनाया। उच्च न्यायालय की एक अवकाशकालीन पीठ ने कहा कि मंगलवार (10 नवंबर) को चेयरमैन चुनने के लिए होने वाली बैठक में चार नामित निदेशकों को भागीदारी करने और वोट डालने की अनुमति होगी।

मप्र का थाना प्रभारी हत्याकांड

अंतरराज्यीय शराब तस्करी नेटवर्क का फरार सदस्य गुजरात से पकड़ा

ट्रक से कुचलकर कर हत्या कर दी गई थी

भाषा ▶▶ इंदौर

मध्यप्रदेश के देवास जिले में अवैध शराब की अंतरराज्यीय तस्करी रोकने पहुंचे थाना प्रभारी दिलीप पुरी की कथित रूप से ट्रक से कुचलकर कर दी गई हत्या के मामले में फरार एक आरोपी को पुलिस ने पड़ोसी गुजरात से गिरफ्तार किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अनुविभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीओपी) आदित्य तिवारी ने बताया कि घटना के बाद से फरार मनीष जायसवाल को गुजरात से गिरफ्तार किया गया है और वह शराब की अंतरराज्यीय तस्करी के नेटवर्क की अहम कड़ी है। उन्होंने बताया कि मनीष जायसवाल को गिरफ्तार करके देवास लाया गया है। पुलिस के एक अन्य अधिकारी ने बताया कि थाना प्रभारी हत्याकांड में शराब तस्करी नेटवर्क के कथित सरगना राहुल जायसवाल और ट्रक चालक गजेंद्र उर्फ अक्कू रावत समेत पांच को पहले गिरफ्तार किया जा चुका है।

हिमाचल प्रदेश के ऊना की घटना

पटाखे फोड़ने के दौरान व्यक्ति ने गुस्से में पड़ोसियों पर चढ़ाई थार

भाषा ▶▶ ऊना

हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले के बडोली इलाके में दीपावली पर पटाखे फोड़ने के दौरान हुए विवाद में एक व्यक्ति ने अपनी 'थार' गाड़ी पड़ोसियों पर चढ़ा दी, जिससे एक दंपति की मौत हो गई और दो अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। घटना से नाराज स्थानीय लोगों ने आरोपी की पिटाई कर दी। गंभीर हालत में उसे भी अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने मामले में दोनों पक्षों की ओर से प्राथमिकी दर्ज की गई है।

दंपति की मौत

दोनों परिवारों के बीच पहले से भी विवाद था और रविवार शाम को दीपावली के दौरान पटाखे फोड़ने को लेकर उनके बीच कहासुनी हो गई। पुरानी कारों की खरीद-बिक्री करने वाले जरनैल सिंह ने गुस्से में अपनी थार गाड़ी पड़ोसियों पर चढ़ा दी और इस घटना में ओंकार सिंह व उनकी पत्नी वीणा देवी की मौत हो गई। पड़ोसी परिवार के दो लोग भी घायल हो गए। इलाके के निवासियों में भारी आक्रोश फैल गया और आसपास के लोगों ने जरनैल को पकड़ कर उसकी पिटाई कर दी।

बिहारः एक पक्ष ने दूसरे पक्ष चढ़ाई स्कॉर्पियो, दो की मौत,छह लोग गंभीर

आरा (भाषा)। बिहार के भोजपुर जिले में आपसी विवाद के बाद एक पक्ष ने कथित रूप से 'स्कॉर्पियो' गाड़ी दूसरे पक्ष पर चढ़ा दी जिससे दो लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार रविवार रात बिहिया थानाक्षेत्र के रामडिहरा गांव यह वारदात हुई जिसमें कमलेश यादव और दिनेश यादव की जान चली गयी। पुलिस अधिकारी रवि कुमार ने बताया, ''रविवार रात करीब नौ -10 बजे रामडिहरा गांव में सूर्य मंदिर के पास कुछ लोग अपने ट्रकों की सफाई कर रहे थे। इसी दौरान उनके पड़ोसी अपनी स्कॉर्पियो गाड़ी लेकर वहां पहुंचे। किसी आपसी विवाद को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई।

पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ से अभयारण्य में दाखिल हुआ

ओडिशा के वन्यजीव अभयारण्य में रॉयल बंगाल टाइगर दिखा

भाषा ▶▶ भुवनेश्वर

ओडिशा के बरगढ़ जिले में स्थित देब्रीगढ़ वन्यजीव अभयारण्य में एक रॉयल बंगाल टाइगर देखा गया है। वन विभाग के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। हीराकुड वन्यजीव मंडल की मंडलीय वन अधिकारी (डीएफओ) अंशु प्रज्ञान दास ने बताया कि बाघ अभयारण्य के अंदर कैमरे में दिखा और गश्त कर रहे कर्मचारियों ने उसे प्रत्यक्ष रूप से भी देखा। उन्होंने बताया कि बंगाल टाइगर देचुआन-लखनपुर वन क्षेत्र से होते हुए अभयारण्य में दाखिल हुआ था। आशंका है कि यह पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ से अभयारण्य में



दाखिल हुआ है। उन्होंने बताया कि बाघ की तस्वीरों का राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) और भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई) द्वारा विश्लेषण किए जाने के बाद ही उसकी उत्पत्ति, लिंग और अन्य विवरणों की पुष्टि हो सकेगी। अभयारण्य के रास्तों पर रोजाना गश्त के लिए कुल 100 कैमरा ट्रैप लगाए गए हैं और 27 टीमों को तैनात किया गया है।

टीमें गश्त कर रहीं

वन अधिकारी ने बताया कि रात में भी तीन स्तरों पर टीमों द्वारा गश्त की जा रही है। उन्होंने बताया कि 2022 से 2024 के बीच करीब डेढ़ साल तक एक रॉयल बंगाल टाइगर देब्रीगढ़ अभयारण्य में रहा था। उन्होंने कहा कि बाद में छत्तीसगढ़ के गोमर्दा अभयारण्य में करंट लगने से उस बाघ की मौत हो गई थी। अभयारण्य में घने जंगल, शिकार की पर्याप्त उपलब्धता और हीराकुड जलाशय में पानी की मौजूदगी ने संभवतः बाघ को आकर्षित किया होगा। ओडिशा सरकार ने मध्य भारतीय वन क्षेत्र से बाघों को लाकर देब्रीगढ़ वन्यजीव अभयारण्य में बसाने की योजना बनाई है।

त्योहारी भीड़ को कम करने के लिए चलाई विशेष ट्रेनों में से एक

दिल्ली-पटना मार्ग पर तेजस राजधानी की गति अधिक और वंदे भारत के कुर्सी यान से कम 'एसी 3' का किराया

भाषा ▶▶ नई दिल्ली

त्योहारों के दौरान यात्रियों की भीड़ कम करने के लिए रेलवे मंत्रालय की ओर से चलाई गई विभिन्न विशेष ट्रेन में से एक नई दिल्ली-पटना वंदे भारत के कुर्सी यान का किराया इसी मार्ग पर चलने वाली तेजस राजधानी एक्सप्रेस से अधिक है और इसमें सफर करने में ज्यादा समय भी लगता है।

अधिकारियों ने जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हालांकि वंदे भारत कुर्सी यान राजधानी एक्सप्रेस की तरह शयनयान श्रेणी की वातानुकूलित ट्रेन नहीं है, लेकिन यह बेहतर यात्री सुविधाओं से लैस आधुनिक ट्रेन है जो इसके अधिक किराये को उचित ठहराती हैं।

एसी 3 कोच का किराया 2,545 रुपये



आईआरसीटीसी की वेबसाइट के अनुसार, नई दिल्ली से पटना के बीच चलने वाली वंदे भारत स्पेशल (ट्रेन संख्या 2252) के कुर्सी यान श्रेणी का किराया 2,615 रुपये है, जबकि त्योहारों के मौसम में तेजस राजधानी के तृतीय श्रेणी के वातानुकूलित (एसी 3) कोच का किराया 2,545 रुपये है। वेबसाइट के अनुसार, वंदे भारत ट्रेन नई दिल्ली और पटना के बीच करीब एक हजार किलोमीटर की दूरी तय करने में 12 घंटे 55 मिनट लेती है, जबकि इस मार्ग की सबसे तेज ट्रेन तेजस राजधानी को यह दूरी तय करने में 11 घंटे 28 मिनट लगते हैं।

देश के सबसे व्यस्त रेल मार्गों में से एक नई दिल्ली-पटना मार्ग

नई दिल्ली-पटना मार्ग देश के सबसे व्यस्त रेल मार्गों में से एक है और इस पर पूरे साल यात्रियों की भारी भीड़ रहती है। त्योहारों के दौरान यात्रियों की संख्या कई गुना बढ़ जाती है, जिसके कारण रेलवे को विशेष ट्रेन चलानी पड़ती हैं। सप्ताह में छह दिन चलने वाली वंदे भारत चेयर कार के अलावा, रेल मंत्रालय ने 10 से अधिक विशेष ट्रेन शुरू की हैं। इनमें से तीन ट्रेन सप्ताह के सभी दिन चलती है। छठ तक अगले एक सप्ताह के लिए नियमित व विशेष ट्रेन की वातानुकूलित तथा गैर-वातानुकूलित सहित सभी शयनयान श्रेणियों में सीटें पूरी तरह बुक होने के कारण उनके पास वंदे भारत से यात्रा करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था।

खबर संक्षेप

जैप्टो पर गिफ्ट हैम्पर की मांग तीन गुना बढ़ी

नई दिल्ली। त्वरित सामान डिलिवरी मंच जैप्टो पर इस साल दिवाली के दौरान त्योहारों के गिफ्ट हैम्पर के ऑर्डर पिछले साल की तुलना में तीन गुना बढ़ गए। वहीं, मिठाइयों में लड्डू सबसे अधिक बार ऑर्डर किया गया, जबकि कुल बिक्री की मात्रा के लिहाज से सोन पापड़ी सबसे आगे रही। जैप्टो के अनुसार, उपहारों की मांग में सबसे अधिक वृद्धि दर्ज की गई। गिफ्ट हैम्पर के ऑर्डर पिछले दिवाली की तुलना में तीन गुना बढ़ना दर्शाता है कि लोग अब विशेष रूप से तैयार किए गए उपहारों को अधिक पसंद कर रहे हैं। इस साल दिवाली के दौरान मंच पर 4.68 लाख दीयों के ऑर्डर मिले। स्थानीय कारीगरों के साथ उसकी साझेदारी पारंपरिक और स्थानीय स्तर पर तैयार उत्पादों को बड़े बाजार तक पहुंचाने में मदद करती है।

रुपया 21 पैसे चढ़कर 93.77 प्रति डॉलर पर

मुंबई। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 21 पैसे मजबूत होकर 93.77 पर बंद हुआ। कच्चे तेल की कीमतों में नरमी, विदेशी पूंजी के बेहतर प्रवाह और पश्चिम एशिया में तनाव कम होने की उम्मीदों से निवेशकों की धारणा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, विदेशी निवेश का लगातार प्रवाह, कच्चे तेल की कीमतों में स्थिरता और डॉलर में मामूली कमजोरी से रुपये को समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया करीब 93.85 प्रति डॉलर पर खुला।

दिल्ली में यमुना क्रूज सेवा आस से होगी शुरू

नई दिल्ली। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल मंगलवार को दिल्ली में पहली सैर-सपाटे से संबंधित यमुना क्रूज सेवा का उद्घाटन करेंगे। आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के अनुसार, राष्ट्रीय जलमार्ग अधिनियम, 2016 के तहत यमुना नदी को राष्ट्रीय जलमार्ग-110 घोषित किया गया है। दिल्ली में यमुना नदी के सोनिया विहार-जगतपुर खंड में क्रूज सेवा की शुरुआत इस राष्ट्रीय जलमार्ग की नौकायन और नदी पर्यटन की संभावनाओं का उपयोग करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।''

शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे अमित शाह, गोयल

अमरावती। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल तथा आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू 12 और 13 नवंबर को विशाखापत्तनम में आयोजित होने वाले 31वें सीआईआई साझेदारी शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। इस सम्मेलन में 58 देशों के प्रतिनिधियों के भाग लेने की उम्मीद है। इस सम्मेलन में अंतरराष्ट्रीय नीति निर्माता, उद्योगपति और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ वैश्विक अर्थव्यवस्था में हो रहे बदलावों के बीच व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी साझेदारी तथा उभरते अवसरों पर चर्चा करेंगे।

ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक का लाभ बढ़कर 52 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक बस बनाने वाली कंपनी ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष 2026-27 की सितंबर में समाप्त दूसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध मुनाफा 5.4 प्रतिशत बढ़कर 52.12 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही में कंपनी का कर शुद्ध लाभ 49.43 करोड़ रुपये था। ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की परिचालन आय बढ़कर 687.01 करोड़ रुपये हो गई, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 656.62 करोड़ रुपये थी।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

अब एआई पकड़ सकेगा सोशल मीडिया पर बच्चों की फर्जी उम्र

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बच्चों और किशोरों की सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच मेटा ने बड़ा कदम उठाने की तैयारी की है। कंपनी अब फेसबुक और इंस्टाग्राम पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित उम्र पहचान प्रणाली दुनियाभर में लागू करने जा रही है। इसके जरिए प्लेटफॉर्म खुद पता लगा सकेंगे कि कोई यूजर किशोर है या वयस्क। खास बात यह है कि अकाउंट बनाते समय गलत उम्र दर्ज करने पर भी एआई यूजर की वास्तविक उम्र का अनुमान लगा सकेगा। उम्र किशोर होने की पुष्टि होते ही संबंधित अकाउंट अपने आप सख्त सुरक्षा और प्राइवेसी वाले टीन अकाउंट में बदल जाएगा। मेटा के अनुसार, नए फीचर्स जनवरी से आधिकारिक रूप से लागू होने शुरू होंगे।

- किशोरों के अकाउंट अपने आप टीन सेटिंग्स में बदलेंगे

मेटा दुनियाभर में लागू करेगा नया एज वेरिफिकेशन सिस्टम

इस्तेमाल के तरीके से उम्र पहचानेगा एआई

मेटा अप्रैल 2025 से इस तकनीक की टेस्टिंग कर रहा है। कंपनी का एआई सिस्टम केवल यूजर की ओर से दर्ज की गई जन्मतिथि पर निर्भर नहीं रहेगा, बल्कि उसके इस्तेमाल के तरीके और गतिविधियों के आधार पर भी उम्र का अनुमान लगाएगा। यदि कोई किशोर अपनी उम्र गलत बताकर वयस्क अकाउंट बनाता है तो सिस्टम उसकी पहचान कर उसे टीन अकाउंट की सुरक्षा व्यवस्था में शामिल कर सकता है। इसके बाद आपत्तिजनक और उम्र के लिहाज से अनुपयुक्त वीडियो व पोस्ट दिखाने पर रोक लगाने जैसी व्यवस्थाएं सक्रिय हो जाएंगी। कंपनी अभिभावकों को भी इस प्रणाली की कार्यप्रणाली समझाने के लिए विशेष जानकारी वाले वीडियो जारी करेगी।



स्क्रीन टाइम और नोटिफिकेशन पर भी नियंत्रण

मेटा के नए सुरक्षा फीचर्स में किशोरों के लिए रोजाना सोशल मीडिया इस्तेमाल की समय सीमा तय करने की व्यवस्था भी शामिल है। इसके अलावा क्वाइट मोड के माध्यम से रात के समय नोटिफिकेशन बंद रखे जा सकेंगे। अनजान लोगों से बातचीत और संपर्क को सीमित करने के लिए प्राइवेसी नियम भी सख्त किए जाएंगे। कंपनी का उद्देश्य किशोरों को अनुचित कंटेंट, अनजान लोगों के संपर्क और जरूरत से ज्यादा स्क्रीन टाइम से बचाना है।

मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहे असर ने बढ़ाई चिंता

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के डिजाइन और उनके इस्तेमाल को लेकर लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं। आरोप हैं कि नोटिफिकेशन, ऑटो-प्ले और लाइक जैसे फीचर बच्चों को लगातार एप से जोड़े रखने के लिए बनाए गए हैं। इससे उनमें सोशल मीडिया की आदत और स्क्रीन टाइम बढ़ने का खतरा रहता है। इंस्टाग्राम पर फिल्टर और दूसरों की आकर्षक तस्वीरें देखने से किशोरों में अपने रंग-रूप और शरीर को लेकर असंतोष बढ़ सकता है। देर रात तक मोबाइल इस्तेमाल करने से नींद प्रभावित होती है। इसके अलावा साइबर बुलिंग, ट्रोलिंग और दूसरों से लगातार तुलना करने की प्रवृत्ति बच्चों में तनाव और हीनभावना पैदा कर सकती है। उम्र के अनुरूप कंटेंट नहीं मिलने से भी वे मानसिक रूप से परेशान करने वाली सामग्री के संपर्क में आ सकते हैं।

कानूनी दबाव के बीच कंपनियों की नई रणनीति

मेटा पर बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य पर सोशल मीडिया के प्रभाव को लेकर गंभीर आरोप लगे हैं। अमेरिका के न्यू मेक्सिको की अदालत ने बच्चों की सुरक्षा के संबंध में भ्रामक भरोसा देने के मामले में कंपनी पर करीब 8,000 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया। इसके अलावा सोशल मीडिया की लत से जुड़े एक अन्य मामले में भी कंपनी को कानूनी समझौता करना पड़ा। दुनियाभर में बच्चों की डिजिटल सुरक्षा को लेकर कानून सख्त हो रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया ने 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाया है। ऐसे माहौल में मेटा की नई पहल को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि, इसकी वास्तविक सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि एआई उम्र की पहचान कितनी सटीक करता है और बच्चों की निजता सुरक्षित रखते हुए इन नियमों को कितनी प्रभावी ढंग से लागू किया जाता है।

भारत और 27 देशों के समूह यूरोपीय संघ के अगले महीने महत्वाकांक्षी मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की है उम्मीद

अगले माह होंगे प्रस्तावित बड़े व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर

व्यापार, निवेश एवं प्रौद्योगिकी में सहयोग बढ़ाएंगे भारत और ईयू

भाषा ▶▶ नई दिल्ली

भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) ने अगले महीने प्रस्तावित बड़े व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर से पहले सोमवार को व्यापार एवं निवेश, क्वांटम प्रौद्योगिकी, सेमीकंडक्टर और जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। दोनों पक्षों ने कहा कि इससे पारस्परिक लाभ वाले और दूरगामी परिणाम हासिल किए जा सकेंगे। दोनों पक्षों ने प्रस्तावित निवेश संरक्षण समझौते और भौगोलिक संकेतक (जीआई) समझौते को भी अंतिम रूप देने की दिशा में काम जारी रखने पर सहमति जताई। नई दिल्ली में हुई भारत-यूरोपीय संघ रणनीतिक साझेदारी की सातवीं समीक्षा बैठक (एसपीआरएम) में दोनों पक्षों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग की व्यापक समीक्षा की गई।



रणनीतिक सहयोग पर भी चर्चा

बयान में कहा गया, 'चर्चा में आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने और आर्थिक सुरक्षा से जुड़े मुद्दे भी शामिल रहे। इसमें व्यापार एवं प्रौद्योगिकी परिषद (टीटीसी) और ब्लू वैलीज पहल के तहत रणनीतिक सहयोग पर भी चर्चा हुई।' समीक्षा बैठक में दोनों पक्षों ने कृत्रिम मेधा (एआई), क्वांटम प्रौद्योगिकी, डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे (डीपीआई), उन्नत सेमीकंडक्टर, स्वच्छ प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी सहित महत्वपूर्ण एवं उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में सहयोग पर भी चर्चा की। दोनों पक्षों ने डिजिटल क्षेत्र में बेहतर माहौल बनाने और डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करने पर सहमति जताई।

दो अरब लोगों को मिलेगा बड़ा बाजार

भारत और 27 देशों के समूह यूरोपीय संघ के अगले महीने महत्वाकांक्षी मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की उम्मीद है। इसे 'सभी समझौतों की जननी' कहा जा रहा है। इससे दो अरब लोगों का एक बड़ा बाजार तैयार होगा। एक संयुक्त बयान के अनुसार, 'दोनों पक्षों ने व्यापार एवं निवेश सहयोग बढ़ाने की दिशा में हुई प्रगति की समीक्षा की। इसमें भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते पर समयबद्ध हस्ताक्षर और उसका क्रियान्वयन तथा निवेश संरक्षण समझौते और भौगोलिक संकेतक समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में काम जारी रखना शामिल है।'

कच्चे तेल में नरमी से शेयर बाजार मामूली बढ़त पर बंद

सेंसेक्स 107 अंकों की उछाल, 81,106.65 पर बंद

मुंबई (भाषा)। कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और बैंकों एवं वित्तीय कंपनियों के शेयरों में खरीदारी से सोमवार को घरेलू शेयर बाजार मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। सेंसेक्स में 107 अंक की तेजी रही जबकि निफ्टी 25,000 अंक के स्तर के ऊपर बंद हुआ। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 107.25 अंक यानी 0.13 प्रतिशत चढ़कर 81,106.65 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 340.01 अंक बढ़कर 81,339.41 अंक पर पहुंच गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 58.25 अंक यानी 0.23 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,044.65 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में भारतीय स्टेट बैंक, ट्रेंट, लार्सन एंड टुब्रो, एनटीपीसी, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर प्रमुख रूप से लाभ में रहे।



निफ्टी 58.25 अंकों की बढ़त के साथ 25,044.65 अंक पर बंद

दूसरी तरफ एचसीएल टेक, टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट और बजाज फाइनेंस के शेयर में गिरावट रही। पिछले सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में जोरदार तेजी देखी गई थी। सेंसेक्स में 6,568.49 अंक यानी 8.82 प्रतिशत और निफ्टी में 1,977.25 अंक यानी 8.57 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई थी। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''हालिया तेजी के बाद बीच-बीच में मुनाफावसूली होने से बाजार सीमित दायरे में रहा।

वैश्विक बाजारों में तेजी के बीच सोना 600 रुपये चढ़ा, चांदी स्थिर

नई दिल्ली (भाषा)। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोमवार को सोने की कीमतों में मामूली सुधार हुआ। कच्चे तेल की कीमतों में कमजोरी और वैश्विक बाजारों में तेजी के बीच सोना 600 रुपये बढ़कर 1,46,900 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। शुक्रवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 1,46,300 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। हालांकि, चांदी की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ और यह सभी करों सहित 1,92,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर स्थिर रही। स्थानीय कारोबारियों ने यह जानकारी दी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और अमेरिकी डॉलर में अपेक्षाकृत स्थिरता से घरेलू सर्राफा बाजार को समर्थन मिला, जिससे सोने की कीमतों में सुधार हुआ। ब्रोकरेज फर्म लेमन के शोध प्रमुख गौरव गर्ग के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतों में हालिया गिरावट से दिवाली के त्योहारी मौसम में भौतिक सोने की खरीदारी को प्रोत्साहन मिला। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना 29.69 डॉलर यानी करीब एक प्रतिशत बढ़कर 4,100 डॉलर प्रति औंस हो गया, जबकि चांदी एक प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ 52.58 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के जिंस विश्लेषक मानव मोदी ने कहा, ''सोने की कीमतें 4,100 डॉलर प्रति औंस के स्तर से ऊपर पहुंच गईं। निवेशक पिछले सप्ताह की संक्षिप्त गिरावट से उबरने के बाद अमेरिका के मजबूत रोजगार आंकड़ों, ट्रेजरी बॉन्ड प्रतिफल में नरमी और भू-राजनीतिक तनाव कम होने की उम्मीदों का आकलन कर रहे हैं।''



सोना 600 रुपये बढ़कर 1,46,900 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया

ब्रेंट कच्चे तेल का वायदा भाव 5 % से अधिक गिरकर 8,125 रुपये प्रति बैरल पर आया

नई दिल्ली (भाषा)। अमेरिका और ईरान के बीच कूटनीतिक समाधान निकलने की उम्मीद तथा पश्चिम एशिया से तेल आपूर्ति बहाल होने की संभावनाओं के बीच वैश्विक ऊर्जा कीमतों में गिरावट आई। इसके चलते सोमवार को कच्चे तेल का वायदा भाव पांच प्रतिशत से अधिक टूटकर 8,125 रुपये प्रति बैरल रह गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में कच्चे तेल का नवंबर माह में डिलिवरी होने वाला अनुबंध 429 रुपये या 5.02 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,084 रुपये प्रति बैरल रह गया। कच्चे तेल का दिसंबर माह में डिलिवरी होने वाला अनुबंध 394 रुपये या करीब पांच प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,125 रुपये प्रति बैरल रह गया। इसमें 8,125 लॉट के लिए कारोबार हुआ।

रिलायंस ब्रोकिंग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (रिसर्च) अजीत मिश्रा ने कहा कि कीमतों में तेज गिरावट से पता चलता है कि तत्काल आपूर्ति को लेकर चिंताएं कम हुई हैं। बाजार पश्चिम एशिया संघर्ष के कम होने और तेल आपूर्ति धीरे-धीरे बहाल होने की संभावना को ध्यान में रखकर चल रहा है। हालांकि, भू-राजनीतिक स्थिति अब भी नाजुक बनी हुई है। जहाजों के आवागमन वाले मार्गों और ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर नए हमलों से आपूर्ति संबंधी जोखिम बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर तेल की बढ़ती अतिरिक्त आपूर्ति की आशंका भी कीमतों में लगातार सुधार की संभावना को सीमित कर सकती है। वैश्विक स्तर पर वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट कच्चा तेल 3.45 डॉलर या चार प्रतिशत की गिरावट के साथ 87.38 डॉलर प्रति बैरल रह गया जबकि ब्रेंट क्रूड का दाम 4.16 डॉलर या 4.23 प्रतिशत टूटकर 94.16 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

टेनेको इंडिया वाहन क्षेत्र से आगे कारोबार में अधिग्रहण तलाश रही

नई दिल्ली (भाषा)। वाहन कलपुर्जे बनाने वाली कंपनी टेनेको क्लीन एयर इंडिया अपने कारोबार का विस्तार वाहन क्षेत्र से आगे करने और उसमें विविधता लाने के लिए अधिग्रहण के अवसर तलाश रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। कंपनी रेलवे, वैमानिकी और रक्षा सहित औद्योगिक क्षेत्रों में अवसरों पर विचार कर रही है। इसके साथ ही वह ऐसे वाहन उत्पादों का दायरा भी बढ़ाना चाहती है, जो किसी एक प्रकार के पावरट्रेन पर निर्भर न हों और आंतरिक दहन इंजन (आईसीई), हाइब्रिड तथा इलेक्ट्रिक वाहन, तीनों में इस्तेमाल किए जा सकें। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अरविंद चंद्रा ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''हम संबंधित क्षेत्रों में कारोबार के विस्तार के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में भी विविधीकरण के अवसर तलाश रहे हैं। अधिग्रहण और विलय (एमएंडए) के कई अवसरों पर हमारी नजर है और हम इसे लेकर काफी उत्साहित हैं।''

गोदरेज प्रॉपर्टीज की दूसरी छमाही में 32,000 करोड़ रुपये के घर पेश करने की योजना

नई दिल्ली (भाषा)। गोदरेज प्रॉपर्टीज चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में 32,000 करोड़ रुपये मूल्य के मकान बिक्री के लिए पेश करने की योजना बना रही है। यह पहली छमाही में पेश किए गए घरों के मूल्य से दोगुना है। कंपनी की योजना कारोबार विस्तार और आवास की मजबूत मांग का लाभ उठाने की है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-सितंबर अवधि में 16,000 करोड़ रुपये मूल्य की आवासीय संपत्तियां बिक्री के लिए पेश की थीं। गोदरेज प्रॉपर्टीज के चेयरपर्सन पिरोजशा गोदरेज ने पीटीआई-भाषा को दिए साक्षात्कार में कहा कि कंपनी बिक्री बुकिंग, ग्राहकों से राशि की वसूली, नई परियोजनाएं पेश करने, जमीन अधिग्रहण और परियोजनाएं पूरी करने के अपने सालाना लक्ष्यों को हासिल करने या उनसे बेहतर प्रदर्शन करने की राह पर है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में नई परियोजनाएं पेश करने की योजना के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), पुणे, बेंगलुरु और हैदराबाद सहित प्रमुख शहरों में कंपनी की योजना काफी मजबूत है।

एचएसबीसी ने भारतीय शेयरों में अधिक निवेश की सलाह दी, चीन पर रुख तटस्थ किया

मुंबई (भाषा)। विदेशी ब्रोकरेज कंपनी एचएसबीसी ने शेयर बाजार की हाल की गिरावट के बाद भारतीय शेयरों के प्रति अपना रुख सकारात्मक करते हुए सोमवार को उनकी रेटिंग बढ़ाकर 'ओवरवेट' (मानक से अधिक निवेश की सलाह) कर दी जबकि चीन के शेयरों की रेटिंग घटाकर 'न्यूट्रल' (तटस्थ) कर दी। एचएसबीसी ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि कई वर्षों तक भारतीय शेयरों के मूल्यांकन में नरमी और उभरते बाजारों की तुलना में उनके कमजोर प्रदर्शन के बाद यह फैसला किया गया है। उसने कहा कि भारतीय शेयरों का मूल्यांकन अब अधिक उचित स्तर पर आ गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, एचएसबीसी को भारत में कर्ज की वृद्धि मजबूत बने रहने और कंपनियों की कमाई में स्थिरता की उम्मीद है। इसके अलावा, आर्थिक वृद्धि और रुपये को समर्थन देने वाले उपाय भी बाजार के लिए अनुकूल रहेंगे। ब्रोकरेज ने कहा कि भारत जैसे ऊर्जा आयातक देश पर कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का असर पड़ना स्वाभाविक है। हालांकि, तेल की ऊंची कीमतों और अल नीनो के जोखिम के बावजूद बाजार की समग्र धारणा पर इनका खास असर पड़ने की आशंका नहीं है।

नवीकरणीय ऊर्जा, बिजली ग्रिड और ऊर्जा भंडारण में बनेंगे बड़े अवसर

शुद्ध शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य खोलेगा 22.7 लाख करोड़ डॉलर के निवेश का रास्ता

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत का वर्ष 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन हासिल करने का लक्ष्य देश की अर्थव्यवस्था के लिए निवेश के नए द्वार खोल सकता है। नवीकरणीय ऊर्जा, बिजली ग्रिड, ऊर्जा भंडारण और स्वच्छ प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में आने वाले दशकों के दौरान करीब 22.7 लाख करोड़ डॉलर के निवेश अवसर पैदा होने का अनुमान है। ऑस्ट्रेलियाई अर्थशास्त्री निकी हटले की नई रिपोर्ट में यह आकलन किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत का ऊर्जा क्षेत्र में बदलाव केवल पर्यावरण संरक्षण तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक कंपनियों, निवेशकों और वित्तीय संस्थानों के लिए भी बड़ा कारोबारी अवसर बनेगा।

'इंडियाज नेट जीरो ट्रांजिशन इज द वल्ड्र्स नेट जीरो ट्रांजिशन' शीर्षक वाली रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की तेज आर्थिक वृद्धि और कार्बन उत्सर्जन में कमी के बीच संतुलन बनाने की क्षमता का असर पूरी दुनिया पर पड़ेगा। इसकी प्रमुख वजह देश की लगातार बढ़ती ऊर्जा जरूरतें और वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में उसकी बढ़ती हिस्सेदारी है। भारत की ऊर्जा मांग जितनी तेजी से बढ़ेगी, उतनी ही बड़ी जरूरत स्वच्छ और टिकाऊ ऊर्जा व्यवस्था विकसित करने की होगी।रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के ऊर्जा क्षेत्र में बदलाव को वैश्विक निवेश के अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए। नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के साथ बिजली ग्रिड का विस्तार और आधुनिकीकरण, ऊर्जा भंडारण की क्षमता विकसित करना तथा नई स्वच्छ प्रौद्योगिकियों को अपनाना निवेश के प्रमुख क्षेत्र होंगे। इससे बुनियादी ढांचा विकसित करने वाली कंपनियों और तकनीक उपलब्ध कराने वाले संस्थानों के लिए भी बाजार का विस्तार होगा।

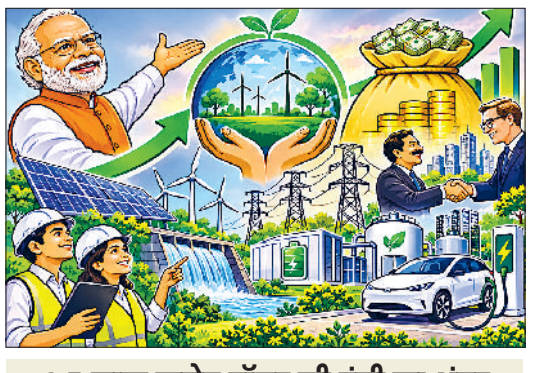

6.5 लाख करोड़ डॉलर की पूंजी का अंतर

रिपोर्ट के अनुसार, शुद्ध शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करने के लिए अनुमानित निवेश की जरूरत इतनी बड़ी है कि इसे केवल घरेलू संसाधनों के सहारे पूरा करना संभव नहीं होगा। भारत अपनी कुल निवेश जरूरत का 70 प्रतिशत से कुछ अधिक हिस्सा घरेलू स्तर पर जुटा सकता है। इसके बावजूद करीब 6.5 लाख करोड़ डॉलर की वित्तीय कमी रहने का अनुमान है। इस अंतर को पाटने में विदेशी निवेशकों, विकास वित्त संस्थानों और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय बाजारों की अहम भूमिका होगी।

बढ़ती ऊर्जा मांग से बढ़ेगी निवेश की जरूरत

आने वाले वर्षों में भारत की आबादी, शहरीकरण और औद्योगीकरण में वृद्धि के साथ बिजली की खपत भी तेजी से बढ़ने की उम्मीद है। एयर कंडीशनर की बढ़ती मांग और डेटा सेंटर के विस्तार से ऊर्जा जरूरतों पर अतिरिक्त दबाव पड़ेगा। ऐसे में देश को न केवल अधिक बिजली उत्पादन क्षमता विकसित करनी होगी, बल्कि बिजली की आपूर्ति को भरोसेमंद बनाने के लिए ग्रिड और भंडारण व्यवस्था में भी बड़े निवेश की जरूरत होगी।

गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता में भारत की प्रगति

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से बिजली उत्पादन क्षमता बढ़ाने में उल्लेखनीय प्रगति की है। जून 2026 तक देश की कुल स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता में गैर-जीवाश्म स्रोतों की हिस्सेदारी 54.2 प्रतिशत हो गई थी। हालांकि, कुल बिजली उत्पादन में नवीकरणीय ऊर्जा का वास्तविक योगदान इससे काफी कम है। ग्रिड से होने वाले कुल बिजली उत्पादन में इसकी हिस्सेदारी करीब एक चौथाई है। यह अंतर बताता है कि स्थापित क्षमता को वास्तविक बिजली उत्पादन में बदलने और आपूर्ति व्यवस्था मजबूत करने के लिए अभी व्यापक निवेश की जरूरत है। भारत ने 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है। वहीं, स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर 2047 तक विकसित अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में भी प्रयास जारी हैं।

सरकारी प्रतिभूतियों में एफपीआई का निवेश 8,000 करोड़ रुपये बढ़ा

मुंबई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने नवंबर के पहले सप्ताह में पूर्ण पहुंच मार्ग (एफएआर) के तहत सरकारी प्रतिभूतियों में अपना निवेश करीब 8,000 करोड़ रुपये बढ़ाया है। इस दौरान रुपये में मजबूती आई और बॉन्ड प्रतिफल में गिरावट दर्ज की गई। पीटीआई-भाषा द्वारा भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड (सीसीआईएल) से प्राप्त आंकड़ों के संकलन के मुताबिक, एफएआर के तहत सरकारी प्रतिभूतियों में एफपीआई की हिस्सेदारी दो नवंबर के 3.57 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर नौ नवंबर को 3.65 लाख करोड़ रुपये हो गई। इस तरह इसमें करीब 7,968.78 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई। इसी अवधि में भारतीय रुपया दो नवंबर के 94.90 प्रति डॉलर से मजबूत होकर सोमवार को 93.74 प्रति डॉलर पर पहुंच गया।

उषा को एसओएम चुनाव में झटका, साइना, अंजू, डोला और रानी निर्वाचित

भाषा ⏭ नई दिल्ली

चार महिला प्रतिनिधियों के निर्वाचन के लिए 80 एसओएम मतदाता सूची में थे



भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा को सोमवार को 'स्पोर्ट्सपर्सन ऑफ मेरिट' (उत्कृष्ट खिलाड़ी यानी एसओएम) के रूप में चार महिला प्रतिनिधियों में चुने जाने में नाकाम रहने से बड़ा झटका लगा। पूर्व बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल छह उम्मीदवारों के बीच हुए विवादित चुनाव में बाजी मारने में सफल रहीं। उनके अलावा लंबी कूद की महान खिलाड़ी अंजू बॉबी जॉर्ज, पूर्व तीरंदाज डोला बनर्जी और भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान रानी रामपाल भी एसओएम चुनी गईं।

चुनाव अधिकारी संजय कुमार श्रीवास्तव द्वारा जारी चुनाव परिणामों के अनुसार, चार महिला प्रतिनिधियों के निर्वाचन के लिए 80 एसओएम (40 पुरुष और 40 महिलाएं) मतदाता सूची में शामिल थे। इन सभी 80 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। सोमवार को सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक हुए ऑनलाइन मतदान में छह उम्मीदवारों ने हिस्सा लिया। अंजू को सर्वाधिक 53 मत मिले, जबकि रानी 50 मतों के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। डोला को 45 और साइना को 43 मत प्राप्त हुए। उषा 40 मतों के साथ पांचवें स्थान पर रहीं, जबकि पूर्व बास्केटबॉल खिलाड़ी अनिता पॉल दुरई को छह मत मिले।

आठ एसओएम आईओए की महासभा के सदस्य बनेंगे

वर्ष 2022 में पीटी उषा एसओएम के रास्ते निर्विरोध निर्वाचित होकर आईओए की पहली महिला अध्यक्ष बनी थीं। निर्वाचित होने वाले आठ एसओएम आईओए की महासभा के सदस्य बन जाएंगे। इसके साथ ही उन्हें पांच दिसंबर को होने वाले नये कार्यकारी परिषद के चुनाव में मतदान करने के साथ-साथ उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ने का भी अधिकार मिल जाएगा। इन आठ एसओएम में से दो सदस्यों (एक पुरुष और एक महिला) को आईओए की कार्यकारी परिषद में भी जगह मिलेगी।

विवाद भी बढ़ा

आईओए के एसओएम चुनाव के दौरान उस समय विवाद खड़ा हो गया जब पीटी उषा ने चुनाव अधिकारी संजय कुमार श्रीवास्तव के समक्ष शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने पूर्व तीरंदाज डोला बनर्जी पर व्हाट्सऐप संदेश के जरिए वोट मांगकर आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। अपनी शिकायत में उषा ने एक ऐसे व्हाट्सऐप संदेश पर आपत्ति जताई जो कथित तौर पर डोला बनर्जी के नाम वाले अकाउंट से भेजा गया था। इस संदेश में 'न्यू भारत पैनल' के समर्थन की अपील की गई थी। साथ ही मतदाताओं से चार उम्मीदवारों को वोट देने का आग्रह किया गया था। संदेश में इन उम्मीदवारों के नाम के साथ उनके बैलेट सीरियल नंबर और मतदाता सूची के क्रमांक भी दिए गए थे।

ये पुरुष खिलाड़ी निर्विरोध चुने

इससे पहले शनिवार को ओलंपिक पदक विजेता गगन नारंग, विजेंदर सिंह और योगेश्वर दत्त के साथ पूर्व टेबल टेनिस खिलाड़ी कमलेश मेहता चार पुरुष एसओएम के रूप में निर्विरोध चुने गए थे। उनके मुकाबले में खड़े आठ अन्य उम्मीदवारों ने नामांकन वापस ले लिया था। लंदन ओलंपिक (2012) में 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने वाले 43 वर्षीय गगन को भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के अध्यक्ष पद के प्रबल दावेदारों में से एक माना जा रहा है।

उषा के लिए यह जरूरी

उषा अब पांच दिसंबर को होने वाले आईओए की कार्यकारी परिषद के चुनाव में तभी उम्मीदवार बन सकती हैं जब कोई राष्ट्रीय खेल महासंघ (एनएसएफ) उन्हें आम सभा के लिए नामित करे। इसकी संभावना हालांकि कम बताई जा रही है। एथलेटिक्स की इस दिग्गज खिलाड़ी को भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के दो प्रतिनिधियों में जगह मिलने की भी उम्मीद बेहद कम है। आईओए के संविधान के मुताबिक अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवार का एसओएम या महासभा का सदस्य होना अनिवार्य है।

टीपीएल 36 जूनियर खिलाड़ियों को देगी छात्रवृत्ति

- दो को ऑस्ट्रेलियाई ओपन में खेलने का मिलेगा अवसर

नई दिल्ली। टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की पहल के तहत छह क्षेत्रों के 36 होनहार जूनियर खिलाड़ियों को 75-75 हजार रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान करेगी। इसके अलावा अंडर-14 वर्ग के दो चैंपियन खिलाड़ियों को 2027 के ऑस्ट्रेलियाई ओपन में जाने का अवसर भी मिलेगा। रेस टू गोल्ड मास्टर्स प्रतियोगिता का आयोजन नवंबर में तीन सप्ताहांत के दौरान किया जाएगा। इसकी शुरुआत 14-15 नवंबर को दिल्ली लॉन टेनिस संघ (डीएलटीए) के कोर्ट पर उत्तर क्षेत्र की प्रतियोगिता से होगी।

तीसरा वनडे आज, पांच मैचों की सीरीज में 2-0 से आगे भारत

न्यूजीलैंड के खिलाफ शृंखला जीतने उतरेगा भारत, रोहित पर रहेंगी निगाहें

एजेंसी ⏭ हैमिल्टन

अंतिम दो मैचों में कप्तानी श्रेयस करेंगे



अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा की फॉर्म पर सवाल उठ रहे हैं लेकिन भारत मंगलवार को यहां तीसरे एकदिवसीय में चोटों से जूझ रही न्यूजीलैंड की टीम को हराकर पांच मैच की शृंखला में विजयी बढ़त हासिल करने के इरादे से उतरेगा। हालांकि तेज गेंदबाजों की अनुकूल परिस्थितियां भारतीय शीर्ष क्रम के लिए चुनौती पेश कर सकती हैं। भारत पांच मैच की शृंखला में 2-0 से आगे है लेकिन ईडन पार्क में विराट कोहली की शानदार पारी को छोड़ दें तो कप्तान शुभमन गिल और अनुभवी रोहित समेत अन्य बल्लेबाज तेज गेंदबाजों की अनुकूल परिस्थितियों में सहज नजर नहीं आए हैं। गिल की प्राथमिकता तीसरे मैच में ही शृंखला जीतना होगी क्योंकि वह अंतिम दो मुकाबलों में नहीं खेलेंगे। उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ वेलिंगटन में होने वाले पहले टेस्ट की तैयारी के लिए अपना ध्यान लाल गेंद के क्रिकेट पर लगाना होगा। तीसरे एकदिवसीय में अच्छी पारी खेलकर शृंखला भारत के नाम करने से गिल का टेस्ट शृंखला से पहले आत्मविश्वास बढ़ेगा। अंतिम दो एकदिवसीय में टीम की कप्तानी श्रेयस अय्यर करेंगे। ये दोनों मुकाबले टाउरंगा में खेले जाएंगे।

बारिश से प्रभावित होने का खतरा

सेडन पार्क में तीसरा मुकाबला भी बारिश से प्रभावित हो सकता है। ठंडी और गीली परिस्थितियों के कारण एक बार फिर तेज गेंदबाजों को अतिरिक्त स्विंग और उछाल मिल सकता है जिससे बल्लेबाजों की मुश्किलें बढ़ेंगी। ऐसे हालात में 39 वर्षीय पूर्व कप्तान रोहित को शृंखला के शुरुआती दो मैच में बनाए गए शून्य और 23 रन के स्कोर से बेहतर प्रदर्शन करना होगा। पिछले एक साल में रोहित ने अपने बल्लेबाजी के अंदाज में बदलाव किया है। अब वह आक्रामक रुख अपनाने से पहले पारी की नींव मजबूत करने को प्राथमिकता देते हैं। वर्ष 2023 के एकदिवसीय विश्व कप तक उनके जोखिम लेकर आक्रामक बल्लेबाजी करने के अंदाज की तुलना में यह स्पष्ट बदलाव है लेकिन इस रणनीति के परिणाम मिलेजुले रहे हैं। न्यूजीलैंड में अब तक की परिस्थितियों में संभलकर बल्लेबाजी करना जरूरी रहा है लेकिन रोहित दोनों मैच में सहज नहीं दिखे। इसके विपरीत कोहली ने वेलिंगटन में दूसरे एकदिवसीय में कम समय तक क्रीज पर रहने के बावजूद शानदार लय दिखाई थी।

टीमें इस प्रकार हैं-

न्यूजीलैंड: मिचेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, क्रिस्टियन क्लार्क, जैकब डफी, मैट फिशर, काइल जेमीसन, निक केली, टॉम लैथम, डेरिल मिचेल, हेनरी निकोल्स, ग्लेन फिलिप्स, टिम साइफर्ट, नाथन स्मिथ और विल यंग।

भारत: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, अक्षर पटेल, नमन धीर, अंशुल कंबोज, आकिब नबी, गुरनूर बरार, अर्शदीप सिंह, इशान किशन, मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव।

समय : मैच भारतीय समयानुसार सुबह 7:30 बजे शुरू होगा।

चेन्नई ओपन : लिनेट ने गत चैंपियन टीजेन को हराकर खिताब जीता



एजेंसी ⏭ चेन्नई

पोलैंड की मार्ग्दा लिनेट ने शानदार वापसी करते हुए गत चैंपियन और शीर्ष वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया की जेनिस टीजेन को सोमवार को यहां 5-7, 6-1, 6-4 से हराकर डब्ल्यूटीए 250 चेन्नई ओपन का महिला एकल वर्ग का खिताब जीत लिया। रविवार शाम को होने वाला फाइनल लगातार बारिश के कारण खेल प्रभावित होने के चलते सोमवार तक स्थगित कर दिया गया था। इसके बाद प्रदूषण और धुंध की घनी परत के कारण कम दृश्यता होने से भी परिस्थितियां खेलने के अनुकूल नहीं थीं। तीसरी वरीयता प्राप्त लिनेट ने पहला सेट करीबी मुकाबले में गंवाने के बाद शानदार वापसी की। उन्होंने दूसरे सेट में दबदबा बनाया और निर्णायक सेट में संयम बरकरार रखते हुए अपने करियर का चौथा एकल खिताब हासिल किया। टीजेन ने पिछले साल यहां खिताब जीता था और वह चेन्नई ओपन का खिताब सफलतापूर्वक बचाने वाली पहली खिलाड़ी बनने की कोशिश में थीं। वहीं लिनेट ने दो साल से अधिक समय से चले आ रहे खिताबी सूखे को समाप्त किया। उन्होंने पिछली बार जुलाई 2024 में प्राग ओपन का खिताब जीता था। पोलैंड की इस खिलाड़ी ने 2022 में भी चेन्नई ओपन के फाइनल में जगह बनाई थी लेकिन तब उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। इस टूर्नामेंट में भारतीय महिला टेनिस के लिए भी ऐतिहासिक उपलब्धि देखने को मिली। वैष्णवी अडकर और ऋतुजा भोसले डब्ल्यूटीए टूर युगल फाइनल में पहुंचने वाली पहली ऐसी जोड़ी बनीं जिसकी दोनों खिलाड़ी भारतीय हैं। हालांकि रविवार को खेले गए फाइनल में उन्हें सिमोना वाल्टर और नैमा करामोको की स्विट्जरलैंड की जोड़ी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा और वे उपविजेता रहीं।

खबर संक्षेप

तन्वी की नजर ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने पर

नई दिल्ली। भारत की 15 वर्षीय भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी पत्री ने लगातार चोटों से जूझने के बाद अपनी उम्मीदों को थोड़ा व्यावहारिक बनाया है जहां अगले दो वर्षों में उनका सबसे बड़ा लक्ष्य 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करना है।
डकार में हुए युवा ओलंपिक में ऐतिहासिक रजत पदक जीतने के बाद तन्वी की नजर एशियाई जूनियर चैंपियनशिप और विश्व जूनियर चैंपियनशिप का खिताब जीतने पर भी है।

युवा ओलंपिक तीरंदाजी के क्वार्टर फाइनल में हारीं गाथा

डकार। युवा ओलंपिक में भारत की एकमात्र तीरंदाज गाथा खडके को सोमवार को महिला व्यक्तिगत रिकर्व अंडर-18 स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में करीबी मुकाबले के बाद हार का सामना करना पड़ा। उन्हें अमेरिका की छठी वरीयता प्राप्त यीउन व्हांग ने शूट-ऑफ में हराकर प्रतियोगिता से बाहर कर दिया। पांच सेट तक चले रोमांचक मुकाबले में दोनों तीरंदाजों के बीच 5-5 से बराबरी रही।

भारत-न्यूजीलैंड खेल संबंधों के 100 साल पूरे

नई दिल्ली। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता संजय 15 से 23 नवंबर तक न्यूजीलैंड दौरे पर तीन मैचों की शृंखला के लिए भारत की युवा पुरूष हॉकी टीम की कप्तानी करेंगें। यह दौरा भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेल संबंधों के 100 साल पूरे होने के मौके पर आयोजित किया जा रहा है। भारतीय टीम 19, 21 और 22 नवंबर को ऑकलैंड के लॉयड एल्समोर हॉकी स्टेडियम में मेजबान टीम से भिड़ेगी।

विश्व टूर फाइनल्स में जगह बनाने की उम्मीदों को मजबूत करने उतरेंगे लक्ष्य

एजेंसी ⏭ कुमामोतो (जापान)



जर्मनी में खिताब जीतकर फॉर्म में लौटे भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन को साल के आखिर में होने वाले बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स में जगह बनाने के लिए मंगलवार से शुरू हो रहे कुमामोतो मास्टर्स जापान सुपर 500 टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। विश्व रैंकिंग में 13वें स्थान पर काबिज लक्ष्य ने हाइलो ओपन का खिताब जीतकर मुश्किल दौर को पीछे छोड़ा है। वह जापान में पांच लाख डॉलर की इनामी राशि वाले टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत चीनी ताइपे के विश्व में 24वें नंबर के खिलाड़ी ची यू जेन के खिलाफ करेंगे। आठवीं वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी फिलहाल बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर रैंकिंग में 10वें स्थान पर है। चीन में होने वाले सत्र के समापन टूर्नामेंट में क्वालीफाई करने के लिए उन्हें शीर्ष आठ में जगह बनानी होगी। अल्मोड़ा के 25 वर्षीय लक्ष्य का ची यू जेन के खिलाफ जीत-हार का रिकॉर्ड 1-1 है। इस सप्ताह कुमामोटो में और अगले सप्ताह हांगकांग ओपन सुपर 500 में अच्छा प्रदर्शन उन्हें विश्व टूर फाइनल्स का टिकट दिला सकता है। विश्व टूर फाइनल्स का आयोजन नौ से 13 दिसंबर तक होगा। पुरुष एकल में भारत के किदांबी श्रीकांत भी चुनौती पेश करेंगे। इसी साल जून में अमेरिका ओपन के फाइनल तक पहुंचने वाले श्रीकांत का सामना डेनमार्क के रासमुस गेम्के से होगा। महिला एकल में मालविका बंसोड़ की भिड़ंत जापान की पांचवीं वरीय तोमोका मियाजाकी से होगी। पुरुष युगल में विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज और छठी वरीयता प्राप्त सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी तथा चिराग शेट्टी की जोड़ी फिर से जीत की लय हासिल करने के इरादे से उतरेगी।

युवा ओलंपिक : शौर्या ने 100 मीटर बाधा दौड़ में कांस्य जीत रचा इतिहास

चीन की झांग ने स्वर्ण और फ्रांस की अन्ना ने रजत जीता



डकार (सेनेगल)। भारत की उभरती हुई धाविका शौर्या अंबुरे ने युवा ओलंपिक में महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। महाराष्ट्र की 17 वर्षीय शौर्या ने रविवार को यहां 13.59 सेकंड का समय निकालकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। शौर्या इन खेलों में एथलेटिक्स में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली एकमात्र खिलाड़ी है। चीन की झांग केयी ने 13.17 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि फ्रांस की अन्ना पीटर्स ने 13.57 सेकंड के समय के साथ रजत पदक अपने नाम किया। शौर्या ने एक ही दिन में दो बार अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सुधारा। उन्होंने सेमीफाइनल में 13.77 सेकंड का समय निकालकर अपना पिछला रिकॉर्ड बेहतर किया था। इसके बाद फाइनल में 13.59 सेकंड का समय निकालने में सफल रहीं। शौर्या पिछले 18 महीनों में एशियाई अंडर-18 चैंपियनशिप, एशियाई युवा खेलों और युवा ओलंपिक में पदक जीतने में सफल रही हैं।

अफगानिस्तान-जिम्बाब्वे के बीच पहला टेस्ट ड्रॉ

शारजाह। अफगानिस्तान और जिम्बाब्वे के बीच पहले टेस्ट मैच में दोनों टीमों ने मिला कर 1500 से अधिक रन बनाये लेकिन सोमवार को यह मुकाबला नीरस ड्रॉ के साथ समाप्त हुआ। इस मैच में छह शतक और एक दोहरा शतक भी लगा, लेकिन सपाट और गेंदबाजों के लिए बेअसर पिच पर जिम्बाब्वे ने दूसरी पारी घोषित नहीं करने का फैसला किया, जिससे मुकाबले का कोई नतीजा नहीं निकल सका। जिम्बाब्वे के अनुभवी बल्लेबाज क्रेग एर्विन और हरफनमौला वेस्ली मधेवेरे ने दूसरी पारी में नाबाद 206 रन की साझेदारी की। इस दौरान दोनों खिलाड़ियों ने व्यक्तिगत उपलब्धियां भी हासिल कीं। 41 वर्षीय एर्विन ने अपने टेस्ट करियर का पहला दोहरा शतक लगाया। वह 206 रन बनाकर नाबाद रहे। ऑफ स्पिनर मधेवेरे ने टेस्ट क्रिकेट में अपना पहला शतक जड़ा और 100 रन बनाकर नाबाद लौटे। जिम्बाब्वे ने दूसरी पारी में पांच विकेट पर 523 रन बनाए। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे ब्रेंडन टेलर ने 82 रन का योगदान दिया। उन्होंने पहली पारी में भी 131 रन बनाए थे। कप्तान ब्रायन बेनेट ने 128 रन की पारी खेली थी। इन दोनों के शतकों की मदद से जिम्बाब्वे ने पहली पारी में 504 रन बनाए। इसके जवाब में अफगानिस्तान ने भी 514 रन बनाए। उसकी ओर से सलामी बल्लेबाज सेदिकुल्लाह अटल (105), तीसरे नंबर के बल्लेबाज रहमानुल्लाह (113) और चौथे नंबर पर उतरे कप्तान रहमत शाह (173) ने शतक जड़े।

खेलो इंडिया युवा खेलों में प्रदर्शन स्पर्धा के तौर पर शामिल होगा सेलिंग

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

हैदराबाद में 11 दिसंबर से शुरू होने वाले आठवें खेलो इंडिया युवा खेलों (केआईवाईजी) में 27 प्रतिस्पर्धी खेलों के अलावा सेलिंग (पाल नौकायन) को प्रदर्शनी स्पर्धा के तौर पर शामिल किया जाएगा। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को यह घोषणा की। हैदराबाद के विभिन्न खेल स्थलों पर 22 खेलों का आयोजन होगा। इनमें बशीरबाग स्थित लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम परिसर और आधुनिक गचीबाउली खेल परिसर शामिल हैं। बाकी खेलों का आयोजन खम्मम (तीरंदाजी), हनुमानकोंडा (एथलेटिक्स), करीमनगर (जूडो), निजामाबाद (टेबल टेनिस) और महबूबनगर (कबड्डी) में किया जाएगा। आगामी सत्र में प्रतिस्पर्धी खेलों की सूची से रग्बी की जगह रोइंग को शामिल किया गया है। पहली बार मेजबानी कर रहे तेलंगाना ने पिछले सत्र के मेजबान बिहार की पसंद रग्बी की जगह रोइंग को चुना है। इस प्रतियोगिता में करीब छह जार खिलाड़ियों और 1,800 सहयोगी स्टाफ के हिस्सा लेने की उम्मीद है। सॉफ्टबॉल पहली बार प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में शामिल होगा जबकि सेलिंग को पहली बार खेलो इंडिया युवा खेलों के कार्यक्रम में प्रदर्शन स्पर्धा के तौर पर जगह मिली है। मांडविया ने कहा, ''हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि खेल पारिस्थितिकी तंत्र का इस तरह विस्तार होना चाहिए कि हम ओलंपिक में अधिक से अधिक खेलों में हिस्सा ले सकें।

पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच ने कहा, हमने पूरी कोशिश व प्रयास किए

पहले महाद्वीप और फिर विश्व में दबदबा जरूरी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन को विश्व कप में देश के निराशाजनक रिकॉर्ड का मलाल है लेकिन उनका मानना है कि विश्व हॉकी में मजबूत ताकत बनने के लिए पहले महाद्वीपीय स्तर पर अपना दबदबा कायम करना जरूरी है। मई 2023 में भारतीय टीम की कमान संभालने वाले फुल्टोन के मार्गदर्शन में भारत ने लगातार दो एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक और लगातार तीन एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी खिताब जीते हैं। इन उपलब्धियों से विश्व की शीर्ष चार टीम में जगह बनाने की भारत की कोशिशों को मजबूती मिली है। दक्षिण अफ्रीका के फुल्टोन ने पीटीआई को दिए विशेष साक्षात्कार में कहा, ''जब मैंने पदभार संभाला था तब भारत कई वर्षों से एशियाई खेलों में पदक नहीं जीत पाया था इसलिए शुरुआत कहीं से तो करनी ही होती है। सबसे पहले विश्व कप और ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करना होता है। और इन प्रतियोगिताओं के लिए क्वालीफाई कहां से करते हैं? एशिया से।'' उन्होंने कहा, 'आपको एशिया से शुरुआत करके पहले इस महाद्वीप में अपना दबदबा कायम करना होता है। इसके बाद क्वालीफाई करना मानसिक रूप से आसान हो जाता

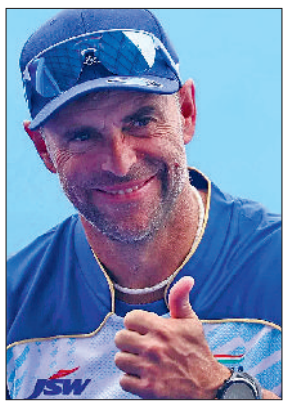

है। आप इसमें इतने माहिर हो जाते हैं कि आपको भरोसा हो जाता है कि क्वालीफाई करने की आपकी संभावना बहुत अच्छी है।''

विश्व कप में निराशाजनक प्रदर्शन का बड़ा दुख रहा

भारत ने 2022 में हांगझोउ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता था और इस साल जापान के आइची-नागोया में खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया। इसके अलावा भारतीय टीम ने चेन्नई (2023), चीन (2024) और पंजाब (2026) में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर खिताबों की हैट्रिक पूरी की। फुल्टोन ने कहा कि एशिया में भारतीय टीम के प्रदर्शन में निरंतरता उनके लिए काफी संतोष की बात है क्योंकि इस तरह का दबदबा कायम करने में समय लगा है। भारत की प्रगति पर संतोष जताने के बावजूद फुल्टोन ने स्वीकार किया कि विश्व कप में टीम का निराशाजनक प्रदर्शन एक बड़ा धब्बा रहा, विशेषकर पेरिस ओलंपिक में अच्छे प्रदर्शन के बाद। भारत ने पेरिस में ओलंपिक में 50 साल में पहली बार ऑस्ट्रेलिया को हराया था और लगातार दूसरा कांस्य पदक जीता था। इसके अलावा सेमीफाइनल में जर्मनी को कड़ी चुनौती दी थी। फुल्टोन ने कहा, ''लेकिन इसके बाद विश्व कप में हमें निराशा हाथ लगी। विश्व कप एक दिलचस्प प्रतियोगिता है।'' उन्होंने कहा, ''ओलंपिक में प्रेरणा का स्तर बहुत ऊंचा होता है लेकिन विश्व कप में ऐसा नहीं होता। कुछ अजीब कारणों से विश्व कप में हमारा प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है, जबकि ओलंपिक से पहले एशियाई खेलों में हमारा रिकॉर्ड काफी अच्छा रहा है।'' फुल्टोन ने इस साल विश्व कप और एशियाई खेलों के बीच केवल तीन सप्ताह के अंतर को भी चुनौतीपूर्ण बताया। उनके अनुसार इतने कम समय में दो बड़ी प्रतियोगिताओं की तैयारी और उनमें अच्छा प्रदर्शन करना मुश्किल हो जाता है।

खबर संक्षेप

टीएमसी विधायक परेशराम गिरफ्तार

कोलकाता। टीएमसी विधायक परेशराम दास को पुलिस ने रेप के आरोप में कोलकाता एयरपोर्ट से



गिरफ्तार किया है। परेशराम के खिलाफ एक महिला ने इसी साल सितंबर में शिकायत दर्ज करवाई है कि दास ने 4 लाख रुपए के बदले उसके पति को 2023 के पंचायत चुनाव का टिकट दिलाने का वादा किया था। महिला का दावा है कि वह पैसे देने के लिए विधायक द्वारा बनाए गए एक वृद्धाश्रम में गई थी।

चीन में इमारत में आग, 14 की मौत

बीजिंग। चीन के उत्तरी शांक्सी प्रांत की राजधानी ताइयुआन में एक बहुमंजिला इमारत में आग लग जाने से 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि 60 अन्य लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। चार बजकर 59 मिनट पर इमारत में आग लगी। सरकारी समाचार पत्र 'ग्लोबल टाइम्स' की खबर के अनुसार, आग को दोबारा भड़कने से रोकने के लिए दमकलकर्मियों ने शहर के यिंग्जे जिले में इमारत की ऊपरी मंजिलों पर पानी डालने के लिए ऊंचाई पर आग बुझाने वाले उपकरणों का इस्तेमाल किया।

दो कुकी युवाओं की हत्या का केस एनआईए को सौंपा

इंफाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह ने सोमवार को बताया कि सेनापति जिले में दो कुकी युवाओं की हत्या का मामला एनआईए को सौंप दिया गया है। मुख्यमंत्री ने यह घोषणा उन दो युवाओं के परिवारों से मुलाकात के दौरान की। ये युवा पड़ोसी कांगपोकपी जिले से लापता हो गए थे और बाद में सेनापति जिले में मृत पाए गए। ताफौ कुकी गांव के रहने वाले पाओगिनलाल हंगशिंग और टिंगिनलुएन चोंगलोई 28 अक्टूबर को लापता हो गए थे। 1 नवंबर को सुरक्षा बलों के एक संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान उनके शव बरामद किए गए।

तपती धरती का नया अलार्म: इतिहास के सबसे गर्म वर्षों में से एक होगा 2026

- विश्व मौसम विज्ञान संगठन की नई रिपोर्ट में बड़ा दावा
- अल नीनो' का प्रभाव अगस्त से लगातार जोर पकड़ता जा रहा

भाषा ▶▶| नई दिल्ली

साल 2026 ज्ञात मौसम इतिहास के चार सबसे गर्म वर्षों में से एक होगा, क्योंकि इस साल जनवरी से सितंबर के बीच की अवधि में वैश्विक औसत तापमान पूर्व-औद्योगिक काल (1850 से 1900 के बीच की अवधि के औसम तापमान) के मुकाबले 1.47 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) की नई रिपोर्ट में यह बात कही गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2026 में वैश्विक औसत तापमान में वृद्धि का यह आंकड़ा 2025 और 2023 में पूरे साल में दर्ज की गई औसत बढ़ोतरी से अधिक है, जबकि 2024 (जिसे ज्ञात मौसम इतिहास के सबसे गर्म वर्ष के तौर पर दर्ज किया गया है) के मुकाबले यह थोड़ा ही कम है। इसमें कहा गया है कि 2026 के अंत तक तापमान वृद्धि के आंकड़े के और बढ़ने की आशंका है, जिसकी वजह 'अल नीनो' का प्रभाव है, जो अगस्त से लगातार जोर पकड़ रहा है और जिसके दिसंबर तक अब तक के सबसे शक्तिशाली स्तर पर पहुंचने की आशंका है।

चरम मौसमी घटनाओं के एक नए दौर में प्रवेश कर चुके



संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने में कहा कि हम चरम मौसमी घटनाओं के एक नए दौर में प्रवेश कर चुके हैं। मानव जनित जलवायु परिवर्तन के कारण पहले ही बहुत गर्म हो चुकी पृथ्वी को एक बहुत शक्तिशाली 'अल नीनो' का सामना करना पड़ रहा है। जलवायु परिवर्तन के पिछले रिकॉर्ड लगातार टूट रहे हैं। मनुष्यों को होने वाला नुकसान बढ़ता जा रहा है।" उन्होंने कहा,"और जो लोग इसके लिए सबसे कम जिम्मेदार हैं, वे ही सबसे पहले और सबसे बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। नेताओं को गंभीरता दिखानी होगी-उन्हें ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में तेजी से कटौती करनी होगी, जीवाश्म ईंधन अपनाने की प्रक्रिया को तेज करना होगा और कमजोर तथा संवेदनशील देशों को वह आर्थिक मदद एवं सुरक्षा देनी होगी, जिसकी उन्हें जरूरत है।

पृथ्वी का ऊर्जा असंतुलन बिगड़ा

डब्ल्यूएमओ की रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक तापमान में वृद्धि का मुख्य कारण यह है कि पृथ्वी का ऊर्जा असंतुलन बढ़ रहा है और उसमें तेजी से गर्मी जमा हो रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह असंतुलन मौसम का दस्तावेजीकरण शुरू होने के बाद से अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है, क्योंकि ग्रीनहाउस गैस बहुत बड़ी मात्रा में गर्मी को रोक रही हैं, जिससे सूर्य से आने वाली ऊर्जा संतुलन बिगड़ गया है।

जीवन व आजीविका पर असर

रिपोर्ट में कहा गया है कि चरम मौसम घटनाओं ने लोगों के जीवन और आजीविका पर असर डाला है, खाद्य सुरक्षा को कमजोर किया है, गरीबी बढ़ाई है तथा कई क्षेत्रों में लोगों को अपना घर-बार छोड़ने के लिए मजबूर किया है। इसमें शुरुआती अनुमानों का हवाला देते हुए कहा गया है कि यूरोप में लू, सूखे और जंगलों में आग लगने की घटनाओं के कारण 30,000 से अधिक अतिरिक्त मौतें दर्ज की गई हैं।

'स्टेट ऑफ द क्लाइमेट रिपोर्ट' जारी

डब्ल्यूएमओ ने तुर्किये के अंताल्या में आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन (सीओपी31) के पहले दिन शुक्रवार को 'स्टेट ऑफ द क्लाइमेट रिपोर्ट' जारी की। डब्ल्यूएमओ महासचिव सेलेस्टे साउलो ने कहा कि पिछले चार साल 177 वर्षों के ज्ञात मौसम इतिहास के सबसे गर्म वर्ष रहे हैं और महासागरों का तापमान भी लगातार दसवें साल रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है।" उन्होंने कहा कि मौजूदा 'अल नीनो' के अब तक के सबसे शक्तिशाली 'अल नीनो' में से एक होने का अनुमान है और समुद्र से निकलने वाली गर्मी 2027 तक तापमान वृद्धि तथा चरम मौसम परिस्थितियों को बढ़ावा देती रहेगी।"

वैश्विक रुझान के विपरीत दक्षिणी महासागर के भारतीय क्षेत्र में ऑक्सीजन का स्तर बढ़ा

पणजी। दक्षिणी महासागर के भारतीय क्षेत्र (आईएसएसओ) में पिछले तीन दशकों में घुली हुई ऑक्सीजन के स्तर में काफी वृद्धि हुई है जबकि दुनिया के अन्य महासागरों में ऑक्सीजन का स्तर घटने का रुझान देखा जा रहा है। गोवा स्थित एक संस्थान के वैज्ञानिकों के अध्ययन में यह बात सामने आई है। वैज्ञानिकों ने

गोवा के राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं समुद्री अनुसंधान केंद्र के शोधकर्ताओं ने किया दावा

ऑक्सीजन के स्तर में इस वृद्धि का मुख्य कारण महासागर में जल के बेहतर परिसंरण को बताया है। इस प्रक्रिया में सतह का पानी महासागर की गहराई तक पहुंचता है और वहां ऑक्सीजन की आपूर्ति करता है। गोवा के राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं समुद्री अनुसंधान केंद्र (एनसीपीओआर) के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययन के अनुसार 1993 से 2025 के बीच आईएसएसओ में ऑक्सीजन के स्तर में बढ़ोतरी हुई है। यह वृद्धि विशेष रूप से ध्रुवीय और अंटार्कटिक क्षेत्रों में देखी गई। ये निष्कर्ष विश्व भर के महासागरों में ऑक्सीजन के स्तर में गिरावट के व्यापक रुझान के विपरीत हैं। वैज्ञानिकों ने इसके लिए वैश्विक तापवृद्धि, महासागरों में जल की परतों के बीच बढ़ते स्थिरीकरण और जल परिसंचरण के कमजोर होने को जिम्मेदार ठहराया है। एनसीपीओआर के निदेशक डॉ. थंबन मेलोथ ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, "दक्षिणी महासागर वैश्विक महासागर के प्रमुख 'फेफड़े' के रूप में काम करता है और वैश्विक ताप, कार्बन, पोषक तत्वों तथा ऑक्सीजन के नियमन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए, इसके जल परिसंचरण और 'वेंटिलेशन' में बदलाव का असर वैश्विक महासागर में ऑक्सीजन की कुल मात्रा पर पड़ सकता है।"

शाह ने गुजरात में 1,024 करोड़ की परियोजनाओं शुरू की, बोले

देश को 2029 तक नशामुक्त बनाने का लक्ष्य, जनता का सहयोग जरूरी

हेल्पलाइन नंबरों के जरिए नशीले पदार्थों के सेवन और बिक्री की सूचना देने की अपील

भाषा:अहमदाबाद

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि जनता के सक्रिय सहयोग के बिना केवल सरकारों के प्रयासों से मादक पदार्थों की समस्या खत्म नहीं की जा सकती और उन्होंने लोगों से विशेष हेल्पलाइन नंबरों के जरिए अधिकारियों को नशीले पदार्थों के सेवन और बिक्री की सूचना देने की अपील की। शाह ने यहां 1,024 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की शुरुआत करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भारत को नशामुक्त बनाने के लिए 31 दिसंबर 2029 की समयसीमा तय की गई है, लेकिन गुजरात को 31 दिसंबर 2028 तक ही यह लक्ष्य हासिल कर लेने की जरूरत है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि नशीले पदार्थों का सेवन हमारे युवाओं और भावी पीढ़ियों को खोखला कर देता है। यह युवाओं के मस्तिष्क, शरीर, सोचने-समझने की क्षमता और इंद्रियों को नुकसान पहुंचाकर देश के भविष्य को कमजोर करता है। इसके अलावा, मादक पदार्थों के कारोबार से होने वाली कमाई का इस्तेमाल देश में आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए किया जाता है।'' उन्होंने लोगों से मादक पदार्थों की बिक्री के मामलों की सूचना अधिकारियों को देने की अपील की।

प्रत्येक शिक्षक को सतर्क रहना चाहिए



शाह ने कहा कि प्रत्येक शिक्षक को सतर्क रहना चाहिए और किसी छात्र के व्यवहार में बदलाव दिखने पर इसकी सूचना देनी चाहिए। ऐसे बदलावों में आंखें लाल होना, कक्षा में सोना या पढ़ाई में ध्यान न लगा पाना शामिल हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि ऐसे छात्रों की जांच कराई जाए और अभिभावकों को भी किशोर उम्र के बच्चों पर कड़ी नजर रखनी चाहिए। उन्होंने कहा, "यह नागरिकों की भी जिम्मेदारी है कि वे अपने आसपास मादक पदार्थों के सेवन या बिक्री के किसी भी मामले की सूचना टोल-फ्री नंबर पर फोन करके दें।

अहमदाबाद से शुरुआत

शाह ने कहा, "हमने काली चौदस के शुभ दिन इस अभियान की शुरुआत की है। नशामुक्त भारत का लक्ष्य हासिल करने से पहले हमें अहमदाबाद और गुजरात को नशामुक्त बनाने से शुरुआत करनी होगी।" कार्यक्रम के दौरान शाह ने अपने संसदीय क्षेत्र गांधीनगर में अहमदाबाद नगर निगम की विभिन्न नागरिक सुविधाओं और बुनियादी ढांचे से जुड़ी विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

कार्यक्रम में सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के तहत आवास आवंटन के लिए कम्प्यूटरीकृत ड्रॉ भी निकाला गया और पौधारोपण अभियान चलाया गया। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और अहमदाबाद के महापौर हितेश बारोट सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति इस अवसर पर उपस्थित थे। नशामुक्ति अभियान से जुड़ी ये घोषणाएं शनिवार को अहमदाबाद में शाह की अध्यक्षता में हुई कानून-व्यवस्था संबंधी उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक के बाद की गई हैं। इस बैठक में उन्होंने प्रवर्तन एजेंसियों को मादक पदार्थों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की योजनाएं तैयार करने और नियंत्रण कक्ष की व्यवस्था का विस्तार करने के निर्देश दिए थे।

ओडिशा में वारदात

जादू-टोने के संदेह में बुजुर्ग की हत्या, दो भाई गिरफ्तार

हमले में इस्तेमाल लाठी, मोबाइल फोन पुलिस ने जब्त किए

भाषा ▶▶| ब्रह्मपुर (ओडिशा)

ओडिशा के गंजाम जिले में पुलिस ने जादू-टोने के संदेह में 80 वर्षीय एक बुजुर्ग की कथित तौर पर हत्या करने के आरोप में दो भाइयों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि यह वारदात चार नवंबर की रात बडांगी गांव में हुई। आरोपियों की पहचान अभिमन्यु गौड़ा (37) और उसके भाई सुशांत गौड़ा उर्फ कालिया (35) के रूप में हुई है जिन्हें रविवार को गिरफ्तार किया गया। वहीं, मृतक की पहचान इसी गांव के निवासी त्रिनाथ गौड़ा (80) के रूप में की गई है। भंजनगर के उप-मंडलीय पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) दीपक कुमार मिश्रा ने बताया कि जांच से पता चला है कि त्रिनाथ गौड़ा गांव में पारंपरिक अनुष्ठान करते थे। इसके कारण गांव और आसपास के कुछ लोगों को उन पर जादू-टोना करने का संदेह होने लगा था। दोनों आरोपियों को भी शक था कि बुजुर्ग उनके परिवार के खिलाफ तंत्र-मंत्र का इस्तेमाल कर रहे हैं।

पहले बुजुर्ग की लाठी से पिटाई की

पुलिस के अनुसार, वारदात वाली रात दोनों भाई बुजुर्ग के घर में कथित तौर पर घुसे और उन्हें खींचकर बरामदे में ले आए। उन्होंने पहले बुजुर्ग की लाठी से पिटाई की और फिर सीमेंट सिल्ली से उनके सिर तथा चेहरे पर जोरदार वार किया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि हत्या के बाद आरोपी गांव से भाग गए थे, लेकिन तलाशी अभियान के दौरान उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपियों के पास से खून से सनी सीमेंट की सिल्ली, हमले में इस्तेमाल लाठी, मोबाइल फोन और आरोपियों द्वारा पहने गए कपड़े जब्त कर लिए हैं।

गोवा में 3 साल की बच्ची से यौन उत्पीड़न

पणजी। गोवा के उत्तरी जिले के मापुसा में एक जर्जर इमारत में तीन साल की बच्ची के साथ कथित यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया है। बच्ची रविवार शाम टैक्सी स्टैंड के पास इमारत के बाहर रोती हुई मिली। एक राहगीर ने उसे देखा और स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस को सूचना दी। बच्ची का परिवार गुब्बारे बेचता है और वह दिवाली के लिए उनके साथ बाजार आई थी। पुलिस ने बच्ची को पहले मापुसा जिला अस्पताल और फिर गोवा मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। अधिकारियों के मुताबिक, उसकी हालत अब स्थिर है।

युद्ध लड़ने जा रहे नौ विदेशी नागरिक पकड़े

जोहानिसबर्ग (एपी)। रूस की ओर से यूक्रेन में युद्ध लड़ने जाने के संदेह में दक्षिण अफ्रीका में नौ विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। कर्नल कटलेगो मोगाले के अनुसार, 20 से 26 वर्ष की आयु के इन संदिग्धों को रविवार देर रात जोहानिसबर्ग के ओ.आर. टैम्बो हवाई अड्डे और पास के ब्रूमा इलाके के एक होटल से गिरफ्तार किया गया।

सागर: ट्रक व 'एसयूवी' में टक्कर, चार की मौत

सागर (मध्यप्रदेश)। मध्यप्रदेश के सागर जिले में सोमवार को एक तेज रफ्तार ट्रक और एक 'स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल' (एसयूवी) की आमने-सामने की टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई एवं पांच अन्य घायल हो गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी के मुताबिक यह दुर्घटना राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर देवरी थानाक्षेत्र में गोपालपुरा के पास सोमवार सुबह हुई, जब भैंसा गांव के लोग 'अर्टिगा' वाहन से अमावस्या के मौके पर नर्मदा स्नान के लिए बरमान जा रहे थे। उन्होंने बताया कि इस दुर्घटना में कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

जयराम रमेश का मोदी सरकार पर हमला

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस से ज्यादा जरूरी ईज ऑफ ब्रीदिंग

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶| नई दिल्ली

देश में वायु प्रदूषण अब गंभीर जनस्वास्थ्य संकट बन चुका है। फिक्की और वैश्विक परामर्श कंपनी एर्नेस्ट एंड यंग की संयुक्त रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2023 में भारत में लगभग 20 लाख मौतें वायु प्रदूषण से जुड़ी थीं। यह उस वर्ष देश में हुई कुल मौतों का करीब 22 फीसदी है। रिपोर्ट ने पीएम2.5 और ओजोन प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए तत्काल राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी कदम उठाने की जरूरत बताई है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश ने इस रिपोर्ट के आधार पर केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार लंबे समय से वायु प्रदूषण और उससे होने वाली मौतों के बीच संबंध को स्वीकार करने से बचती रही है। संसद के भीतर और बाहर कई अध्ययनों को यह कहकर खारिज किया जाता रहा कि वे भारत-विशिष्ट नहीं हैं अथवा प्रदूषण और मौतों के बीच प्रत्यक्ष संबंध स्थापित नहीं करते। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि अब देश के प्रमुख औद्योगिक संगठन की रिपोर्ट ने सरकार के सामने गंभीर चेतावनी रखी है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस अपनी जगह ठीक है, लेकिन ईज ऑफ ब्रीदिंग यानी आसानी से सांस ले पाना उससे भी ज्यादा बुनियादी जरूरत है। उन्होंने पीएम2.5 को देश के अनेक हिस्सों में

पीएम2.5 पर नियंत्रण के लिए नया कानून और डब्ल्यूएचओ के मानकों को अपनाने की मांग

जानलेवा बताते हुए सरकार से तत्काल कार्रवाई की मांग की।

जयराम ने रखी मांगे

जयराम रमेश ने प्रदूषण संकट से निपटने के लिए तीन प्रमुख कदम उठाने की मांग की है। पहला, पीएम2.5 और ओजोन के मौजूदा राष्ट्रीय मानकों को विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुशंसित सुरक्षा स्तरों के अनुरूप सख्त किया जाए। दूसरा, राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम का पुनर्गठन कर पीएम10 के साथ पीएम2.5 और ओजोन नियंत्रण को प्राथमिकता दी जाए। तीसरा, वर्ष 1981 के वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम की जगह जनस्वास्थ्य को केंद्र में रखकर नया और व्यापक क्लीन एयर कानून बनाया जाए। उनका कहना है कि पिछले चार दशकों में प्रदूषण के स्रोतों और स्वास्थ्य पर उनके प्रभावों को लेकर वैज्ञानिक साक्ष्य काफी बढ़े हैं, इसलिए मौजूदा कानून में व्यापक बदलाव जरूरी है। रिपोर्ट में अगले दस वर्षों के लिए चरणबद्ध कार्ययोजना प्रस्तुत की गई है। इसमें औद्योगिक उत्सर्जन की निगरानी, निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण, स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा, पराली प्रबंधन, बेहतर सार्वजनिक परिवहन और प्रदूषण निगरानी व्यवस्था मजबूत करने जैसे उपाय शामिल हैं।

2013 के विरोध प्रदर्शन मामले में बयान दर्ज कराने के लिए ममता बनर्जी को नोटिस जारी

नई दिल्ली (भाषा)। दिल्ली पुलिस ने पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को एक नोटिस जारी कर उनसे राष्ट्रीय राजधानी में 2013 में तृणमूल कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस के साथ हुई झड़प से जुड़े मामले में अपना बयान दर्ज कराने को कहा है। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने स्पष्ट किया कि बनर्जी को यह नोटिस मामले में एक गवाह के रूप में दिया गया है, न कि आरोपी के रूप में। यह मामला अप्रैल 2013 की एक घटना से संबंधित है। स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) के सदस्यों द्वारा पश्चिम बंगाल के तत्कालीन वित्त मंत्री अमित मित्रा पर कथित हमले के विरोध में बनर्जी ने अपने मंत्रियों और सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ संसद मार्ग पर योजना आयोग (अब नीति आयोग) के पास प्रदर्शन किया था। सुरक्षा चिंताओं और निषेधाज्ञा का हवाला देते हुए दिल्ली पुलिस कर्मियों द्वारा प्रतिनिधिमंडल को आगे बढ़ने से कथित रूप से रोकने की कोशिश के बाद बनर्जी और पुलिस कर्मियों के बीच कहासुनी हो गई थी।

जनगणना 2027-देश को 24.25 लाख हाउस लिस्टिंग ब्लॉक में बांटा

नई दिल्ली। जनगणना 2027 के लिए भारत ने अब तक का सबसे बड़ा डिजिटल काम पूरा कर लिया है। दरअसल, देश की 24.25 लाख हाउसलिस्टिंग ब्लॉक की मैपिंग स्पेशल सॉफ्टवेयर से कर दी गई है। जनगणना एक साथ पूरे भारत में नहीं होती। इसके लिए पूरे देश को छोटे-छोटे टुकड़ों में बांटा जाता है। एक ब्लॉक 800 लोगों तक की बस्ती होता है। एक जनगणनाकर्मी एक ब्लॉक में गिनती करेगा, यही ब्लॉक ही आगे चलकर जनगणना ब्लॉक बनेंगे, जहां असली गिनती होगी। मतलब पूरे भारत के हर मोहल्ले, हर गांव, हर झुग्गी का डिजिटल पता बन गया। आसान शब्दों में कहें तो हर ब्लॉक में 150-200 घर होंगे। रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण ने सभी राज्यों को भेजी चिट्ठी में ये जानकारी दी है। देश में जनगणना का दूसरा फेज 25 जनवरी 2027 से शुरू होगा, जो 28 फरवरी तक चलेगा।

सॉफ्टवेयर से हुई डिजिटल मैपिंग

इस काम के लिए जनगणना प्रबंधन और निगरानी प्रणाली एप्लिकेशन का इस्तेमाल किया गया है। यह एक खास सॉफ्टवेयर है। इसे जनगणना की निगरानी लगभग रियल टाइम में करने के लिए तैयार किया गया है। जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण ने कहा कि हाउस-लिस्टिंग फेज में बड़े स्तर पर डिजिटल मैपिंग की गई और देशभर का व्यापक जियोस्पेशल फ्रेमवर्क तैयार हुआ है।

झारखंड : वैन को ट्रक ने टक्कर मारी, पांच की मौत, तीन गंभीर

रांची। झारखंड के हजारीबाग जिले में सोमवार को एक ट्रक ने पिकअप वैन को टक्कर मार दी, जिससे कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि वैन में एक शव को अंतिम संस्कार के लिए वाराणसी ले जाया जा रहा था और मृतक के परिजन भी उसमें सवार थे। एक अधिकारी ने बताया कि वैन में गिरिडीह के कुल 19 लोग सवार थे। पुलिस के अनुसार, वाहन सुबह करीब 10:30 बजे दनुआ घाटी के पास महानैतांड में कुछ देर के लिए रुका था, तभी पीछे से आ रहे एक ट्रक ने उसे टक्कर मार दी। चौपारण थाने के प्रभारी के अनुसार, टक्कर इतनी जोरदार थी कि वैन पलट गयी और उसमें सवार कई लोग सड़क पर जा गिरे। 14 घायलों को हजारीबाग और बरही के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

शव और शोकाकुल परिजनों को वाराणसी ले जा रही थी वैन

आईएएस बनने का सपना पूरा पोस्टिंग का इंतजार...958 चयनित अभ्यर्थियों का सेवा आवंटन अटका

कोर्ट में चल रहे ओबीसी क्रीमी लेयर के केस का असर

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶| नई दिल्ली

देश की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षा सिविल सेवा परीक्षा पास करने के बाद प्रशासनिक सेवा में प्रवेश का इंतजार कर रहे सैकड़ों युवाओं के सामने एक अभूतपूर्व स्थिति पैदा हो गई है। संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा 2025 में अंतिम रूप से सफल घोषित 958 अभ्यर्थियों को परिणाम आने के 8 महीने बाद भी उनकी सेवाओं का आवंटन नहीं हो पाया है। इसके कारण मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में आयोजित होने वाला 101वां फाउंडेशन कोर्स भी निर्धारित समय पर शुरू नहीं हो सका है। इस प्रशासनिक गतिरोध का असर अब आगामी 2026 बैच की प्रशिक्षण व्यवस्था पर भी पड़ने की आशंका है। केंद्र सरकार के सामने एक तरफ पिछले बैच के अभ्यर्थियों का सेवा आवंटन पूरा करने की चुनौती है तो दूसरी तरफ नए बैच के चयन और प्रशिक्षण की समय-सारणी तैयार करने का दबाव भी बढ़ रहा है। इस पूरे विवाद के केंद्र में अन्य पिछड़ा वर्ग के क्रीमी लेयर निर्धारण को लेकर सुप्रीम कोर्ट का 11 मार्च का फैसला है। हालांकि, छह नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार की स्पष्टीकरण याचिका पर फैसला सुनाते हुए स्पष्ट कर दिया कि मार्च में निर्धारित कानूनी सिद्धांत सिविल सेवा परीक्षा 2025 के लंबित सेवा आवंटन पर भी लागू होंगे। इसके बावजूद अब निगाहें कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग पर हैं कि वह सेवा आवंटन और प्रशिक्षण की प्रक्रिया कितनी तेजी से पूरी करता है। यूपीएससी के परिणाम 6 मार्च को घोषित होने के बावजूद 958 चयनित अभ्यर्थियों को सेवा आवंटन के संबंध में डीओपीटी की ओर से कोई स्पष्ट सूचना नहीं मिली थी। आमतौर पर अगस्त के मध्य या अंतिम सप्ताह में शुरू होने वाला फाउंडेशन कोर्स सितंबर तक भी शुरू नहीं हो पाया था। कई चयनित अभ्यर्थियों ने माना सेवा आवंटन में देरी के कारण उनकी भविष्य की सेवा को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। खासकर उन अभ्यर्थियों की चिंता अधिक थी जिनकी रैंक आईएएस, आईपीएस और अन्य केंद्रीय सेवाओं की संभावित कटऑफ के आसपास थी।

एआई ने बढ़ाई चिंता, संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में दावा

दुनिया में बच्चों को डराने-धमकाने के मामले बढ़े

भाषा ▶▶| नई दिल्ली



यूनेस्को ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से प्रौद्योगिकी जनित हिंसा बढ़ने की चेतावनी देते हुए कहा है कि दुनिया भर में हर तीन में से एक छात्र प्रति महीने धमकी का, जबकि प्रत्येक 10 में से एक छात्र साइबर धौंस का सामना करता है। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) की नयी नीतिगत रिपोर्ट, 'कनेक्टेड एंड सेफ' से पता चलता है कि अश्लीलता दर्शाने वाले ऐप, आवाज की क्लोनिंग, एआई टूल के जरिये संदेश भेजकर किये जाने वाले उत्पीड़न और यौन शोषण के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले एआई ऐप अब कई क्षेत्रों में स्कूलों से संबंधित घटनाओं में सामने आ रहे हैं। यूनेस्को के महानिदेशक खालिद अल-एनानी के अनुसार, प्रत्येक महीने हर तीन में से एक विद्यार्थी को धौंस का सामना करना पड़ता है, जबकि हर 10 में से एक विद्यार्थी 'साइबर धमकी' का शिकार होता है। इन आंकड़ों से पता चलता है कि ऐसे लाखों बच्चे हैं जिनकी शिक्षा, स्वास्थ्य और कल्याण खतरे में है। नीतिगत रिपोर्ट के अनुसार, ''ऑनलाइन और प्रौद्योगिकी के जरिए होने वाली हिंसा अब शिक्षा प्रणालियों के लिए कोई मामूली या गौण मुद्दा नहीं रह गई है। यह कई विद्यार्थियों के स्कूली जीवन की वास्तविकता का हिस्सा बन गई है, जिसका सीधा असर उनकी सुरक्षा, कल्याण, भागीदारी और सीखने की प्रक्रिया पर पड़ता है। दुनिया भर में लगभग हर दस में से एक विद्यार्थी ने साइबर धमकी का सामना किया है।

यौन उत्पीड़न में लड़कों और लड़कियों, दोनों को प्रभावित

यूरोप, मध्य एशिया और उत्तरी अमेरिका के 44 देशों में, 2018 से 2022 के बीच लड़कों और लड़कियों, दोनों के बीच इसके मामले 12 प्रतिशत से बढ़कर 15 प्रतिशत हो गए हैं।'' इसमें कहा गया है कि कुछ विद्यार्थी दूसरों की तुलना में अधिक असुरक्षित होते हैं। लड़कियों और दिव्यांग विद्यार्थियों तथा सामाजिक-आर्थिक स्थिति या भौगोलिक कारणों से हाशिए पर धकेल दिये गए लोगों को अलग-अलग तरह के और अक्सर कहीं अधिक गंभीर नुकसान का सामना करना पड़ता है।इसमें कहा गया कि यौन उत्पीड़न लड़कों और लड़कियों, दोनों को प्रभावित कर सकती है, लेकिन लड़कियों के इस तरह के उत्पीड़न होने की संभावना अधिक होती है। यूनेस्को का कहना है कि छात्रों के लिए सुरक्षित डिजिटल माहौल बनाने की जिम्मेदारी सरकारों, प्रौद्योगिकी कंपनियों, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और नियामकों के बीच बंटी होनी चाहिए।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109